THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 310 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.3 2081 शनिवार, 1 फरवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने अंग्रेजी में पढ़ा राष्ट्रपति का अभिभाषण, विपक्ष ने जमकर की नारेबाजी

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने शुक्रवार को संसद की संयुक्त बैठक में अपना अभिभाषण दिया। इसमें उन्होंने कुंभ में बीते दिनों मचे भगदड़ पर दुख जताया। इसी सिलसिले में जब राज्यसभा में उपराष्ट्रपि जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रपति के अभिभाषण को अंग्रेजी में पढ़ा तब विपक्ष ने नारेबाजी शुरू कर दी और 'शर्म करों शर्म करों' के नारे भी लगाए। साथ ही इससे पहले, जब राष्ट्रपति ने अपने भाषण में पूर्वोत्तर राज्यों के बारे में बात की, तो कुछ विपक्षी सांसदों ने 'मणिपुर, मणिपुर' के नारे भी लगाए।

गरीब को गरिमापूर्ण जीवन मिले : मुर्मू

रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म करेंगे : मोदी

राष्ट्रपति का 59 मिनट का अभिभाषण

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। 18वीं लोकसभा के बजट सत्र का आज पहला दिन था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के जॉइंट सेशन में 59 मिनट का अभिभाषण दिया। उनके इस अभिभाषण पर कांग्रेस नेताओं की टिप्पणी पर विवाद हो गया। सोनिया गांधी ने द्रौपदी मुर्मू के लिए बेचारी शब्द इस्तेमाल किया। वहीं राहुल ने भाषण को बोरिंग बताया। भाजपा ने इसे आदिवासी समाज का अपमान बताया। वहीं राष्ट्रपति भवन के प्रेस सेक्रेटरी ने कहा- विपक्षी सांसदों का बयान दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसी टिप्पणियों से बचना चाहिए।

मोदी बोले- इस सत्र में कई ऐतिहासिक बिल पेश किए जाएंगे

संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदन के बाहर मीडिया को संबोधित किया था। पीएम ने कहा- इस सत्र में कई ऐतिहासिक बिल पेश किए जाएंगे। हर नारी को सम्मानपूर्ण जीवन मिले उस दिशा में इस सत्र में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जाएंगे। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म करेंगे।

किसानों को फसलों का उचित दाम दिलाने और आय बढ़ाने पर सरकार काम कर रही है। 332 मिलियन टन अनाज उत्पादन हुआ। खरीब-रबी फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी की है। मोटे अनाज की खरीद पर तीन गुना राशि खर्च की गई है। 109 उन्नत प्रजातियां किसानों को सौंपी गई हैं, अच्छी उपज के लिए।

छात्रों को उच्च शिक्षा में सहायता के लिए योजना शुरू की गई। 500 कंपनियों में इन्हें इंटर्नशिप भी दी जाएगी। पेपर लीक को रोकने के लिए नया कानून लागू किया गया है। सरकार ने ग्राम सड़क योजना के लिए 26 हजार करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। पिछले 6 माह में 17 वंदे भारत को जोड़ा गया है।

गरीब को गरिमापूर्ण जीवन मिले, इसके लिए हम प्रयासरत हैं। देश के 25 करोड़ लोग गरीबी को परास्त कर आज अपने जीवन में आगे बढ़ रहे हैं। इन्होंने न्यू मिडिल क्लास का ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार किया जो नई ऊर्जा से भर रहा है। सरकारी कर्मचारियों के सम्माान के लिए आठवें वेतन आयोग के गठन का निर्णय लिया है। केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों के यूनिफाइड पेंशन के तहत 50 फीसदी निश्चित पेंशन देने का फैसला लिया गया है।

आधुनिक इन्फ्रांस्ट्रक्चर देश को नया आत्म विश्वास देता है। हमने कई माइल स्टोन खड़े किए हैं। 10 साल पहले बुनियादी ढांचे का बजट 2 लाख करोड़ था, अब यह 11 लाख करोड़ से ज्यादा है। डीप वाटर मेगा पोर्ट की बुनियाद रखी गई है। ये दुनिया का टॉप 10 पोर्ट में से एक होगा। उधमपुर, श्रीनगर-बारमुला रेल योजना पूरी हो गई है। देश कश्मीर से कन्याकुमारी तक रेललाइन से जुड़ जाएगा। विश्व का सबसे ऊंचा ब्रिज, रेल केबल ब्रिज बनाया गया है।

कैंसर मरीजों के लिए कैंसर दवाओं को कस्टम ड्यूटी से मुक्त कर दिया गया है। सर्वाइकल कैंसर के लिए 9 करोड़ महिलाओं की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। जितना बल फिजिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम किया, उतना ही सोशल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम किया। अस्पताल, इलाज और सेवा के चलते परिवार का खर्च लगातार कम हो रहा है। एक लाख 75 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर बने हैं। आज भारत टेक्नोलॉजी के रूप में अहम ग्लोबल प्लेयर है। भारत में 5 जी की शुरुआत इसका उदाहरण है। यूपीआई टेक्नोलॉजी की सफलता से प्रभावित हैं। 50 फीसदी से ज्यादा रियलटाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन हो रहा है। भारत में छोटे से छोटा दुकानदार इस सुविधा का लाभ उठा रहा है। बैंकिंग सेवाएं, UPI जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। 5 लाख से ज्यादा कॉमर्स सर्विस सेंटर में दर्जनों सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। डीजी लॉकर से कहीं भी और कभी भी अपने अहम दस्तावेज दिखाने की व्यवस्था मिली।

संसद में आर्थिक सर्वेक्षण पेश

अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच महंगाई 4.9% रही; जीडीपी ग्रोथ 6.3% से 6.8% तक

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज यानी 31 जनवरी को इकोनॉमिक सर्वे पेश किया। इसके अनुसार एफवाय 26 यानी, 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के दौरान जीडीपी ग्रोथ 6.3% से 6.8% रहने का अनुमान है। वहीं रिटेल महंगाई अप्रैल-दिसंबर 2024 में 4.9% हो गई।

इकोनॉमिक सर्वे बजट से एक दिन पहले पेश किया जाता है। इसमें देश की जीडीपी का अनुमान और महंगाई समेत कई जानकारियां होती है। इससे पता चलता है कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की हालत कैसी है। डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक अफेयर्स इसे तैयार करता है।

इकोनॉमिक सर्वे 2025 की बड़ी बातें:

2025-2026 में इकोनॉमी 6.37 से 6.87 की रफ्तार से बढ़ने का अनुमान है। सर्वे में कहा गया है कि 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के लिए अगले एक से दो दशक तक 8% के दर से आर्थिक विकास करना होगा।

2023-2024 में रिटेल महंगाई 5.4% थी, जो अप्रैल-दिसंबर 2024 में 4.9% हो गई। चौथी तिमाही में महंगाई में कमी की उम्मीद है। खराब मौसम, कम उपज के चलते सप्लाई चेन में बाधा आने से खाने-पीने की महंगाई बढ़ी।

सर्वे में कहा गया है कि लेबर मार्केट के हालात 7 साल में बेहतर हुए है।

>14

आप-दा वालों के कुछ दिन बाकी: मोदी

लूटने वालों को लौटाना पड़ेगा, हर भ्रष्टाचार की जांच होगी

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज द्वारका में रैली की। उन्होंने कहा कि आप-दा वालों ने दिल्ली को अपनी राजनीति चमकाने का एटीएम बना लिया है। इन लोगों ने दिल्ली का पैसा निचोड़ लिया है, लूट लिया है। जिन्होंने दिल्ली को लूटा है, उन्हें लौटाना ही पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में घोटाले करके ये आप-दा वाले कालेधन से देश के दूसरे राज्यों में राजनीति चमकाते हैं। विधानसभा के पहले सत्र में ही सीएजी रिपोर्ट टेबल होगी। इसमें आप-दा सरकार के घोटालों का जिक्र है। हर भ्रष्टाचार की जांच होगी। पीएम मोदी ने कहा कि आप वाले दिल्ली में रहे तो दिल्ली और पिछड़ती जाएगी। दिल्ली में तकरार वाली नहीं, तालमेल वाली सरकार चाहिए। दिल्ली को लूट और झूठ की आप-दा से मुक्त कराना है।

मेरा अपना तो कोई घर नहीं है, लेकिन मेरा सपना है कि मैं हर गरीब को पक्का घर दूं। लेकिन यहां की आप-दा सरकार पूरी ताकत से जुटी हुई है कि आपको पक्के घर न मिल पाएं।

पिछले सालों में आप-दा वालों ने इन्फ्रास्ट्रक्चर बजट नहीं बढ़ाया है। इस साल भी उन्होंने इसके लिए फंड नहीं दिया। ये जनता का पैसा जनता के विकास के लिए नहीं बल्कि अपना प्रचार करने में खर्च करते हैं। ये टीवी पर, अखबारों में, सड़कों के किनारे अपने चेहरे चमकाने के लिए पानी की तरह पैसा बहा रहे हैं, लेकिन आपकी गली, नाली, सीवर, सड़क, पाइपलाइन, इनको बनाने के लिए आप-दा वाले पैसा नहीं देते।

राष्ट्रपति के अपमान पर उतरी कांग्रेस

नई दिल्ली, 31 जनवरी(एजेंसियां)। संसद सत्र के पहले ही दिन सरकार और विपक्ष में तलवारें खिंच गई हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की प्रतिक्रिया को लेकर बीजेपी हमलावर है। सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लिए पुअर लेडी शब्द का प्रयोग किया। बीजेपी ने इसे राष्ट्रपति का अपमान बताया। सोनिया की इस टिप्पणी की गूंज दिल्ली चुनाव में भी दिखने लगी है। पीएम मोदी ने दिल्ली की चुनाव सभा में सोनिया की राष्ट्रपति पर टिप्पणी को लेकर कांग्रेस पर हमला किया।

'शाही परिवार का अहंकार देश ने देखा'

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के शाही परिवार का अहंकार आज देश ने फिर देखा है। आज हमारी सम्मानीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने संसद को संबोधित किया। उन्होंने देशवासियों की उपलब्धियों के बारे में बताया, विकसित भारत के विजन के बारे में बताया। हिंदी उनकी मातृभाषा नहीं है, फिर भी उन्होंने बहुत ही बेहतरीन भाषण दिया, लेकिन कांग्रेस का शाही परिवार उनके अपमान पर उतर आया है।

हरियाणा सीएम के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज हो : केजरीवाल

उन्होंने जानबूझकर यमुना का पानी जहरीला किया पूर्व सीएम चुनाव आयोग से मिले

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल शुक्रवार सुबह 11.30 बजे चुनाव आयोग ऑफिस पहुंचे। उन्होंने यमुना जहर मामले पर आयोग की ओर से पूछे गए सवालों के जवाब में चिट्ठी दी। इस दौरान उनके साथ दिल्ली की सीएम आतिशी और पंजाब सीएम भगवंत मान भी साथ पहुंचे थे। केजरीवाल ने चिट्ठी में लिखा कि हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने जानबूझकर यमुना का पानी जहरीला किया। हरियाणा सीएम के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज हो। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, केजरीवाल बिना अपॉइंटमेंट के चुनाव आयोग के कार्यालय गए थे। हालांकि, आयोग ने इसे स्पेशल केस मानकर केजरीवाल से मीटिंग की।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने दिसंबर के आखिरी हफ्ते में हरियाणा के मुख्यमंत्री को फोन किया करके अमोनिया कम करने को कहा। सीएम हरियाणा ने आश्वासन दिया कि वे आवश्यक कदम उठाएंगे, हालांकि, उन्होंने ऐसा नहीं किया। सीएम दिल्ली ने उन्हें कई बार फिर फोन किया। बाद में हरियाणा सीएम ने फोन उठाना बंद कर दिया। इस बीच, अमोनिया का स्तर बढ़ता रहा। इसके बाद, पंजाब सीएम ने भी सीएम दिल्ली की ओर से नायब सैनी को फोन किया गया।

आप में लगी इस्तीफों की झड़ी, सात विधायकों ने पार्टी से तोड़ा नाता

नई दिल्ली, 31 जनवरी(एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले शुक्रवार को आम आदमी पार्टी को एक-दो नहीं बल्कि पांच झटके लगे हैं। सबसे पहले महरौली के विधायक नरेश यादव ने इस्तीफा दिया। इसके कुछ घंटे बाद ही जनकपुरी से विधायक राजेश ऋषि ने पार्टी छोड़ी फिर त्रिलोकपुरी से विधायक रोहित कुमार मेहरौलिया, कस्तूबा नगर के विधायक मदन लाल, बिजवासन से भुपेंद्र सिंह जून, पालम से भावना गोड़ और फिर आदर्श नगर से पवन कुमार शर्मा ने भी अपना इस्तीफा दे दिया। बता दें कि इन सभी विधायकों को पार्टी से टिकट नहीं मिला था। पांच फरवरी को होने वाले मतदान से पहले पार्टी के तीन विधायकों का जाना आप के लिए कितना नुकसान दायक साबित होगा अब ये आठ फरवरी को मतगणना के दिन ही पता चलेगा।

पहले महरौली के विधायक नरेश यादव ने इस्तीफा दिया। इसके कुछ घंटे बाद ही जनकपुरी से विधायक राजेश ऋषि ने पार्टी छोड़ी फिर त्रिलोकपुरी से विधायक रोहित कुमार मेहरौलिया, कस्तूबा नगर के विधायक मदन लाल, बिजवासन से भुपेंद्र सिंह जून, पालम से भावना गोड़ और फिर आदर्श नगर से पवन कुमार शर्मा ने भी अपना इस्तीफा दे दिया।

महरौली विधायक नरेश यादव ने अपने इस्तीफा पत्र में लिखा, आम आदमी पार्टी का उदय भ्रष्टाचार के खिलाफ हुए, अन्ना आंदोलन से भारतीय राजनीति से भ्रष्टाचार को मुक्त करने के लिए हुआ था लेकिन अब मैं बहुत दुखी हूं कि भ्रष्टाचार आम आदमी पार्टी बिल्कुल भी कम नहीं कर पाई बल्कि आम आदमी पार्टी ही भ्रष्टाचार के दलदल में लिप्त हो चुकी है।

मैंने आम आदमी पार्टी ईमानदारी की राजनीति के लिए ही ज्वाइन की थी। आज कहीं भी ईमानदारी नजर नहीं आ रही है। मैंने महरौली विधानसभा में पिछले 10 सालों से लगातार 100 फीसदी ईमानदारी से काम किया है। महरौली के लोग जानते हैं कि मैंने ईमानदारी की राजनीति, अच्छे व्यवहार की राजनीति और काम की राजनीति की है। मैंने महरौली के बहुत से लोगों से चर्चा की, सभी ने यही कहा कि आम आदमी पार्टी ॲब पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त हो चुकी है। आपको इस पार्टी को छोड़ देना चाहिए क्योंकि इन्होंने लोगों के साथ धोखा किया है। कहते थे, कि हम ईमानदारी की राजनीति करेंगे लेकिन आज पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त है।

न्यायिक आयोग के सवालों के जवाब नहीं दे पाए अफसर

पूछा- महाकुंभ में कहां-कहां घटना हुई?

प्रयागराज, 31 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में 29 जनवरी को हुई भगदड़ की जांच करने शुक्रवार दोपहर करीब ढाई बजे न्यायिक आयोग की टीम पहुंची। आयोग में रिटायर्ड जज हर्ष कुमार के अलावा पूर्व डीजी वीके गुप्ता और रिटायर्ड आईएएस डीके सिंह शामिल हैं। सर्किट हाउस में न्यायिक आयोग के तीनों सदस्यों ने बैठक की। इसमें कमिश्नर प्रयागराज जोन विजय विश्वास पंत, मेला अधिकारी विजय किरन आनंद, एडीजी प्रयागराज जोन भानु भास्कर, डीआईजी वैभव कृष्ण के साथ ही पुलिस के अन्य अफसर शामिल हुए।

सूत्रों ने बताया कि मेला से जुड़े अधिकारी आयोग के सवालों का सही से जवाब तक नहीं दे पाए। सभी अधिकारी अपने कामों की वाहवाही करने में ही जुटे थे। इस पर आयोग ने कहा कि अगर सब ठीक था तो भगदड़ कैसे हुई?

1- जब आपको पता था कि इतनी ज्यादा संख्या में भीड़ आने वाली है तो सुरक्षा के इंतजाम क्या किए थे?

2- यह घटना संगम क्षेत्र के अलावा और कहां-कहां हुई?

3- मीडिया में जो वीडियो वायरल हो रहे हैं, उनकी क्या हकीकत है? क्या झूंसी में भी कोई घटना हुई है?

4- सभी घटनाओं के सीसीटीवी फुटेज दिखाइए। भीड़ कंट्रोल के लिए बनाई प्लानिंग का विवरण दीजिए।

31 करोड़ से ज्यादा संगम में डुबकी लगा चुके हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- हादसों की सच्चाई और आंकड़े छिपाना एक अपराध है। हजारों करोड़ रुपए प्रचार और दुर्घटना की खबरें दबाने के लिए बहाए जा रहे हैं। लेकिन, पीड़ितों पर कुछ करोड़ खर्च करने से सरकार पीछे क्यों हट रही?

'मतदान के दौरान की वीडियो क्लिप संरक्षित रखें'

चुनाव नियमों पर विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को चुनाव आयोग को दिए निर्देश में मतदान के दौरान की वीडियो क्लिप को संरक्षित रखने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव नियमों पर हो रहे विवाद पर सुनवाई करते हुए कहा कि जब तक याचिकाओं का निपटारा नहीं हो जाता, तब तक मतदान की वीडियो क्लिप संरक्षित रखी जाएं। सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने इंदु प्रकाश सिंह की याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई की। याचिका में चुनाव आयोग के उस नियम को चुनौती जिसमें हर विधानसभा में प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या 1200-1500 बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। याचिका पर सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा है। पीठ ने कहा कि प्रतिवादी संख्या 1 के वकील हलफनामा दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय की मांग कर रहे हैं। हलफनामा तीन सप्ताह के भीतर दाखिल किया जाए। हम प्रतिवादी संख्या 1 को सीसीटीवी रिकॉर्डिंग को बनाए रखने का निर्देश देना उचित समझते हैं। याचिकाकर्ता इंदु प्रकाश सिंह ने कहा कि प्रति मतदान केंद्र मतदाताओं की संख्या बढ़ाने का निर्णय मनमाना है। यह किसी डाटा पर आधारित नहीं है। चुनाव आयोग के फैसले से आगामी विधानसभा चुनावों के दौरान मतदाताओं पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आम तौर पर चुनाव 11 घंटे तक चलते हैं और वोट डालने में 60 से 90 सेकंड का समय लगता है, इसलिए एक ईवीएम के साथ एक मतदान केंद्र पर एक दिन में 660 से 490 लोग वोट डाल सकते हैं। औसत मतदान 65.70 प्रतिशत मानते हुए यह अनुमान लगाया जा सकता है कि 1,000 मतदाताओं के लिए तैयार मतदान केंद्र पर लगभग 650 मतदाता उपस्थित हुए। सिंह की याचिका में कहा गया है कि कुछ मतदान केंद्र ऐसे होते हैं, जहां मतदान प्रतिशत 85-90 प्रतिशत के बीच था। ऐसी स्थिति में लगभग 20 प्रतिशत मतदाता या तो मतदान समय के बाद भी कतार में खड़े रहेंगे या लंबे इंतजार के कारण अपने मताधिकार का प्रयोग करना छोड़ देंगे। लोकतंत्र में दोनों में से कोई भी स्वीकार्य नहीं है। इससे पहले शीर्ष अदालत ने 15 जनवरी को कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश की याचिका पर केंद्र और चुनाव आयोग से जवाब मांगा था। इसमें 1961 के चुनाव नियमों में सीसीटीवी तक सार्वजनिक पहुंच न देने सहित हाल के संशोधनों के खिलाफ याचिका दायर की गई थी।

डेरेक ओ ब्रायन ने केंद्र पर कसा तंज

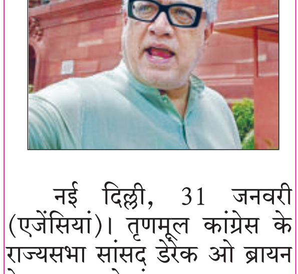

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने शुक्रवार को संसद का बजट सत्र शुरू होने से पहले केंद्र सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि लोकसभा में अब तक उपाध्यक्ष की नियुक्ति नहीं की गई है। बजट सत्र में भी नियुक्ति नहीं की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने पिछले संसद सत्र में उपराष्ट्रपति के खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि इस संसद सत्र में यह देखना खास होगा कि क्या विपक्ष राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ एक और महाभियोग प्रस्ताव लाता है।

ममता कुलकर्णी और किन्नर महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण निष्कासित

संस्थापक अजय दास ने कहा- वे रास्ते से भटकीं; अखाड़ा परिषद अध्यक्ष बोले- आपको नहीं जानते

प्रयागराज, 31 जनवरी (एजेंसियां)। खुद को किन्नर अखाड़ा के संस्थापक बताने वाले ऋषि अजय दास ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा- मैंने लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी और अभिनेत्री ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर पद से हटा दिया है। ममता को हामंडलेश्वर बनाने में प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया, जिस पर (ममता पर) देशद्रोह का आरोप हो। उसे महामंडलेश्वर कैसे बनाया जा सकता है? दास ने ये भी कहा कि ये कोई बिग बॉस का शो नहीं है, जिसको कुंभ के दौरान एक महीने चला दिया जाए। लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी को मैंने किन्नर समाज के उत्थान और धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए आचार्य महामंडलेश्वर बनाया था, लेकिन वह भटक गईं। ऐसे में मुझे एक्शन लेना पड़ा। महामंडलेश्वर लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ने अजय दास के दावे को

खारिज किया है। उन्होंने कहा- वे कौन होते हैं, मुझे अखाड़े से निकालने वाले। 2017 में अजय दास को किन्नर अखाड़े से निकाल दिया गया है। वो निजी स्वार्थ के लिए ऐसा कह रहे हैं। इधर, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी ने कहा कि हम लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी के साथ हैं। अजय दास हैं कौन? हम इन्हें नहीं जानते।

अजय दास बोले- लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी भटक गईं

अजय दास ने लेटर जारी कर कहा- 2015-16 उज्जैन कुंभ में मैंने किन्नर अखाड़े लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को आचार्य महामंडलेश्वर बनाया था। अब उन्हें किन्नर अखाड़ा के पद से मुक्त करता हूं। जल्द ही उन्हें लिखित सूचना दी जाएगी। उन्हें किन्नर समाज के उत्थान और धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए नियुक्त किया था, लेकिन भटक गईं। उन्होंने मेरी बिना परमिशन के जूना अखाड़ा के साथ लिखित एग्रीमेंट 2019 के प्रयागराज कुंभ में किया, जो अनैतिक ही नहीं, बल्कि चारसौबीसी है।

अजय दास ने कहा कि एग्रीमेंट में जूना अखाड़े ने किन्नर अखाड़ा संबोधित किया है। इसका अर्थ है कि उन्होंने किन्नर अखाड़ा को 14वां अखाड़ा स्वीकार किया है। इसका अर्थ यह है कि सनातन धर्म में 13 नहीं, बल्कि14 अखाड़े मान्य हैं। यह बात कॉन्ट्रैक्ट से साबित होती है। लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने देशहित को छोड़कर ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बना दिया। इस वजह से मैं उन्हें आचार्य महामंडलेश्वर के पद से मुक्त करता हूं। ये लोग न तो जूना अखाड़े के सिद्धांतों को के अनुसार चल रहे हैं, न ही किन्नर अखाड़े के सिद्धांतों के।

सुबह फिर महसूस हुए भूकंप के झटके, छह दिन में नौ बार कांपी धरती, लोग डरे सहमे

उत्तरकाशी, 31 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तरकाशी में आज शुक्रवार सुबह करीब 9 बजकर 29 मिनट पर फिर भूकंप का झटका महसूस किया गया। छह दिन में नौ बार भूकंप के झटकों से लोग डरे सहमे हैं। उत्तरकाशी जनपद मुख्यालय में गुरुवार शाम को भी भूकंप के झटके महसूस हुए। झटका आते ही लोग अपने घरों, दफ्तरों और दुकानों से बाहर निकल आए। छह दिन के भीतर लगातार आ रहे भूकंप के झटकों से लोग दहशत में हैं। शुक्रवार सुबह आए भूकंप की तीव्रता 02.07 रही। किसी भी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। वहीं गुरुवार को जनपद मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों में शाम 7:31 बजे भूकंप का झटका महसूस किया गया। इससे लोग दहशत में आ गए हैं। जिला आपदा कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार यह भूकंप 2.7 रिक्टर स्केल पर मापा गया है। तो वहीं इसका केंद्र तहसील बड़कोट के सरुताल झील, फुच-कंडी, यमुनोत्री रेंज वन क्षेत्र में था।

पंजाब में भीषण हादसा गुरुहरसहाय में पिकअप-कैंटर टकराए, नौ की मौके पर ही मौत

चंडीगढ़, 31 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के फिरोजपुर में भीषण हादसा हुआ है। गुरुहरसहाय में फिरोजपुर मार्ग पर गोलू का मोड़ के नजदीक पिकअप और कैंटर की टक्कर हो गई। हादसे में करीब नौ लोगों की मौत की खबर है। जानकारी के अनुसार, करीब 25 से 30 वेटर पिकअप में सवार होकर किसी कार्यक्रम के लिए गुरुहरसहाय से जलालाबाद जा रहे थे। फिरोजपुर मार्ग पर गोलू का मोड़ के नजदीक उनकी सड़क किनारे खड़े खराब कैंटर से टक्कर हो गई। हादसा इतना भयानक था कि नौ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की संख्या बढ़ भी सकती है। घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जानकारी के अनुसार, हादसे का कारण धुंध और तेज रफ्तार बताया जा रहा है।

घायल छात्रा सपना नौ माह बाद हारी जिदंगी की जंग

महेंद्रगढ़, 31 जनवरी (एजेंसियां)। (हरियाणा)कनीना क्षेत्र के गांव उन्हाणी के नजदीक पिछले साल 11 अप्रैल को हुए भीषण सड़क हादसे में गंभीर घायल छात्रा सपना नौ माह बाद जिंदगी की जंग हार गई। छात्रा सपना की वीरवार देर शाम को मौत हो गई। ग्रामीणों ने नम आंखों से अपनी लाडली को अंतिम विदाई दी। सपना गांव खरकड़ा बास निवासी सतीश कुमार की बेटी थी। नौ माह पूर्व कनीना के जीएल स्कूल की बस का चालक शराब के नशे में बस चला रहा था। उन्हाणी के पास हुए भीषण बस हादसे में छह बच्चों की मौत हो गई थी जबकि अनेक घायल हुए थे।

इसी हादसे में गंभीर रूप से घायल सपना का गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा था। सपना को रीढ़ की हड्डी में मल्टीपल फ्रेक्चर था और साथ ही अन्य प्रकार की गंभीर चोटें भी थी। हादसे के बाद से ही वह बिस्तर पर थी। सपना ने बीए प्रथम वर्ष के दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा दी थी। सपना जीएल कॉलेज की टॉपर छात्रा रही थी। बस हादसे के बाद जब सपना का इलाज गुरुग्राम में एक निजी अस्पताल में चल रहा था तब अस्पताल प्रबंधन द्वारा परिजनों से उपचार के लिए पांच लाख रुपये की मांग की गई थी। तब तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल प्रशासन को धमकाया था। उस समय सरकार व प्रशासन ने हर संभव सहायता का आश्वासन दिया था।

पति से अवैध संबंध के शक में पत्नी ने महिला पर करवाया चाकू से हमला, ज्यादा खून बहने की वजह से मौत

कोलकाता, 31 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के पूर्वी इलाके में एक नाबालिग समेत तीन लोगों द्वारा एक भोजनालय के बाहर पीछा करने और कई बार चाकू मारने से एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पीड़िता की पहचान 20 वर्षीय रोफिया साकिल के तौर पर की गई है। अधिकारियों ने बताया कि पीड़िता को भोजनालय के बगल में खड़ी एक कार से नीचे खींच लिया गया और हत्या करने से पहले उसका पीछा किया गया। अधिक खून बहने के कारण अस्पताल में इलाज के दौरान पीड़िता की मौत हो गई।

'बेचारी औरत वो काफी थक चुकी थीं, मुझे बहुत बुरा लगा'

राष्ट्रपति मुर्मु के अभिभाषण पर क्या बोलीं सोनिया गांधी?

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के संबोधन पर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की प्रतिक्रिया ने विवाद खड़ा कर दिया है। दरअसल राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद संसद परिसर में गांधी परिवार (राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सोनिया गांधी) गाड़ी का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान राहुल गांधी ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्म अपने अभिभाषण में एक ही बात का बार-बार जिक्र कर रहीं थीं। इसके बाद सोनिया गांधी ने कहा कि राष्ट्रपति अपने अभिभाषण के अंत में काफी थक चुकी थीं। बेचारी, मुझे उनके बारे में काफी बुरा लगा।

राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी की साड़ी की तारीफ की

इसी दौरान राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी की साड़ी की तारीफ करते हुए कहा,तुम्हारी साड़ी काफी अच्छी लग रही है। इसपर सोनिया गांधी ने कहा कि ये दादी (इंदिरा गांधी) की साड़ी है। बता दें कि पिछले साल प्रियंका गांधी ने वायनाड से लोकसभा की सांसद चुनीं गईं।। इससे पहले राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी द्वारा लोकसभा में दिए पहले भाषण की सराहना की थी। उन्होंने कहा था कि यह सदन में उनके पहले भाषण से बेहतर था। बता दें कि राहुल गांधी अमेठी से लोकसभा सांसद हैं। वहीं, सोनिया गांधी राज्यसभा से सांसद हैं।

राष्ट्रपति ने अभिभाषण में क्या-क्या कहा?

राष्ट्पति ने अभिभाषण के दौरान कहा कि हमारी सरकार में देश के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंच रहा है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। सरकार का लक्ष्य, विकसित भारत का निर्माण है। 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। सरकार ने कर्मचारियों के लिए 8वें वेतन आयोग लागू करने का फैसला किया है।

राष्ट्रपति ने अभिभाषण के दौरान कहा, वक्फ बोर्ड और वन नेशन, वन इलेक्शन जैसे मुद्दों पर सरकार ने बड़े फैसले लिए हैं। मेरी सरकार महिलाओं के नेतृत्व में देश को सशक्त बनाने में विश्वास करती है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 91 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाया जा रहा है।

संगम हादसे पर राष्ट्रपति ने जताया दुख

महाकुंभ में संगम हादसे का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा,ऐतिहासिक महाकुंभ चल रहा है। यह हमारी सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक जागृति का त्योहार है। भारत और दुनिया के करोड़ों श्रद्धालुओं ने प्रयागराज में पवित्र डुबकी लगाई है। मौनी अमावस्या के दिन हुई दुर्घटना पर संवेदना व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।"

ईडी की छापेमारी में मिले 73 करोड़

गायत्री फूड की मालकिन पायल ने खाया जहर, चिराग पासवान के करीबियों पर आरोप

भोपाल, 31 जनवरी (एजेंसियां)। जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी पर छापे के बाद कंपनी के संचालक किशन मोदी की पत्नी 31 वर्षीय पायल मोदी ने जहर खा लिया। गुरुवार रात उनको गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि आत्महत्या की कोशिश किन कारणों से की गई अभी इसकी जांच जारी है। फिलहाल पुलिस को पायल का एक कथित सुसाइड नोट मिला है। जिसमें उसने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और पांच अन्य लोगों पर आरोप लगाए हैं। बता दें कि बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के ठिकानों पर सर्चिंग की कार्रवाई की थी। दो दिन से जारी सर्चिंग में कंपनी के भोपाल, सीहोर और मुरैना स्थित परिसरों की जांच में ईडी को उसके संचालकों के पास करोड़ों की संपत्ति मिली है।

इन पर आरोप

पायल मोदी का कथित सुसाइड नोट में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और उनके पांच अन्य साथियों का जिक्र है। इनमें चन्द्र प्रकाश पांडे, वेद प्रकाश पाण्डे, सुनील त्रिपाठी, भगवान सिंह मेवाड़ा और हितेष पंजाबी के नाम हैं। आरोप है कि ये सभी लोग चिराग पासवान की पॉलिटिकल पावर का इस्तेमाल कर मोदी की कंपनियों पर सीजीएसटी, एफएफएसआई, ईओडब्ल्यू, ईडी के छापे डलवा रहे हैं। जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स पर छापे के बाद मालकिन पायल मोदी ने जहर खा लिया था। अभी उनका उपचार चल रहा है।

कर्नाटक लोकायुक्त ने सुबह-सुबह सरकारी अधिकारियों पर कर दी बड़ी कार्रवाई

एक साथ कई जगहों पर छापा

बेंगलुरु, 31 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने आज शुक्रवार की सुबह सरकारी अधिकारियों के खिलाफ छापे की बड़ी कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक, लोकायुक्त अधिकारियों ने शुक्रवार सुबह भ्रष्टाचार विरोधी अभियान चलाया है। लोकायुक्त पुलिस ने राज्य के बागलकोट, बेंगलुरु, रायचूर, चित्रदुर्गा और बेलगावी सहित कई स्थानों पर छापेमारी की है। आइए जानते हैं इस कार्रवाई के बारे में विस्तार से।

सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई

लोकायुक्त पुलिस सूत्रों की ओर से छापेमारी के बारे में जानकारी साझा की गई है। दी गई जानकारी के मुताबिक, कर्नाटक के बेलगावी में दो अधिकारियों, बागलकोट में ग्राम पंचायत पीडीओ और रायचूर में जिला पंचायत लेखा अधिकारी के घरों पर लोकायुक्त पुलिस द्वारा छापेमारी की कार्रवाई की जा रही है।

बेंगलुरु में भी छापेमारी

कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस द्वारा राज्य की राजधानी बेंगलुरु में भी छापेमारी की कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, बेंगलुरु में बीबीएमपी अधिकारी माधव राव के घर पर छापेमारी की जा रही है। इसते अलावा लोकायुक्त अधिकारी इंजीनियरिंग विभाग के एईई माधव राव के घर पर भी मौजूद हैं और जांच जारी है।

यमुना की सफाई करवाने में केजरीवाल सक्षम? प्रियंका चतुर्वेदी ने बीजेपी को निशाने पर लिया

मुंबई, 31 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में शिवसेना-यूबीटी ने आम आदमी पार्टी को समर्थन देने का ऐलान किया है। वहीं, सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का कहना है कि दिल्ली की जनता से जो वादे किए गए हैं उन्हें पूरा करने में केवल अरविंद केजरीवाल ही सक्षम है क्योंकि बीजेपी सत्ता में आने के बाद अपने वादे भूल जाती है। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, "अरविंद केजरीवाल दो कार्यकाल से सत्ता में हैं, दिल्ली की जनता ने उनपर भरोसा जाताया है। हम यह मानते हैं कि आने वाले समय में दिल्ली की जनता से जो भी वादे किए गए हैं, उन्हें पूरा करने में केवल अरविंद केजरीवाल ही सक्षम हैं।

प्रियंका चतुर्वेदी ने बीजेपी को लिया निशाने पर

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, "जहां तक यमुना की सफाई और वायु गुणवत्ता का सवाल है, मुझे पूरा विश्वास है कि अरविंद केजरीवाल इन मुद्दों को हल करने में सक्षम होंगे। वायु प्रदूषण और यमुना की सफाई ऐसा मुद्दा है जिसे बीजेपी और कांग्रेस चुनाव प्रचार में जोर-शोर से उठा रही हैं। बीजेपी को निशाने पर लेते हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने आगे कहा, "बीजेपी लगातार वादा करती है लेकिन जैसे ही वह सत्ता में आती है अपने संकल्प को भूल जाती है।" दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 5 फरवरी को कराए जाने हैं। चुनाव प्रचार की अवधि 3 फरवरी की शाम को समाप्त हो जाएगी। मतगणना 8 फरवरी को कराई जाएगी। बीजेपी, कांग्रेस और आप के अलावा दिल्ली में कई क्षेत्रीय पार्टियां भी दांव आजमा रही हैं। हालांकि मुख्य मुकाबला इन्हीं तीन पार्टियों के बीच है। यहां की नई दिल्ली, कालकाजी, ग्रेटर कैलाश, जंगपुरा, करावल नगर, ओखला और मुस्तफाबाद सीट पर खास निगाहें हैं। नई दिल्ली सीट से पूर्व सीएम केजरीवाल और कालकाजी से सीएम आतिशी प्रत्याशी हैं।

आंखों के डॉक्टर के साथ धोखाधड़ी:इक्विपमेंट खरीदने के नाम पर 30 लाख से ज्यादा ठगे आरोपी पर केस दर्ज

इंदौर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर के पलासिया में एक आंखों के डॉक्टर के साथ धोखाधड़ी हो गई। वॉट्सऐप पर संपर्क कर 'केयर ग्लोबल इंडिया' नाम की कंपनी ने उनसे ठगी की। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पलासिया पुलिस के मुताबिक, डॉक्टर महेश अग्रवाल का 'श्री गणेश नेत्रालय' नाम से क्लिनिक है। उन्होंने बताया कि क्लिनिक के लिए उन्हें ऑप्थेलमोलॉजी उपकरणों की जरूरत थी, जिसके लिए उन्होंने परिचितों से संपर्क किया। इस दौरान राकेश कौल, निवासी आदित्य सिटी, इंदिरापुरम, गाजियाबाद ने उनसे वॉट्सऐप पर संपर्क किया। राकेश ने खुद को केयर ग्लोबल इंडिया नामक कंपनी का संचालक बताया। इसके बाद उपकरणों को लेकर बातचीत हुई, जिसमें डॉक्टर ने 5 लाख रुपए कोटक महिंद्रा बैंक के खाते में जमा किए। बाद में उन्होंने 40 लाख रुपए का लोन लिया और 19 लाख रुपए राकेश कौल की कंपनी को दिए।

ध्वस्त की जा चुकी दरगाह पर उर्स आयोजित करने की अनुमति देने संबंधी याचिका खारिज; सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के सोमनाथ जिले में ध्वस्तीकरण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई की। इस दौरान उच्चतम न्यायालय ने ध्वस्त की जा चुकी दरगाह पर 1 से 3 फरवरी तक उर्स आयोजित करने की अनुमति देने संबंधी याचिका खारिज कर दी। गुजरात के अधिकारियों ने कोर्ट को बताया कि सरकारी जमीन पर बने मंदिरों समेत अनधिकृत निर्माणों को जमींदोज किया गया है। उल्लेखित भूमि पर धार्मिक कार्यक्रमों समेत किसी भी तरह की गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जा रही। न्यायमूर्ति बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने गुजरात सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर गौर किया कि सरकारी जमीन पर मंदिरों समेत सभी अनधिकृत निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया है। मेहता ने कहा कि उक्त भूमि पर हिंदू धार्मिक अनुष्ठानों समेत किसी भी गतिविधि की अनुमति नहीं दी जा रही, जिसपर पहले अतिक्रमण था। आवेदक की ओर से उपस्थित वकील ने कहा कि वहां एक दरगाह थी, जिसे प्राधिकारियों ने ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि दरगाह पर 'उर्स' उत्सव मनाने की परंपरा पिछले कई वर्षों से जारी है और अधिकारियों ने गुरुवार को इसके लिए अनुमति देने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि मुख्य मामले को सुने बिना आवेदन में किए गए अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता। इससे पहले शीर्ष कोर्ट ने 27 जनवरी को कहा था कि वह गिर सोमनाथ जिले में बिना पूर्व अनुमति के आवासीय और धार्मिक संरचनाओं को कथित रूप से ध्वस्त करने के लिए गुजरात के अधिकारियों के खिलाफ अवमानना याचिका समेत विभिन्न याचिकाओं पर तीन सप्ताह बाद सुनवाई करेगी। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट की ओर से 70 वकीलों को वरिष्ठ पद दिए जाने के खिलाफ याचिका की जांच करने से इनकार कर दिया। याचिका न्यायमूर्ति बीआर गवई और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई। पीठ की ओर से यह कहे जाने के बाद कि वह याचिका पर विचार करने के लिए इच्छुक नहीं है, याचिकाकर्ता ने इसे वापस ले लिया। याचिकाकर्ता, जो व्यक्तिगत रूप से पेश हुए थे, ने दावा किया कि वकीलों को हाईकोर्ट द्वारा वरिष्ठ पद दिए जाने की प्रक्रिया अनुचित है। इस याचिका में पिछले साल 29 नवंबर को जारी अधिसूचना को चुनौती दी गई थी, जिसके तहत 70 वकीलों को हाईकोर्ट द्वारा वरिष्ठ

'हैलो! आपका अकाउंट हो गया है हैक' कैसे अमेरिकी नागरिकों को ठगता था ये गैंग? पुलिस ने 7 को दबोचा

ठाणे, 31 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया है। जहां से साइबर अपराधी अमेरिकी नागरिकों को ठगने के लिए उन्हें निशाना बनाते थे। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कुछ दिन पहले मीरा रोड के हातकेश इलाके में चल रहे इस फर्जी कॉल सेंटर पर छापा मारा और सात लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी खुद को एक प्रतिष्ठित ई-कॉमर्स कंपनी का कर्मचारी बताकर अमेरिकी नागरिकों को फोन करते थे। वे दावा करते थे कि उनके खातों को हैक कर लिया गया है। उनके नाम पर कोई अनधिकृत लेनदेन हुआ है। अपराध शाखा के सहायक पुलिस आयुक्त मदन बल्लाल और वरिष्ठ निरीक्षक अविराज कुरहाडे ने कहा कि साइबर ठग पीड़ितों से कहते थे कि यदि वे तत्काल रद्दीकरण शुल्क नहीं चुकाते तो उनके बैंक खातों से जुर्माना काट लिया जाएगा।

पुणे में बढ़ा जीबीएस का कहर

बीमारी से 36 वर्षीय व्यक्ति ने अस्पताल में तोड़ा दम

मुंबई, 31 जनवरी (एजेंसियां)। गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) से पीड़ित 36 वर्षीय व्यक्ति की पुणे के नागरिक अस्पताल में मौत हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि इस व्यक्ति की मौत के साथ ही राज्य में जीबीएस से मरने वालों की संख्या तीन हो गई है। कैब ड्राइवर के रूप में काम करने वाले इस मरीज को 21 जनवरी को पिंपरी चिंचवाड़ के यशवंतराव चव्हाण मेमोरियल अस्पताल (वाईसीएमएच) में भर्ती कराया गया था। पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम के मुताबिक, वाईसीएमएच में एक विशेषज्ञ समिति ने मामले में गंभीरता से जांच की है। समिति ने पाया कि मौत का कारण निमोनिया के कारण श्वसन तंत्र का कमजोर होना था। इस वजह से सांस लेने में गंभीर कठिनाई हुई। समिति ने उल्लेख किया कि 22 जनवरी को उस पर तंत्रिका चालन परीक्षण किया गया था, जिसमें मरीज के जीबीएस संक्रमित होने का भी पता चला था। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, राज्य में जीबीएस के संदिग्ध मामलों की संख्या बढ़कर 130 हो गई है। इससे पहले बुधवार को पुणे में 56 वर्षीय एक महिला की जीबीएस से मौत होने की बात कही गई थी।

वायनाड में पशु चिकित्सा महाविद्यालय को बम से उड़ाने की धमकी; जांच में कुछ भी नहीं मिला

वायनाड, 31 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के वायनाड में शुक्रवार सुबह पूकोडे स्थित एक पशु चिकित्सा महाविद्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके बाद परिसर की सघन जांच की गर्ठ। बम और डॉग स्क्वॉड ने संस्थान की गहन तलाशी ली, पर कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। बाद में पुलिस ने इसे झूठी खबर करार दिया। केरल पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति के एस अनिल के अनुसार, उनके और रजिस्ट्रार के आधिकारिक आईडी पर निवेदिता पृथ्वीराज नाम के एक अकाउंट से एक ईमेल आया, जिसमें दावा किया गया कि पशु चिकित्सा महाविद्यालय और चेन्नई में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास में आईईडी रखे गए हैं। उन्होंने कहा, 'बम रखने का कारण अफजल गुरु की अनुचित फांसी बताया गया। इसमें कहा गया कि बम टी मारन नामक एक नक्सली नेता ने रखे थे। हमने तुरंत पुलिस को सूचित किया और उन्होंने संस्थान की तलाशी के लिए बम और डॉग स्क्वॉड को मोर्चा सौंप दिया।'

महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे का बड़ा बयान 'मेरा इस्तीफा ज्यादा जरूरी है क्या'?

मुंबई, 31 जनवरी (एजेंसियां)। बीड के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या मामले में विरोधियों के निशाने पर आए मंत्री धनंजय मुंडे ने शुक्रवार को कहा कि इस मुद्दे का राजनीतिकरण किया जा रहा है। उन्होंने साथ ही सवाल किया कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने से ज्यादा अहम उनका इस्तीफा देना है। धनंजय मुंडे के समर्थन में वंजारी समुदाय के आध्यात्मिक नेता नामदेव शास्त्री ने अपना समर्थन जताया है। उसके बाद धनंजय का यह बयान आया है। भगवानंद संस्थान के चीफ नामदेव शास्त्री ने कहा था कि धनंजय ऐसा व्यक्ति नहीं है जो कि उगाही के पैसे पर जीवन बसर कर रहा है। महाराष्ट्र में विपक्ष के नेता लगातार धनंजय मुंडे के इस्तीफे की मांग रहे हैं। इस्तीफे की मांग तब शुरू हुई है जब उनके करीब वाल्मिकी कराड़ को मासाजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या मामले में उगाही से जुड़े एक केस में गिरफ्तार किया है। संतोष देशमुख की दिसंबर में नृशंस हत्या कर दी गई थी।

सरपंच की हत्या गांव का विषय - नामदेव शास्त्री

संतोष देशमुख का अपहरण किया गया था। उन्हें टॉर्चर किया गया और फिर 9 दिसंबर 2024 को उनकी हत्या कर दी गई। वह एक ऊर्जा कंपनी को निशाना बनाकर मांगी जा रही फिरौती का विरोध कर रहे थे। वाल्मिकी कराड को इस मामले में न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। उधर, नामदेव शास्त्री ने कहा कि सरपंच की हत्या गांव का विषय है लेकिन इसने सामाजिक माहौल को बिगाड़ा है। मुंडे के खिलाफ 53 दिनों से मीडिया ट्रायल चल रहा है।

पीड़ित को न्याय दिलाना ज्यादा जरूरी - धनंजय मुंडे

वहीं, पत्रकारों से बातचीत में मुंडे ने कहा कि मीडिया मुझे हत्या के बाद से ही निशाने पर ले रही है लेकिन मैंने इस बारे में एक शब्द भी नहीं कहा। मैंने नामदेव शास्त्री से राजनीति के बारे में भी बात नहीं की, मेरा और उनका संवाद धार्मिक मुद्दों को लेकर था। उन्होंने साथ ही कहा कि सरपंच के परिवार को न्याय दिलाना ज्यादा जरूरी है कि राजनीति लाभ के लिए एक विशेष समुदाय को निशाना बनाना और इस्तीफा देना जरूरी है। मंत्री मुंडे ने कहा कि हत्या 53 दिन पहले हुई थी। मैं तब से कह रहा हूं कि आरोपियों को सजा मिलनी चाहिए और उन्हें फांसी दी जानी चाहिए। मेरे रुख के बाद भी इसका राजनीतिकरण किया जा रहा है।

समंदर में भारत होगा और मजबूत ज्यादा देर पानी में रहने वाली मिलेगी सबमरीन प्रॉजेक्ट 75(आई) ने पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना का पी75(आई) पनडुब्बी प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस प्रोजेक्ट के तहत भारत 6 एडवांस सबमरीन बनाएगा, जो एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) सिस्टम से लैस होंगी। इस तकनीक की मदद से पनडुब्बियां लंबे समय तक पानी के नीचे रह सकती हैं। जिससे उनकी छुपने और ऑपरेशन की क्षमता और भी बेहतर होगी। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने 70,000 करोड़ के इस प्रोजेक्ट के लिए मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) और जर्मनी की थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स (टीकेएमएस) की संयुक्त बोली को मंजूरी दी है। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) और स्पेन की नवांतिया की बोली तकनीकी मानदंडों, खासकर एआईपी सिस्टम की कमी के कारण खारिज कर दी गई। एक तकनीकी समिति की तरफ से विस्तृत जांच के बाद एमडीएल-टीकेएमएस की बोली को आगे की प्रक्रिया के लिए खोला गया है।

यह फैसला इस प्रोजेक्ट के लिए अहम है। जो शुरुआत से ही देरी और प्रशासनिक चुनौतियों का सामना कर रहा था। यदि अनुबंध जल्द ही फाइनल हो जाता है, तो पहली पनडुब्बी सात साल में तैयार हो सकती है और 2032 तक तैनात की जा सकती है। इस टाइमलाइन में पनडुब्बियों की व्यापक जांच की जाएगी, और इन 6 पनडुब्बियों को और भी ज्यादा एडवांस बनाया जाएगा। पी75(आई) प्रोजेक्ट भारत की नौसेना रणनीति का अहम हिस्सा है। जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में पड़ोसी मुल्क खासतौर से चीन से मिलने वाली समुद्री चुनौतियों के बीच इसकी क्षमता को मजबूत करेगा। एआईपी तकनीक का उपयोग विवादित समुद्री क्षेत्रों में संचालन के लिए बेहद जरूरी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 1 फरवरी, 2025 3

सुविचार: भाग्य से जितनी अधिक उम्मीद करेंगे, वह उतना ही निराश करेगा, कर्म में जितना विश्वास रखेंगे वह उतना ही आपको आपकी उम्मीद से अधिक देगा।

राजस्व कर्मचारी नहर में पाया गया मृत

नलगोंडा, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मिर्यालगुडा तहसीलदार कार्यालय में जूनियर सहायक प्रवीण कुमार (30) नलगोंडा जिले के वेमुलापल्ली गांव के पास एक नहर में मृत पाए गए। पुलिस को संदेह है कि यह आत्महत्या का मामला है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

प्रवीण, जो दिसंबर में सेवा में शामिल हुए थे, हाल ही में जेनको भर्ती अभियान में सहायक अभियंता के रूप में चयन से चूकने के बाद से तनाव में थे। अपनी नौकरी से असंतुष्ट, वह अपने माता-पिता के सामने अपनी परेशानी व्यक्त कर रहे थे, जो त्रिपुराराम मंडल के बेजिकल गांव में रहते हैं। जब प्रवीण ने उनके फोन का जवाब नहीं दिया, तो उसके चिंतित माता-पिता ने मिर्यालगुडा वन टाउन पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मोबाइल सिग्नल के बाद, पुलिस ने आखिरकार नहर में उसका शव बरामद किया। उनकी मृत्यु के वास्तविक हालात का पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है।

सीएम ने नए उस्मानिया अस्पताल के निर्माण की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को एक नए, अत्याधुनिक उस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) की आधारशिला रखी।

इस समारोह में स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, सड़क और भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, कई सांसद, विधान सभा के सदस्य, विधान परिषद के सदस्य, विभिन्न निर्वाचित प्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और चिकित्सा कर्मचारी शामिल हुए। बाद में, मीडिया से बात करते हुए, मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने टिप्पणी की कि राज्य सरकार 26 एकड़ में फैले एक विशाल परिसर में एक नया उस्मानिया अस्पताल विकसित कर रही है, जिसमें 30 गड्ढे और 32 लाख वर्ग फीट का क्षेत्र शामिल है।

नई सुविधा में 2,000 बिस्तर होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि अस्पताल के निर्माण पर लगभग 2,700 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है और इसे दो साल के भीतर चालू करने की योजना है। मंत्री ने संकेत दिया कि प्रस्तावित अस्पताल में 500 बिस्तरों की क्षमता वाला एक गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) शामिल होगा और इसमें 30 विभाग होंगे।

राजा नरसिम्हा ने कहा, "हम उस्मानिया आने वाले मरीजों को सभी तरह की चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेंगे। ऐसी कोई स्थिति नहीं होगी कि यहां आने वाले मरीजों को दूसरी जगह भेजा जाए।" मंत्री ने आगे बताया कि नए अस्पताल में लगभग 41 ऑपरेशन थियेटर उपलब्ध कराए जा रहे हैं और अस्पताल परिसर में डेंटल, नर्सिंग और फिजियोथेरेपी कॉलेज होंगे। इसके अलावा, छात्रों और शिक्षकों के लिए आधुनिक सुविधाओं वाले छात्रावास की सुविधा, 750 सीटों की क्षमता वाला एक सभागार और खेल मैदान भी होंगे।

गोशामहल में व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद

ओजीएच निर्माण परियोजना के खिलाफ प्रदर्शन

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल में उस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) के निर्माण के विरोध में शुक्रवार को गोशामहल और उसके आसपास के सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला पूरा इलाका शुक्रवार को पूरी तरह से बंद हो गया और वीरान हो गया, क्योंकि व्यापारियों और परिवारों ने इलाके को बंद करके ओजीएच परियोजना के प्रति अपना विरोध दर्ज कराने का फैसला किया।

विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही गोशामहल परिरक्षक समिति ने स्पष्ट किया कि ओजीएच के आकार का एक तृतीयक अस्पताल इलाके के व्यापार पर बहुत बड़ा प्रभाव डालेगा। समिति के सदस्यों ने कहा कि हमारा व्यापार प्रभावित होगा, यातायात में भारी व्यवधान होगा और पर्यावरण पर भी भारी असर पड़ेगा। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा गोशामहल में ओजीएच की नई इमारत के शिलान्यास समारोह के दौरान स्थानीय व्यापारियों और परिवारों द्वारा विरोध प्रदर्शन के रूप में परेशानी की आशंका को देखते हुए, क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था। रिपोर्टों के अनुसार, गोशामहल परिरक्षक समिति के अध्यक्ष पुरुषोत्तम को घर में नजरबंद कर दिया गया है।

एससीआर छह अतिरिक्त महाकुंभ मेला विशेष ट्रेनों का संचालन करेगा

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महाकुंभ मेला - 2025 में भाग लेने वाले यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, एससीआर विभिन्न गंतव्यों के बीच छह अतिरिक्त महाकुंभ मेला विशेष ट्रेनें चला रहा है। ट्रेन संख्या 07111 (बीदर - दानापुर) 14 फरवरी को बीदर से सुबह 11.10 बजे प्रस्थान करेगी और 11.55 बजे दानापुर पहुंचेगी (दूसरे दिन)। वापसी सेवा, ट्रेन संख्या 07112 दानापुर - चेरलापल्ली 16 फरवरी को दोपहर 3.15 बजे दानापुर से प्रस्थान करेगी और 11.45 बजे (दूसरे दिन) 16 फरवरी, 2025 को चारलापल्ली पहुंचेगी। ये विशेष ट्रेनें जहीराबाद, विकाराबाद, लिंगमपल्ली, बेगमपेट, सिकंदराबाद, चारलापल्ली, जनगांव, काजीपेट, जम्मीकुंटा, पेद्दापल्ली, रामागुंडम, मचेरियाल, बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, चंद्रपुर, सेवाग्राम, नागपुर, इटारसी, पिपरिया, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर और आरा स्टेशन दोनों दिशाओं में रूकेगी।ट्रेन नंबर 07077 (चेर्लापल्ली-दानापुर) 18 और 22 फरवरी को शाम 3.00 बजे चार्लापल्ली से प्रस्थान करेगी और 11.55 (दूसरे दिन) दानापुर पहुंचेगी। वापसी सेवा, ट्रेन नं. 07078 (दानापुर-चेर्लापल्ली) 20 और 24 फरवरी को दानापुर से 3.15 बजे प्रस्थान कर 11.45 बजे (दूसरे दिन) चेर्लापल्ली पहुंचेगी। ये विशेष ट्रेनें जनगांव, काजीपेट, जम्मीकुंटा, पेद्दापल्ली, रामागुंडम, माचेरियाल, बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, चंद्रपुर, सेवाग्राम, नागपुर, इटारसी, पिपरिया, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर और आरा स्टेशन पर रूकेगी। इन सभी विशेष ट्रेनों में 2A, 3A, 3E, स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच होंगे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में कई कार्यक्रम

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और परिवहन तथा राजमार्ग मंत्राल, भारत सरकार द्वारा निर्धारित अनुसार नागरिकों और विशेष रूप से सड़क उपयोगकर्ताओं को सड़क सुरक्षा की चुनौतियों की गंभीरता के बारे में जागरूक करने के लिए 1 जनवरी से 30 जनवरी, 2025 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया गया। हैदराबाद यातायात पुलिस शहर भर में सुरक्षित सड़कें सुनिश्चित करने और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और मौतों के मद्देनजर, यह सभी मोटर चालकों और अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं से यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने और जिम्मेदार और रक्षात्मक ड्राइविंग व्यवहार अपनाने का आग्रह करती है। यात्रियों के बीच जागरूकता पैदा करने/बढ़ाने के लिए, पिछले एक महीने के दौरान विभिन्न हितधारकों को लक्षित करते हुए कई विशेष अभियान और जागरूकता सत्र आयोजित किए गए हैं। कार्यक्रमों के अलावा, सामाजिक माध्यमों से भी नागरिकों को जागरूक किया गया। हैदराबाद ट्रैफिक के ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर नशे में गाड़ी चलाना, सेल फोन ड्राइविंग, ट्रिपल ड्राइविंग, नाबालिग ड्राइविंग और बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट के ड्राइविंग पर सड़क सुरक्षा पोस्टर पोस्ट करके मीडिया, जबकि 7,800 नागरिकों ने इस पोस्टिंग को देखी। सी.वी. आनंद, , पुलिस आयुक्त, हैदराबाद शहर, पी. विश्वप्रसाद., अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, हैदराबाद, राहुल हेगड़े, बी.के, डीसीपी यातायात-I, हैदराबाद, एन. अशोक कुमार, डीसीपी यातायात-II, आर. वेंकटेश्वरलू, आईपीएस., डीसीपी यातायात-III, हैदराबाद और यातायात विभाग के अन्य अधिकारियों ने विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों और विशेष अभियानों में भाग लिया है।

यूजीसी कार्यशाला आज हैदराबाद विश्वविद्यालय में

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और अंडमान और निकोबार के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विश्वविद्यालयों और उनके संबद्ध कॉलेजों में स्वयं पाठ्यक्रमों के एकीकरण और कार्यान्वयन पर यूजीसी स्वयं कार्यशाला 2025 शनिवार को हैदराबाद विश्वविद्यालय में आयोजित की जाएगी।आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और अंडमान और निकोबार से लगभग 500 प्रतिभागियों के भाग लेने की उम्मीद है। स्वयं केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया एक कार्यक्रम है और इसे शिक्षा नीति के तीन प्रमुख सिद्धांतों अर्थात पहुंच, समानता और गुणवत्ता को प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस प्रयास का उद्देश्य सबसे वंचितों सहित सभी तक सर्वोत्तम शिक्षण अधिगम संसाधन पहुँचाना है। स्वयं उन छात्रों के लिए डिजिटल विभाजन को पाटने का प्रयास करता है जो अब तक डिजिटल क्रांति से अछूते रहे हैं और ज्ञान अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा में शामिल नहीं हो पाए हैं।

मंडल कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

मंडल रेल प्रबंधक ने कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की अमर कृति गोदान की समीक्षा प्रस्तुत की

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंडल रेल प्रबंधक, विजयवाड़ा नरेन्द्र ए. पाटील की अध्यक्षता और राजभाषा अधिकारी एम. के. नागराजु के संचालन में मंडल कार्यालय राजभाषा कार्यान्वन समिति की 189 वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक (अवसंरचना) पी. ई. एड्विन, अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्रीनिवास राव कोंडा के साथ- साथ रेलवे के अन्य शाखा अधिकारी भी उपलब्ध थे। बैठक की शुरुआत में गत वर्ष हिंदी में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मंडल रेल प्रबंधक द्वारा पुरस्कृत करने के साथ की गयी।

मंडल रेल प्रबंधक ने अपने संभाषण में सभी विजेताओं को शुभकामनाएं देने के साथ-साथ विजयवाड़ा मंडल में हिंदी भाषा के लिए हो रहे कार्यों का जायज़ा लिया और सभी अधिकारियो को स्वयं और अपने अधीनस्थ कार्यरत्त कर्मचारियों से अधिक से अधिक काम हिंदी में करने के लिए प्रेरित करने को कहा और आवश्यकता पड़ने पर राजभाषा अनुभाग की मदद लेने के लिये कहा।

हिंदी बैठक के दौरान हिंदी भाषा के महान साहित्यकारों द्वारा रचित पुस्तकों की समीक्षा संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें मंडल रेल प्रबंधक, विजयवाड़ा ने कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी की अमर कृति गोदान के संबंध में अपनी समीक्षा प्रस्तुत करते हुए पाठकों को ग्रामीण जीवन और किसानों की हालत को समझने के लिए गोदान पुस्तक पढ़ने के लिए प्रेरित किया जबकि अन्य शाखा अधिकारियों ने भी अलग-अलग लेखकों के अमर कृतियों के संबंध में अपनी समीक्षा प्रस्तुत की जिनमें रश्मिरथी, नीरजा, यार पापा, मधुशाला आदि जैसे बेहतरीन पुस्तक शामिल थे। पुस्तक समीक्षा के दौरान राजभाषा अधिकारी एम. के. नागराजु ने संचालन के दौरान कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है और किसी भी काल-खंड को समझने के लिए उस वक्त का साहित्य पढ़ना चाहिए जो हमें पथ प्रदर्शन का कार्य करता है।

तेलंगाना को "दुनिया की कौशल राजधानी" बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कनाडा स्थित कंस्टेलेशन सॉफ्टवेयर की इंडिया जीसीसी डार्क मैटर टेक्नोलॉजीज ने घोषणा की है कि वह शुरुआती चरण में 800 सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की भर्ती करेगी और अगले दो वर्षों में इस संख्या को 2,000 तक बढ़ाने की योजना बना रही है।

शुक्रवार को जुबली हिल्स में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर के उद्घाटन समारोह में, तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने राज्य में तेजी से विकसित हो रहे कौशल विकास पारिस्थितिकी तंत्र पर जोर दिया। "उद्योगों को कुशल पेशेवरों की आवश्यकता होती है, और आमतौर पर कंपनियां भर्ती के बाद कर्मचारियों को प्रशिक्षण देती हैं।

लेकिन हमारी सरकार, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, शिक्षा के दौरान ही कौशल विकास सुनिश्चित कर रही है। इस दृष्टिकोण से स्नातक होने वाले छात्र पहले दिन से ही उद्योग के लिए तैयार रहेंगे, जिससे कंपनियों का समय और संसाधन बचेंगे।"

28 काले पतंगों को बचाया गया

इंदिरा पार्क में मांझे से काली पतंगों पर कहर

संगारेड्डी, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इंदिरा पार्क से बचाए गए 28 काली पतंगों में से सात की मौत हो गई। राज्य की राजधानी में काले पतंगों के लिए एक प्रमुख प्रजनन स्थल इंदिरा पार्क में, जनवरी में संक्रांति के पतंगबाजी के मौसम के दौरान, अमीनपुर स्थित एनिमल वारियर्स कंजर्वेशन सोसाइटी (एडब्ल्यूसीएस) ने नायलॉन मांजे में फंसे 28 काले पतंगों को बचाया था।

एडब्ल्यूसीएस के संस्थापक प्रदीप नायर ने बताया कि जनवरी में बचाए गए 180 पक्षियों में से 28 को इंदिरा पार्क में बचाया गया चूंकि इंदिरा पार्क के पेड़ और छतरियां फेंके गए नायलॉन मांझे से भरी हुई थीं, इसलिए पक्षी मांझे में उलझ रहे थे। बचाए गए 28 पक्षियों में से 7 की मौत पटनचेरू के पास बोम्मानिकुंटा में एडब्ल्यूसीएस के पुनर्वास केंद्र में मांझे की चोटों से उबरने के दौरान हो गई, जबकि चार पतंगें हमेशा के लिए अक्षम हो गईं। चूंकि लोग नेकलेस रोड, परेड ग्राउंड और पार्क के नज़दीक कुछ अन्य स्थानों पर पतंग उड़ाते हैं, इसलिए प्रतिबंधित मांझा पार्क के पेड़ों पर गिर गया था।

इलाज के दौरान महिला की मौत

डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

मंचेरियल, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दांडेपल्ली मंडल की एक महिला की शुक्रवार को यहां एक निजी अस्पताल में डॉक्टरों की कथित लापरवाही के कारण इलाज के दौरान मौत हो गई। एक महीने के अंतराल में अस्पताल में इस तरह की यह दूसरी घटना है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि दांडेपल्ली के कन्नेपल्ली गांव की मुत्तेम राजेश्वरी (55) ने शुक्रवार तड़के इलाज के दौरान अंतिम सांस ली। गुरुवार रात सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

परिजनों ने अस्पताल के सामने शव लेकर न्याय की मांग करते हुए धरना दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि डॉक्टरों की लापरवाही के कारण राजेश्वरी की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों द्वारा की गई लापरवाही के कारण उसकी जान चली गई। वे चाहते हैं कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी घटना की जांच करें और डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करें। विरोध प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले में हस्तक्षेप किया। उन्होंने डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच कर आंदोलनकारियों को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। 24 दिसंबर को कागजनगर कस्बे के एक मैकेनिक कोंगा श्रीनिवास (45) के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि उसी अस्पताल के डॉक्टरों की लापरवाही के कारण उनकी मौत हो गई। यहां हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित कुछ मरीजों का इलाज चल रहा था, जिनकी मौत हो गई।

कार ने मोपेड को रौंदा, दंपत्ति की मौत

निर्मल, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोन मंडल के माधापुर गांव में गुरुवार शाम एक कार ने दोपहिया वाहन को कुचल दिया जिससे दम्पति की मौत हो गई। सोन एएसआई शेख अहमद ने बताया कि मदीपेड्डी सायन्ना (56) और उनकी पत्नी पोसानी (50) जो पाकपटला गांव की रहने वाली हैं, को कार की टक्कर से गंभीर चोटें आईं, जिससे सायन्ना की तत्काल मौत हो गई। पोसानी ने निजामाबाद के अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

दुर्घटना के समय दंपत्ति डुडीगांव में एक समारोह में भाग लेने जा रहे थे। कार तमिलनाडु से आदिलाबाद जा रही थी। दुर्घटना का कारण तेज गति और लापरवाही से गाड़ी चलाना माना जा रहा है।

सायन्ना की दो पत्नियां थीं, अब उनके परिवार में एक पत्नी, तीन बेटे और एक बेटी हैं। सायन्ना के बड़े बेटे सुरेश की शिकायत के आधार पर कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बाघ के पैरों के निशान दिखने से ग्रामीणों में दहशत

मंचेरियल, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कासिपेट मंडल के बुग्गागुडा और धर्मरावपेट गांवों के जंगलों में शुक्रवार सुबह बाघ के पैरों के निशान देखे जाने से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। वन अधिकारियों ने बताया कि महाराष्ट्र से एक वयस्क मादा बाघ शुरू में कुमराम भीम आसिफाबाद की ओर चली गई थी, जहां से वह दिसंबर के तीसरे सप्ताह में क्षेत्र की तलाश में जिले के जंगलों में चली गई। तब से यह लक्सेटीपेट रेंज के जंगलों में भटक रहा है। कुछ दिन पहले यह कासिपेट और बेल्लमपल्ली मंडलों में भटक गया था। अधिकारियों ने ग्रामीणों को सलाह दी कि वे मवेशी चराने तथा जलावन की लकड़ी इकट्ठा करने के लिए जंगल के अंदर न जाएं, क्योंकि इससे बाघ से टकराव की आशंका बनी रहती है। उन्होंने किसानों से कहा कि वे सुबह 10 बजे के बाद खेतीबाड़ी का काम शुरू करें और शाम 4 बजे से पहले खेत छोड़ दें। उन्होंने बताया कि वे बाघ की गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रहे हैं। एस-12 नामक एक नर बाघ भी नवंबर में केरामेरी के जंगलों में भटकने से पहले जिले के जंगलों में घूमता रहा था।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

निविदा सूचना सं. 04/2025, दि.31-01-2025

PUB/0101

भंडारण मदों की आपूर्ति, ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना:- निम्न निविदाओं को आनलाईन पर प्रदर्शित किया गया है। निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि, वेबसाइट:www.ireps.gov.in पर जाएं तथा अपने आफर्स को आनलाईन में प्रस्तुत करें। तत्संबंधित मात्रा, पूधरा, एसडी को वेबसाइट पर देखा जा सकता है। मैन्युएली या भौतिक रुप से प्रस्तुत आफर्स अमान्य होंगे। डाकद्वारा प्रेषित आफर्स या प्रस्तावों को नजरअंदाज किया जायेगा। निविदा की निर्धारित तिथि के निविदा बंद का समय 14.30 बजे है। सभी स्वदेशी - इंडिगेनस आफर्स के लिए, पूर्व धरोहर राशि- पूधरा को **वेबसाइट:**www.ireps.gov.in पर उपलब्ध केवल आनलाईन द्वारा ही स्वीकार किया जायेगा।

निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण
33241415बी	एलएचबी के लिए प्राइमरी स्प्रिंग(इन्नर)
33241552	एफटीआरटीआयपीएल पार्ट हेतु एन-1बोर्ड
33241612ए	डब्ल्यूएसपी हेतु सर्किट बोर्ड एमबी04बी
एलएन255058	रिमूवल सप्लाई या आपूर्ति एवं एप्लीकेशन
एलएन255075	आपूर्ति, स्थापना, कमिशनींग
एलएच255077	व्हील सेट के लिए मेनटेनेन्स किट-03
एलएच246587ए	एसएस पाइप फिट्टिंग 28एमएम का सेट
38253587	कालर सहित 12.70एमएम डाया लाक बोल्ट
66246658	ट्रांसड्यूसर्ज फार की प्रोक्यूरमेंट
एलएन247065	आपूर्ति, स्थापना, कमीशनींग
38253720	बाडी साइड स्टैंचिआन
66255063	यूज के लिए फिल्टर एलीमेंट
66247838	आपूर्ति व स्थापना की प्रोक्यूरमेंट या प्रापण
46257001	अनइनसुलेटेड कैडमियम कापर
45245004	अमलगमेटेड प्रि-कूलिंग ट्रांसफार्मर
56245369	हाय अवेलिबिलीटी सिंगल सेक्शन

नोट:- निविदा खोलने की निर्दिष्ट तिथियां क्रम सं.01 -दि.5-2-2025, क्रम सं.02 व 03-दि.10-2-2025, क्रम सं.04 से 08-दि.17-2-2025, क्रम सं.09 व 10-दि.18-2-2025, क्रम सं.11 दि.19-02-2025, क्रम सं.12दि.20-2-2025, क्रम सं.13 से 16 दि.24-02-2025

उपरिलिखित के निविदाओं के अतिरिक्त 50 लाख रुपये से अधिक मूल्य की भी अन्य निविदाएं हैं। अधिक जानकारी हेतु कृपया उपरोक्त वेबसाइट पर जाएं।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद

ई-टेंडर नोटिस नं. इएलएस/बीजेडए-ईटीएन-27-2024-25 दि.30-01-2025

PUB/0105

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य हेतु दि.21-02-2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं.बी/इ.221/टीआरएस/आरसी530, ई-टेंडर नं. इएलएस-बीजेडए-ईटीएन-27-2024-25 दि.30-01-2025, कार्य विवरण: कार्य का नाम: दो(02) वर्षों के लिए इलेक्ट्रिक लोको शेड, विजयवाडा पर मेजर शेड्यूल्स (पीयु पेन्टिंग-57 लोकोज व एनामेल पेंटिंग-37 लोकोज) के बीजी इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्ज की पेन्टिंग करना। मात्रा-94 नग, पूरा करने की अवधि: 24 महिने, निविदा मूल्य:रु. 60,19,002.75(जीएसटी को मिलाकर), पूधरा(बोली सुरक्षा राशि: रु.1,20,400.00, निविदा दस्तावेज मूल्य:रु.शून्य, निविदा बंद तिथि व समय: 21-02-2025 के 15.00 बजे

भावी निविदाकर्ताओं से परामर्श है कि, किसी भी निविदा के परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइट:www.ireps.gov.in पर जाएं।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (टीआरएस) इएलएस, विजयवाडा

A0128

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स: https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Sanju Pal Wife of Army No. JC 779049F, Rank : Nb Sub M/Tech (Gun) Name Sanjeev Kumar R/o. 391, Parhin, Auraiya, U.P-206122, Have Changed My Name From Sanju Pal To Sanjoo Devi And My Date of Birth 20-06-1985 Wrongly Entered In Service Records Correct Date of Birth is 02-01-1981 For The Purpose of All Records.

(Ro.No.84559)

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं.: CAT-PARK-00068

लॉट नं./वर्ग: PARKING-WAT-TIU-MX-115-23-2 (Parking - Mixed)

विवरण : वाल्टियर मण्डल के तिलारु रेलवे स्टेशन में दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों के लिए पार्किंग लॉट।

लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : 01.02.2025 को 1100 बजे, लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : 01.02.2025 को 1130 बजे।

न्यूनतम वृद्धि : 0.2%, लॉट स्थिति: प्रकाशित कैटलॉग में नया।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर

PR-938/P/24-25

दोस्त ने युवक पर किया चाकू से हमला

बहराइच, 31 जनवरी (एजेंसियां)। बहराइच के नगर कोतवाली क्षेत्र में शाम एक सामान्य विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। अक्करपुरा निवासी दो दोस्तों फैसल और मुलायम (मेराज के पुत्र) के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर मुलायम ने अपने दोस्त फैसल पर चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद आरोपी मुलायम मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने तुरंत घायल फैसल के परिजनों को सूचना दी, जिन्होंने उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद फैसल की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। नगर कोतवाली प्रभारी आर के सिंह ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि यह घटना दो दोस्तों के बीच आपसी कहासुनी का परिणाम है। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी की तलाश जारी है।

आगरा पुलिस की ऑटो गैंग से मुठभेड़: एक के पैर में गोली लगी

आगरा, 31 जनवरी (एजेंसियां)। आगरा के थाना जगदीशपुरा क्षेत्र में लूट करने वाले ऑटो गैंग की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी। इसमें वो घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी के एक और साथी को पकड़ा है। एसीपी लोहामंडी मयंक कुमार त्यागी ने बताया कि दो दिन पहले जगदीशपुरा क्षेत्र में एक महिला का मोबाइल और पर्स लूट लिया गया था। गुरुवार रात को पुलिस को सूचना मिली कि कुछ बदमाश घटना करने की फिराक में हैं। पुलिस ने चेकिंग शुरू की। चेकिंग में एक ऑटो में दो संदिग्ध लोग दिखे। जब उनको रोका तो उन्होंने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। इसमें अमित निवासी शाहगंज के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसे घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया।

महाकुंभ जा रहे युवक की ट्रेन से गिरकर मौत

कानपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। कानपुर में ट्रेन से गिरकर छात्र की मौत हो गई। वह एटा से प्रयागराज कुंभ में स्नान करने और फिर वहीं पर कमरा लेकर तैयारी करने के लिए घर से निकला था। छात्र के परिवारीजनों ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर शव की शिनाख्त की है। इसके बाद शव का पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। परिवार के लोगों का कहना है कि बेटे को मना किया था कि महाकुंभ के बाद प्रयागराज जाना, लेकिन उसने अपने आगे किसी की एक नहीं सुनी। एटा जिले के निधौली कला थाना क्षेत्र के नगला खिल्ली गांव में रहने वाले किसान लल्लू सिंह का बेटा अनिल कुमार (28) कंपटीशन एग्जाम की तैयारी कर रहा था। परिवार में मां शांति, दो भाई धीरज और अनिल हैं। धीरज ने बताया कि छोटा भाई अनिल मौजूदा समय में लेखपाल भर्ती की तैयारी कर रहा था।

सऊदी अरब में नौकरी के नाम पर 86-हजार ठगे

वाराणसी, 31 जनवरी (एजेंसियां)। वाराणसी के आदमपुर थाने पर चौहट्टालाल खां मोहल्ले में रह रहे चंदौली निवासी एक शकील खान ने 86 हजार रुपए ठगी करने का मुकदमा दर्ज कराया है। शकील का आरोप है कि जौनपुर निवासी एक युवक ने उसे सऊदी अरब भेजने के लिए 2 लाख रुपए की डिमांड की थी। इसमें उसने कैश और यूपीआई के माध्यम से 86 हजार रुपए व्यक्ति अकबर अली को दिए थे। काफी समय बीतने के बाद भी नौकरी के लिए कोई बातचीत आगे नहीं बढ़ी तो पैसा वापस मांगा। इसपर अकबर अली अब जान से मारने की धमकी दे रहा है। फिलहाल पुलिस ने सीपी के निर्देश पर सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

वायरल वीडियो के बाद लड़की की मौत,कब्र से निकाला शव

मधेपुरा, 31 जनवरी (एजेंसियां)। मधेपुरा में वायरल वीडियो के बाद लड़की की मौत के मामले में शुक्रवार को पुलिस ने शव कब्र से खोदकर निकाला। बॉडी पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।कोर्ट के आदेश के बाद ये कार्रवाई की गई है। इससे पहले पुलिस ने तीनों आरोपियों को बुधवार को गिरफ्तार किया। एसपी संदीप सिंह ने बताया कि, 'इसमें से एक प्रभु शाह है। वो सिंहेश्वर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीनिया गांव का रहने वाला है। वहीं, दूसरा गोलू कुमार है। जो भान टेकठी, थाना मधेपुरा का रहने वाला है। वायरल वीडियो गोलू कुमार के मोबाइल में मिला है। इसके साथ ही तीसरा आरोपी अनिल कुमार शर्मा है।

70वीं बीपीएससी पर पटना हाईकोर्ट में आज नहीं हो सकी सुनवाई, सामने आई ये वजह

पटना, 31 जनवरी (एजेंसियां)। 70वीं बीपीएससी की पीटी परीक्षा को रद्द करने और री-एग्जाम की मांग वाली याचिका पर आज (शुक्रवार) पटना हाईकोर्ट में होने वाली सुनवाई टल गई है। इसकी वजह बताई जा रही है कि जज के छुट्टी पर रहने के कारण आज सुनवाई नहीं हो पाई।

चार फरवरी को इस पर हो सकती है सुनवाई

बसंत पंचमी के चलते पटना हाईकोर्ट में तीन फरवरी 2025 को अवकाश घोषित है। ऐसे में अब 4 फरवरी 2025 से पटना हाईकोर्ट का सामान्य अदालती कामकाज हो सकेगा। बीते 16 जनवरी को इस मामले में सुनवाई हुई थी। उस दिन कोर्ट ने आदेश में 70वीं बीपीएससी की पीटी परीक्षा रद्द करने और रिजल्ट पर रोक लगाने से

इनकार कर दिया था।

30 जनवरी तक दाखिल करना था हलफनामा

बता दें कि परीक्षा में धांधली का आरोप लगाते हुए अभ्यर्थियों की ओर से 70वीं बीपीएससी की पीटी परीक्षा को रद्द करने और री-एग्जाम की मांग को लेकर याचिका दायर की गई है। पटना हाईकोर्ट ने याचिका को स्वीकार कर बिहार सरकार एवं आयोग (बीपीएससी) को 30 जनवरी तक अपना हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था। परीक्षा रद्द होगी या नहीं इसका फैसला बिहार सरकार और बीपीएससी के जवाब के बाद हाईकोर्ट की सुनवाई में हो सकता था लेकिन जज के छुट्टी पर रहने के कारण आज यह नहीं हो पाएगा। अब चार फरवरी को कोर्ट का क्या निर्णय आता है इस पर सबकी नजरें टिकी हैं। सवाल यह है कि क्या परीक्षा रद्द होगी? 70वीं बीपीएससी पीटी परीक्षा का रिजल्ट भी आ चुका है,

लेकिन अभ्यर्थियों का धरना-प्रदर्शन जारी है। कल (गुरुवार) पटना की सड़कों पर उतरकर अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन भी किया था। पुलिस से झड़प भी हुई थी। गौरतलब हो कि पटना हाईकोर्ट का रुख करने से पहले सुप्रीम कोर्ट में याचिका डाली गई थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट जाने का निर्देश दिया था।

चलती ट्रेन में आग लगने से हड़कंप

कोयला लोड था, अचानक ऐसा हुआ तो लोको पायलट ने रोकी गाड़ी

गया, 31 जनवरी (एजेंसियां)। गया-कोडरमा रेलखंड के पहाड़पुर रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार सुबह एक कोयला लदी मालगाड़ी में आग लगने से हड़कंप मच गया। ट्रेन के 20वें बोगी से धुआं उठता देख चालक ने सतर्कता बरतते हुए तुरंत ट्रेन रोकी और स्टेशन मास्टर को सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन सक्रिय हो गया और तुरंत फायर ब्रिगेड को मौके पर बुलाया गया।

रेलकर्मियों ने पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक आग पूरी तरह बुझाई नहीं जा सकी थी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कोयले में स्वतः स्फुरण के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है। कुछ देर के लिए रेल यातायात प्रभावित हुआ है। रेल प्रशासन स्थिति पर पूरी तरह नजर बनाए हुए है। खबर प्रेषित किए जाने तक आग बुझाने का कार्य जारी है और रेलवे की तकनीकी टीम मामले की जांच में जुट गई है।

अयोध्या में दो धार्मिक स्थलों का होगा पर्यटन विकास

मिल गया बजट; पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने दी जानकारी

लखनऊ, 31 जनवरी (एजेंसियां)। भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने के साथ आसपास के धार्मिक स्थलों के पर्यटन विकास का काम भी चल रहा है। अब गांव अबानपुर सरोहा और खिरौनी सुचिता गंज सोहावल को दो करोड़ की दो पर्यटन विकास योजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इसमें से 1.20 करोड़ रुपये जारी भी कर दिए गए हैं। अयोध्या के मसूदा विकासखंड के ग्राम अबानपुर सरोहा में 150 वर्ष पहले महंत रामदीन दास ने तपस्या की थी। इसलिए यह उनकी कुटी तपोस्थली के नाम से प्रसिद्ध है। यह मंदिर धार्मिक एवं पौराणिक है। यहां वर्ष में कई मेलों का आयोजन होता है, जिसमें स्थानीय, क्षेत्रीय एवं ग्रामीण लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

दीपोत्सव, चैत राम नवमी, सावन झूला मेला एवं कार्तिक पूर्णिमा मेला के अवसर पर श्रद्धालुओं का आवागमन जारी रहता है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ग्रामीण पर्यटन के तहत यहां थीमेटिक गेट एवं पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इसके लिए एक करोड़ रुपए स्वीकृत हुए हैं। स्वीकृत राशि में यात्री शेड, कॉमन टॉयलेट, सैंड स्टोन फ्लोरिंग, स्टोन बेंच, गेट, साइनेज, सोलर लाइट आदि पर्यटक सुविधाएं आदि विकसित की जाएंगी। वहीं नगर पंचायत खिरौनी सुचिता गंज सोहावल का ज्वाला माता मंदिर एक प्रतिष्ठित धार्मिक स्थल है।

शिक्षकों के मनचाहे और तुरंत ट्रांसफर को लेकर सीएम नीतीश कुमार के नाम खुला खत, क्या लिखा गया?

पटना, 31 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में शिक्षकों की ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखा गया है। इसके जरिए कहा गया है कि शिक्षकों को मनचाहा ट्रांसफर मिले। तुरंत ट्रांसफर भी किया जाए। ये पत्र प्लूरल्स पार्टी की प्रमुख पुष्पम प्रिया चौधरी की ओर से लिखा गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम लिखे पत्र को पुष्पम प्रिया चौधरी ने अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया है। पत्र में उन्होंने लिखा है, उपर्युक्त विषय के संबंध में आपका ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं। सबसे पहले आपको इस बात के लिए साधुवाद देना चाहती हूं कि आपके वर्तमान कार्यकाल में शिक्षकों की बड़ी संख्या में नियुक्ति की गई है। इससे बिहार के बच्चों की शिक्षा का स्तर निश्चित रूप से सुधरेगा। परंतु यह भी ध्यान देना आवश्यक है कि हमारे शिक्षकों और शिक्षिकाओं का मनोबल मजबूत बना रहे और सरकार की तरफ से उनकी सुविधाओं का विशेष प्रबंध किया जाए। आगे लिखती हैं, इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम उन्हें उनके घर के निकट अथवा मनचाहे स्थान पर

पोस्टिंग देना होगा। इससे वे अपने व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन की चिंताओं से मुक्त हो सकेंगे और विद्यालय में पूरी एकाग्रता, उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ बच्चों को पढ़ा सकेंगे।

पुष्पम प्रिया चौधरी ने एजुकेशन पॉलिसी का किया जिक्र

नीतीश कुमार को लिखे खत में पुष्पम प्रिया चौधरी ने एजुकेशन पॉलिसी का जिक्र किया है। उन्होंने लिखा है, मुख्यमंत्री जी, पूरे विश्व में एजुकेशन पॉलिसी की बेस्ट प्रैक्टिस यही बताती है कि बच्चों की शिक्षा की गुणवत्ता काफी हद तक शिक्षकों के मनोबल पर निर्भर करती है। उन्हें प्रोत्साहित किए बिना शिक्षा की क्वालिटी बेहतर नहीं बनाई जा सकती। इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि बिहार की शिक्षिकाओं और शिक्षकों को अविलंब उनके घर के निकट या मनचाहे जगह पर पोस्टिंग दी जाए। शिक्षा विभाग द्वारा वादा किया गया था कि नए साल के प्रथम सप्ताह तक यह कार्य कर लिया जाएगा परंतु अब विलंब होने से शिक्षकों का मनोबल टूट रहा है। अंत में लिखा, मेरा आपसे यह विनम्र अनुरोध है कि बिहार के बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए शिक्षिकाओं और शिक्षकों के स्थानांतरण पर कृपया व्यक्तिगत संज्ञान लेने की कृपा करें। इसके लिए बिहार के लाखों शिक्षक और करोड़ों बच्चे आपके आभारी रहेंगे।

चित्रकूट में बजरंग दल नेता पर जानलेवा हमला

चित्रकूट, 31 जनवरी (एजेंसियां)। चित्रकूट के कर्वी कोतवाली क्षेत्र में बजरंग दल के जिला सह संयोजक शिवेंद्र प्रताप सिंह पर जानलेवा हमला हुआ है। घटना बनकट के पास उस समय हुई जब वे जाम में फंसे श्रद्धालुओं की मदद करने पहुंचे थे। हमलावरों ने पिस्टल, लाठी, डंडे और चाकू से हमला कर शिवेंद्र को गंभीर रूप से घायल कर दिया। महाराष्ट्र की गाड़ी में सवार हमलावरों ने न केवल शिवेंद्र पर जानलेवा हमला किया, बल्कि उनकी गाड़ी में भी तोड़फोड़ की। इस घटना के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश फैल गया है। स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है और हमलावरों की तलाश में जुटी है।

नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोपी भाजपा नेता गिरफ्तार

मेरठ, 31 जनवरी (एजेंसियां)। मेरठ में एक नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ के मामले में फरार चल रहे भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नेता नईम उर्फ मूली को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र के एल गार्डन में रहने वाले आरोपी को रात उसके घर से गिरफ्तार किया गया। घटना कुछ दिन पहले की है, जब ट्यूशन जा रही एक नाबालिग किशोरी के साथ आरोपी ने छेड़छाड़ की। किशोरी के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया था। पीड़िता के परिवार ने ब्रह्मपुरी थाने में शिकायती पत्र दिया, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया।

दहेज के लिए पत्नी को घर से निकाला:10 लाख न देने पर मारपीट

शाहजहांपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। शाहजहांपुर में दहेज लोभियों की क्रूरता का एक और मामला सामने आया है। थाना सदर बाजार क्षेत्र की एक महिला ने अपने पति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता का आरोप है कि पति ने दहेज में 10 लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट की और घर से निकाल दिया। 11 साल पहले पीड़िता की शादी ककरा कला निवासी गुलजार अहमद से हुई थी। शादी के एक साल बाद से ही पति और ससुराल वालों ने दहेज की मांग शुरू कर दी। पीड़िता के भाई और पिता ने कई लाख रुपये देकर बेटी का घर बचाने की कोशिश की, लेकिन आरोपियों का लालच बढ़ता गया। थाना प्रभारी अरविंद सिंह चौहान ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, पीड़िता ने अपने पति को जल्लाद बताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बिहार में एक साथ दो आत्महत्या प्रेमी के घर जाकर प्रेमिका और उसकी मां ने जहर खाकर दी जान

गोपालगंज, 31 जनवरी (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले के कुचायकोट थाना क्षेत्र के दयाराम मठिया गांव में मां और बेटी ने सुसाइड कर लिया। हैरान करने वाली बात यह भी है कि लड़की अपनी मां के साथ प्रेमी के घर गई। मां-बेटी ने लड़के वालों पर शादी का दबाव बनाया। अचानक विवाद होने लगा। देखते ही देखते मां-बेटी ने जहर खा लिया। आननफानन में दोनों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया लेकिन डॉक्टर ने मां-बेटी को मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दी है और पूरे मामले की जांच में जुट गई है। मृत की पहचान पश्चिमी चम्पारण जिले के ठकराहा थाना क्षेत्र के ठकराहा गांव निवासी हरेंद्र मिश्रा की पत्नी मीरा देवी और बेटी काजल मिश्रा के रूप में किया गया।

डिंपल यादव के रोड शो को लेकर आचार संहिता उल्लंघन का केस दर्ज, अनुमति से अधिक वाहन थे शामिल

अयोध्या, 31 जनवरी (एजेंसियां)। सपा की स्टार प्रचारक सांसद डिंपल यादव के रोड शो को लेकर अज्ञात सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ थाना इनायतनगर में आचार संहिता उल्लंघन का मुकदमा दर्ज किया गया है। सब इंस्पेक्टर आलोक कुमार सिंह की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। रोड शो के दौरान अनुमति से अधिक वाहनों का प्रयोग किया गया। रायबरेली हाईवे के दोनों लेन को जाम कर दिया गया था। समाजवादी पार्टी की स्टार प्रचारक सांसद डिंपल यादव मिल्कीपुर उपचुनाव में सपा प्रत्याशी अजीत प्रसाद के समर्थन में बृहस्पतिवार को रोड शो करने आई थीं। रोड शो का काफिला कुमारगंज से मिल्कीपुर पेट्रोल पंप तक करीब नौ किलोमीटर का था। शाम करीब चार बजे काफिला इनायतनगर थाना क्षेत्र की सीमा में प्रवेश हुआ। काफिले में करीब 150 दो पहिया और 150 चार पहिया वाहनों के

साथ कई एसयूवी वाहन चल रहे थे। व्यवस्था में तैनात थाना इनायतनगर के उप निरीक्षक आलोक कुमार सिंह ने आरोप लगाया कि काफिले के लिए कुल 85 वाहनों की अनुमति थी। इसमें 50 दोपहिया, 25 चार पहिया छोटे वाहन व 10 एसयूवी के लिए ही आवेदन किया गया था। ध्वनि विस्तारक यंत्र भी स्वीकृति से अधिक प्रयोग हो रहे थे। राष्ट्रीय राजमार्ग 330 ए पर सहुलारा तिराहा पर दोनों पटरियों पर सपा कार्यकर्ताओं के वाहन इनायतनगर की तरफ आते रहे जबकि रोड शो के लिए एक साइड से ही अनुमति थी। इससे आवागमन की व्यवस्था बाधित हुई और अत्यधिक भीड़ व वाहन के प्रयोग से चुनाव आयोग के निर्देशों का उल्लंघन हुआ। उप निरीक्षक की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 (ए) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

महाकुंभ भगदड़ मामले में होगी सीबीआई की एंट्री? कोर्ट पहुंचा मामला, जल्द हो सकती है सुनवाई

प्रयागराज, 31 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश स्थित प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान 29 जनवरी, बुधवार को मौनी अमावस्या के मौके पर मची भगदड़ की जांच के लिए, योगी सरकार ने न्यायिक कमेटी का गठन

किया है। इस कमेटी ने अपना काम भी शुरू कर दिया है। अब इलाहाबाद हाईकोर्ट में इसको लेकर याचिका दाखिल की गई है। याचिका में मांग की गई है कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो घटना की जांच करें। मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट की दहलीज पर पहुंच गया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में सीबीआई जांच की मांग को लेकर दाखिल की गई लेटर पिटीशन दाखिल की गई है। लेटर पिटीशन में चीफ जस्टिस से सुओ मोटो लेते हुए जल्द सुनवाई की मांग की गई है। लेटर पिटीशन में बताया गया है कि हादसे में 30 लोगों की मौत हो गई जबकि भगदड़ में 90 लोग घायल हुए थे। लेटर पिटीशन में चीफ जस्टिस से मांग की गई है कि दोषी अधिकारियों को निलंबित किया जाए। इसके साथ ही आगामी स्नान पर्वों के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त किए जाने की भी मांग की गई है। याचिकाकर्ता राय चंद्र द्विवेदी जिला सोनभद्र रिटायर्ड डिप्टी डायरेक्टर सेंट्रल वाटर कमीशन की ओर से लेटर पिटीशन दाखिल की गई है। लेटर पिटीशन इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता गौरव द्विवेदी के जरिए दाखिल की गई है। अदालत अगर इस लेटर पिटीशन को सुनवाई के लिए मंजूर करती है तो सुनवाई अगले हफ्ते हो सकती है।

मां के इंतजार में बेटे ने छोड़ा खाना:48 घंटे बाद मिलने पर छलके आंसू

आजमगढ़, 31 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज के कुंभ हादसे में आजमगढ़ जिले की रहने वाली महिला कमलावती देवी 54 की मौत हो चुकी है। जबकि कमलावती देवी के साथ गए 10 लोगों में से चार लापता हो गए थे। हालांकि जो चारों लापता हुए थे। उन सभी को गांव वालों की मदद से खोज लिया गया। लापता होने वालों में आसमनी देवी, कैलाश पति, सविता और बादामा देवी प्रमुख हैं। कमलावती देवी अपनी बहू बेटों सहित कुल मिलाकर 10 लोगों को लेकर 28 जनवरी को मौनी अमावस्या का स्नान करने प्रयागराज गई थी। प्रयागराज पहुंचने के बाद वहां से यह सभी लोग संगम में गंगा स्नान के लिए गए थे। और इसी दौरान रात्रि में हादसे का शिकार हो गई। इसके साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु अभी भी मिसिंग हैं। इन्हीं मिसिंग में से एक जिले के तहबरपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली किरन तिवारी हैं। जो 60 घंटे बाद शुक्रवार की सुबह चार बजे आजमगढ़ पहुंची।

महाकुंभ भगदड़ को संसद में उठाएगी सपा

राम गोपाल यादव ने लगाया मौत का आंकड़ा छुपाने का आरोप

लखनऊ, 31 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ भगदड़ मामले पर अब सियासत तेज होने लगी है। समाजवादी पार्टी अब इस मुद्दे को संसद में उठाएगी। सपा के राज्य सभा सांसद प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने यूपी सरकार पर भगदड़ में मारे गए लोगों की सही संख्या छिपाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार मौतों का आंकड़ा छिपाकर पाप कर रही है। सबूत मिटाए जा रहे हैं। बजट सत्र में हम इसे मुद्दे को उठाएंगे। राम गोपाल यादव ने दिए इंटरव्यू में कहा कि कुंभ के दौरान प्रयागराज में बहुत दर्दनाक घटना हुई है।

प्रशासन और यूपी के मुख्यमंत्री की घोर लापरवाही की वजह से। आश्चर्य की बात ये है कि अभी तक यूपी सरकार ने घटना होना ही स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने हताहतों की संख्या के बारे में बताना तो दूर एक हेल्पलाइन नंबर तक जारी नहीं किया ताकि उनके परिजनों को पता चल सके कि क्या हुआ है। सपा सांसद

ने कहा कि सोशल मीडिया पर तरह-तरह की बातें आ रही हैं। जो वीडियो हैं उन्हें देखकर लोगों का हृदय कांप जाएगा। इतनी खराब स्थिति है तो लोगों का चिंतित होना स्वभाविक है। यूपी सरकार कम से कम उन लोगों के बारे में तो जानकारी दे जो जिनकी मौत हुई है। ताकि लोगों को पता चल सके कि उनके परिजन जो कुंभ में गए हैं वो सुरक्षित हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में सिर्फ श्रद्धालु ही नहीं ड्यूटी पर लोग थे उनमें भी लोग हताहत और घायल हो सकते हैं ये पुलिसवालों को भी आशंका है। तो इतनी गंभीर घटना को कैसे छिपाया जा सकता है सबूतों को नष्ट किया जा रहा है। हमने वीडियो में देखा है कि किस तरह से ट्रैक्टरों में सामान ले जाया जा रहा है। ताकि किसी को ये न लगे कि यहां कोई घटना हुई है। इतनी बड़ी घटना जहां दुनिया जानती है कि हुई है उसे छिपाया जा रहा है। सबूत नष्ट करना, छिपाना, संख्या को सही नहीं बताना ये घोर अपराध है इसके लिए दिल्ली से यूपी सरकार के खिलाफ एक्शन होना ही चाहिए।

गोरखपुर में महिला का पर्स लूटा:बाइक सवारों ने झपट्टा मारा तो ई-रिक्शा से नीचे गिरी

गोरखपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। गोरखपुर में ई रिक्शा पर बैठी महिला का बाइक सवार बदमाशों ने पर्स छीन लिया। यह घटना जेल बाईपास स्थित ट्रैक्टर एजेंसी के पास की है। बाइक सवारों के झपट्टा मारने से महिला नियंत्रण खोकर ई रिक्शा से नीचे जा गिरी। लगभग 10 मीटर घिसटती रही। आसपास के लोगों ने दौड़कर उन्हें उठाया और कुर्सी पर बैठाया। महिला अपनी चचेरी बहन की शादी में शामिल होने के लिए मायके जा रही थी। पर्स में लगभग 4 लाख रुप, कीमत के गहने व मोबाइल फोन था। महिला के ई रिक्शा से गिरने की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। पुलिस सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के आधार पर बाइक सवार बदमाशों की तलाश में जुटी है। गिरने से महिला काफी घायल हो गई। बीच सड़क पर गिरने से वह बदहवाश हो गई थीं। इस घटना में वह बाल-बाल बचीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने निजी अस्पताल में महिला का उपचार करवाया।

भयंकर तूफान और भारी बारिश का अलर्ट! 5 फरवरी तक 20 राज्यों में खराब रहेगा मौसम

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। देशभर में मौसम करवट बदलने वाला है। एक फरवरी और 3 फरवरी को 2 पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो रहे हैं। इनके असर से देश के 20 से ज्यादा राज्यों में मौसम खराब रहेगा। कहीं बारिश तो कहीं बर्फबारी होने के आसार हैं। घना कोहरा छाने की भी संभावना है। 5 फरवरी तक दोनों पश्चिमी विक्षोभ का असर रहेगा। उत्तर-पश्चिमी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान में मौसम का असर ज्यादा देखने को मिलेगा। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश के साथ बर्फबारी हो सकती है। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान के कुछ इलाकों में बारिश होने की संभावना है। उत्तर प्रदेश, बिहार समेत 7 राज्यों में कोहरा छा सकता है। देशभर में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी संभव है। 1 फरवरी को उत्तर भारत, पश्चिम में राजस्थान-गुजरात समेत पूर्व में बंगाल-ओडिशा में मौसम सामान्य रह सकता है, लेकिन दक्षिण में केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी में बारिश हो सकती है। नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में कोहरा रहेगा।

देश में ताजा मौसमी परिस्थितियां

मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी अफगानिस्तान के ऊपर साइक्लोनिक सर्कुलेशन के रूप में पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव है। 2 ताजा पश्चिमी विक्षोभ 1 से 3 फरवरी के बीच उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित करने के लिए तैयार हैं। पूर्वोत्तर असम में भी एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव है।

पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी का अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार, 5 फरवरी तक पश्चिमी विक्षोभ के असर से जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, लद्दाख में मैदानी इलाकों में बारिश और पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी होने के आसार हैं। उत्तर प्रदेश में अगले 5 दिन अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा। मौसम सामान्य और शुष्क बना रहेगा। सुबह शाम हल्का कोहरा छा सकता है। दिनभर सर्द हवाएं चल सकती हैं।

इन राज्यों में बारिश होने की चेतावनी

पश्चिमी विक्षोभ के असर से मध्य प्रदेश में भी एक फरवरी मौसम बदल जाएगा। शनिवार से बादल छाने के आसार हैं। ग्वालियर, चंबल, इंदौर, उज्जैन समेत कई जिलों में गरज चमक के साथ बारिश हो सकती है। 5 फरवरी तक पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान में 3 से 5 फरवरी के बीच बारिश हो सकती है। अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर गरज और चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। पूर्वोत्तर असम, नागालैंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और इन राज्यों के शहरों माहे, यनम, कराईकल, रायलसीमा में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

4 तटीय जिलों में तूफान का अलर्ट

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने पश्चिमी विक्षोभ के असर से देश के 4 तटीय जिलों तेनकासी, थूथुकुडी, तिरुनेलवेली, कन्याकुमारी अगले 2 दिन तूफान आने और भारी बारिश होने की चेतावनी दी है। साथ ही इन जिलों के लोगों को अचानक मौसम बदलने पर सतर्क रहने और आंधी-तूफान, भारी बारिश के दौरान आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है।

घाटकोपर होर्डिंग केस में बढ़ सकती है आईपीएस कैसर खालिद की मुसीबत

मुंबई, 31 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई के घाटकोपर में होर्डिंग गिरने के मामले में पूर्व जीआरपी कमिश्नर कैसर खालिद की मुसीबत बढ़ सकती है। दरअसल, मुंबई क्राइम ब्रांच ने घाटकोपर होर्डिंग मामले में सस्पेंडेड आईपीएस अधिकारी कैसर खालिद के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट की धारा 13 के तहत क्रिमिनल इंक्वायरी की सिफारिश की है। सूत्रों ने बताया कि क्राइम ब्रांच को जांच के दौरान जानकारी मिली है कि गिरफ्तार आरोपी अरशद खान ने पिछले साल होर्डिंग गिरने के लिए जिम्मेदार फर्म ईगो मीडिया से 1 करोड़ से अधिक रुपये लिए थे। ईगो मीडिया पर होर्डिंग के गिरने की वजह से 17 लोगों की मौत और 80 से अधिक लोगों के घायल होने का आरोप है। इसी वजह से गृह विभाग से यह सिफारिश की गई है ताकि गृह विभाग इसे आगे की कार्रवाई के लिए एसीबी को भेज सके। अरशद खान की गिरफ्तारी के बाद खालिद क्राइम ब्रांच की जांच के दायरे में आए। अरशद खान कैसर खालिद को जानता है और खालिद की पत्नी की एक कंपनी में डायरेक्टर भी है। सूत्रों ने बताया कि दो सप्ताह पहले क्राइम ब्रांच की रिपोर्ट में खालिद के खिलाफ कार्रवाई और प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट की धारा 13 के तहत एसीबी द्वारा जांच की सिफारिश की गई थी।

हाइवे पर खड़े ट्रक में रखा सिलेंडर फटा सीसीटीवी में कैद हुआ डरावना मंजर

सेलम, 31 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के सेलम जिले से एक डराने वाली घटना का वीडियो सामने आया है। सीसीटीवी में कैद इस घटना में ओमलूर में एक बड़ा हादसा होते-होते रह गया, जब सड़क निर्माण के दौरान ट्रक में रखे एक सिलेंडर में अचानक आग लग गई और वह फट गया। यह घटना चिन्नप्पमपट्टी में उस समय हुई, जब चार लेन हाईवे का निर्माण कार्य चल रहा था। सिलेंडर का इस्तेमाल सड़क पर सफेद लाइन खींचने के लिए किया जा रहा था। घटना के समय ट्रक से आग की लपटें निकलते हुए देख मजदूरों ने पहले तो आग बुझाने की कोशिश की, फिर तुरंत मौके से भागकर किसी तरह अपनी जान बचाई। सौभाग्य से हादसे के समय इलाके में ट्रैफिक कम था, जिससे कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें सिलेंडर फटते हुए दिखाई दे रहा है। सिलेंडर के फटते ही आग अचानक से फैल गई लेकिन कोई भी उसकी चपेट में नहीं आया। सिलेंडर के फटने से ठीक पहले एक शख्स आग बुझाने के लिए जाता हुआ नजर आ रहा था, लेकिन तुरंत ही वहां से भाग गया। वहीं, सड़क पर भी ट्रैफिक बहुत कम नजर आ रहा था, जिससे कि एक बड़ी दुर्घटना टल गई। अधिकारियों ने घटना की गंभीरता को देखते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय अपनाए जाएंगे।

गोगी गैंग का शार्प शूटर गिरफ्तार, देसी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद, नरेला फायरिंग से आया था सुर्खियों में

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 को ध्यान में रखते हुए दिल्ली पुलिस का अवैध हथियार, शराब और नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान पिछले कुछ दिनों से जारी है। दिल्ली पुलिस ने इस मुहिम की शुरुआत चुनाव आयोग की ओर से अवैध हथियारों को लेकर मिले निर्देश के बाद की थी। इस अभियान के दौरान दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की टीम को गोगी गैंग के कुख्यात शूटर अक्षय उर्फ टैक्सी को गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली है। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा आर.के. पुरम ने गुप्त सूचना के आधार पर कुख्यात शूटर अक्षय को ट्रैप किया है। डीसीपी क्राइम ब्रांच ने बताया कि कुख्यात शूटर को दबोचने के लिए इंस्पेक्टर रामपाल की देखरेख में पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गई थी। क्राइम ब्रांच की टीम ने सूचना के अनुसार वांछित अपराधी अक्षय उर्फ टैक्सी जितेंद्र उर्फ गोगी गैंग का सक्रिय सदस्य है। दिल्ली के धौला कुआं मेट्रो स्टेशन के पास किसी का इंतजार कर रहा था। पुलिस ने तुरंत घेराबंदी कर उसे धर दबोचा। डीसीपी ने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान अक्षय ने पुलिस टीम को चकमा देने की कोशिश की, लेकिन टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे मौके से दबोच लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं।

राष्ट्रपति भवन में सात फेरे लेगी शिवपुरी की बिटिया पूनम, जानें क्यों मिली राष्ट्रपति की स्पेशल अनुमति

शिवपुरी, 31 जनवरी (एजेंसियां)। शिवपुरी की रहने वाली सीआरपीएफ की महिला असिस्टेंट कमांडेंट पूनम गुप्ता की शादी 12 फरवरी को राष्ट्रपति भवन स्थित मदर टेरेसा क्राउन परिसर में होगी। यह पहली बार है जब किसी अधिकारी की शादी के लिए राष्ट्रपति भवन का परिसर उपलब्ध कराया गया है।

राष्ट्रपति की सुरक्षा में तैनात होने के कारण पूनम के अच्छे आचरण और व्यवहार के कारण राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उनसे बेहतर प्रभावित हैं और उन्हें उन्होंने पूनम की शादी के लिए राष्ट्रपति भवन की मदर टेरेसा क्राउन परिसर को विवाह के लिए उपलब्ध हो रहा है। इस परिसर में होने वाली शादी के लिए इसमें परिवार के नाते रिश्तेदार शामिल होंगे। पूनम का विवाह जम्मू-कश्मीर में पदस्थ सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट अवनीश कुमार से होगा। शिवपुरी की बेटी शिवपुरी पूनम गुप्ता जो सीआरपीएफ की महिला असिस्टेंट कमांडेंट हैं और राष्ट्रपति भवन में पीएसओ के पद पर तैनात हैं। उनका विवाह जम्मू-कश्मीर में पदस्थ सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट अवनीश कुमार से होगा। 12 फरवरी को समारोह होगा। परिवार के नजदीकी प्रमेंद्र बिरथरे ने बताया है कि पूनम शिवपुरी के श्रीराम कॉलोनी में निवासरत व नवोदय विद्यालय में पदस्थ कार्यालय अधीक्षक रघुवीर गुप्ता की बेटी हैं। असिस्टेंट कमांडेंट पूनम गुप्ता राष्ट्रपति भवन में पीएसओ के पद पर तैनात हैं। बताया जाता है कि पूनम के आचरण और व्यवहार से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बेहद प्रभावित रही हैं। जब उन्हें पता चला कि पूनम की शादी होने वाली है तो उन्होंने राष्ट्रपति भवन के मदर टेरेसा क्राउन परिसर में उनके विवाह की व्यवस्था तय की। शादी में अब चुनिंदा मेहमान ही शामिल होंगे।

लिव इन रिलेशन रजिस्ट्रेशन को लेकर बड़ा अपडेट, हर जोड़े को नहीं देना होगा ये सर्टिफिकेट

देहरादून, 31 जनवरी (एजेंसियां)। समान नागरिक संहिता के अंतर्गत लिव इन रिलेशन के हर पंजीकरण पर धर्म गुरु के प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होगी। ऐसा केवल उन मामलों में करना होगा, जिसमें लिव इन में पंजीकरण चाहने वाले जोड़ों के बीच कोई पूर्व का रिश्ता हो और वह रिश्ता उस श्रेणी में आता हो, जिनके बीच विवाह प्रतिषिद्ध है। ऐसे रिश्तों को संहिता की प्रथम अनुसूची की सूची एक में रखा गया है। सामान्य तौर पर उत्तराखंड में इस तरह के रिश्तों मे विवाह करने वाले लोग बहुत कम हैं। धर्म गुरुओं द्वारा जारी किए जाने वाले प्रमाण पत्र के प्रारूप में भी इसका स्पष्ट जिक्र किया गया है। प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू हो चुकी है। इसमें लिव इन में रहने वालों के लिए पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। इस बीच यह चर्चा चली कि लिव इन रिलेशनशिप पंजीकरण के लिए धर्म गुरुओं का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। इस पर समान नागरिक संहिता नियमावली समिति के सदस्य मनु गौड़ ने इस पर स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता के अंतर्गत लिव इन के पंजीकरण के समय सिर्फ निवास, जन्म तिथि, आधार और किरायेदारी के मामले में किरायेदारी से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। इसके अलावा जिन लोगों का पहले तलाक या विवाह विच्छेद हो चुका है, उन्हें लिव इन में आने से पहले विवाह विच्छेद का कानूनी आदेश प्रस्तुत करना होगा। जिनके जीवन साथी की मृत्यु हो चुकी है या जिनका पूर्व में लिव इन रिलेशनशिप समाप्त हो चुका है, उन्हें भी इससे संबंधित दस्तावेज पंजीकरण के समय देने होंगे।

उन्होंने धर्म गुरुओं से रिश्ता प्रमाणित होने से संबंधित दस्तावेज की अनिवार्यता पर स्पष्ट किया कि ऐसा सिर्फ उन्हीं मामलों में करना होगा, जिसमें लिव इन पंजीकरण चाहने वाले जोड़ों के बीच में कोई पूर्व का रिश्ता हो और यह रिश्ता अनुसूची एक की प्रतिषिद्ध श्रेणी में आता हो। उन्होंने कहा कि सामान्य तौर पर उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता के अंतर्गत पंजीकरण में एक प्रतिशत से भी कम मामलों में इसकी जरूरत पड़ेगी। जिन समाज में प्रतिषिद्ध श्रेणी के रिश्तों में विवाह होता है, वे भी धर्म गुरुओं के प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य किसी के पंजीकरण को रोकने की जगह उसे पंजीकरण में सहायता प्रदान करना है।

तिहाड़ जेल में भूख हड़ताल पर बैठे सांसद इंजीनियर राशिद, एआईपी कार्यकर्ताओं का भी प्रदर्शन

बारामुला, 31 जनवरी (एजेंसियां)। सांसद इंजीनियर राशिद ने बीते दिन ऐलान किया था कि वह जेल के अंदर ही 31 जनवरी से भूख हड़ताल करने वाले हैं। उनकी नाराजगी इस बात पर है कि सांसद होने के नाते उन्हें संसद के बजट सत्र में शामिल होना चाहिए था, लेकिन ऐसा होने नहीं दिया जा रहा। इसको लेकर आवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) के कई कार्यकर्ताओं उनके समर्थन में एक दिवसीय भूख हड़ताल का ऐलान किया। इस बीच शुक्रवार (31 जनवरी) को एआईपी नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है। ये विधायक बारामुला सांसद और पार्टी प्रमुख शेख अब्दुल राशिद उर्फ इंजीनियर की रिहाई की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठने की कोशिश कर रहे थे। एआईपी कार्यकर्ता संगरमल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में इकट्ठा हुए थे। यहां उन्होंने शहर के लाल चौक इलाके में प्रताप पार्क के पास धरने के आवेदन दिया था, जिसे जिला अधिकारियों ने खारिज कर दिया था। इसके बाद उन्होंने भूख हड़ताल करने का फैसला किया था। नए स्थल पर इंतजार कर रहे पुलिसकर्मियों ने राशिद के बेटे अबरार सहित एआईपी कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। कार्यकर्ताओं को वाहनों में भरकर कोठीबाग पुलिस स्टेशन लाया गया। कार्यकर्ताओं को कस्टडी में लिए जाने से पहले लंगेट विधायक शेख खुर्शीद ने कहा कि उनके भाई को संसद सत्र में शामिल नहीं होने देना लोकतंत्र की हत्या है।

महिला डॉक्टर से सामूहिक दुष्कर्म मामले में चार आरोपियों को 20 साल की सजा

वेल्लूर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के वेल्लूर में महिला डॉक्टर से सामूहिक दुष्कर्म मामले में महिला कोर्ट ने चार आरोपियों को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 25 हजार रुपये जुर्माना लगाया है। 2022 में महिला डॉक्टर के साथ सामूहिक दुष्कर्म का यह मामला तमिलनाडु विधानसभा में भी उठा था। विपक्षी दलों ने अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। तमिलनाडु के वेल्लूर में 16 मार्च 2022 को महिला डॉक्टर अपने दोस्त के साथ फिल्म देखकर घर लौट रही थी। आधी रात का फिल्म खत्म होने के बाद दोनों थिएटर के बार ऑटो का इंतजार कर रहे थे। तभी एक ऑटो वाला आया। उसमें पहले से चार लोग बैठे थे। पीड़िता के मुताबिक उन्होंने ड्राइवर से अस्पताल की तरफ चलने को कहा, तो वह तैयार हो गया।

'मां-बेटी के रिश्तों को शर्मसार किया 15 साल की लड़की का छलका दर्द, पुलिस ने लिया एक्शन

मुंबई, 31 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई से मां-बेटी के रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक मां पिछले कई सालों से अपनी 15 साल की बेटी का दोस्त से रेप करवा कर रही थी। युवती की शिकायत पर केस दर्ज पर पुलिस ने आरोपी मां और उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। युवती ने बताया कि वीडियो कॉल पर कपड़े उतरवाने के लिए मां मजबूर करती थी। साथ ही किसी को बातने पर धमकी भी देती थी। मुंबई के निर्मल नगर इलाके में एक मां अपनी 15 साल की बेटी का दोस्त से रेप कराया। आरोपी मां बेटी से साल 2022 से 2025 के बीच दोस्त से कई बार रेप करवाया। पीड़ित ने पुलिस का बताया कि वह स्कूली छात्र है और अपने मां के साथ रहती थी। माता-पिता का तलाक हो चुका है। इसलिए पिता अलग रहते है। पीड़ित ने बताया कि मां ने अपने दोस्त से मेरे कई बार रेप कराया है।

पुलिस ने मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए पीड़िता की मेडिकल जांच कराई। जांच रिपोर्ट में सामने आया है कि बार-बार दुष्कर्म के कारण पीड़िता संक्रमण हो गया है। रिपोर्ट सामने आने के बाद आरोपी मां और उसके दोस्त के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। पुलिस का कहना है कि उन्होंने आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, पुलिस अब उस शख्स की तलाश कर रही है, जिसने नाबालिग युवती के साथ दुष्कर्म किया है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शंभू बॉर्डर पर एक और किसान की मौत:हॉर्ट अटैक आया डल्लेवाल की तबीयत भी बिगड़ी, अनशन का 66वां दिन

चंडीगढ़, 31 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब और हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन के बीच एक और किसान की मौत हो गई है। किसान की जान हॉर्ट अटैक आने से गई है। किसान का नाम प्रगट सिंह है जो अमृतसर के गांव कक्कड़ तहसील लोपोके का रहने वाला था। किसान 2 एकड़ जमीन का मालिक था। वह 2 बच्चों का पिता था। पंजाब और हरियाणा के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन-2 को 13 फरवरी को एक साल पूरा होने जा रहा है। ऐसे में दोनों मोर्चों पर किसानों की संख्या बढ़ाई जा रही है। साथ ही 11 फरवरी से 13 फरवरी तक होने वाली तीन किसान महापंचायतों को सफल बनाने के लिए किसान नेता पूरी रणनीति में जुटे हुए हैं। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का अनशन आज (शुक्रवार) 66वें दिन में प्रवेश कर गया है। हालांकि भूख हड़ताल के कारण डल्लेवाल का शरीर कमजोर हो गया है। इसके कारण उन्हें बुखार आ गया है, वह जरा सी भी हरकत बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं।

तीन प्वाइंटों से समझे किसानों की अगली स्ट्रेटजी

114 फरवरी को केंद्र सरकार ने चंडीगढ़ में किसानों के साथ बैठक करने का फैसला किया है। इससे पहले किसान बॉर्डर पर बड़ी संख्या में जुटकर यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि आंदोलन को भले ही एक साल हो गया है। लेकिन उनके हौसले अभी भी बुलंद हैं। साथ ही वे लंबी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं।

2 दूसरी बात यह कि किसान बिल्कुल भी आक्रामकता नहीं दिखा रहे हैं। वे बिल्कुल शांतिपूर्ण तरीके से मोर्चे पर डटे हुए हैं। वहीं, जिस तरह से डल्लेवाल का अनशन चल रहा है। उसने सरकार को सोचने पर मजबूर कर दिया है। डल्लेवाल ने खुद लोगों को संदेश भेजकर इस आंदोलन में शामिल होने को कहा है।

3 किसानों का फोकस इस आंदोलन को पंजाब से बाहर ले जाने पर है। ऐसे में अब हरियाणा और राजस्थान पर फोकस बढ़ा दिया गया है। इसी प्लानिंग के तहत पहले हरियाणा से किसानों के जत्थे लगातार खनौरी पहुंच रहे थे। वहीं, अब महापंचायत और ट्रैक्टर मार्च इसका हिस्सा हैं। क्योंकि जैसे ही दूसरे राज्यों के किसान इसमें शामिल हो जाएंगे, उसके बाद सरकार पर भी दबाव बनेगा।

एनआरआई कोटे की निरस्त सीट को नहीं किया दूसरी काउंसलिंग में शामिल, हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जबलपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। फर्जी तरीके से एनआरआई कोटे में प्रदेश के निवासरत छात्रों को आवंटित की गई सीट निरस्त कर दी गई थी। निरस्त की गई सीट को दूसरी काउंसलिंग में शामिल नहीं किये जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। याचिका की सुनवाई करते हुए जस्टिस संजीव सचदेवा तथा जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन को हमदस्त नोटिस जारी करते हुए 24 घंटे में जवाब मांगा है। याचिका पर अगली सुनवाई शुक्रवार 31 जनवरी को निर्धारित की गई है। भोपाल निवासी ख्याति शेखर की तरफ से दायर की गयी याचिका में कहा गया था कि पी जी मेडिकल के लिए प्रदेश में एनआरआई कोटे के तहत कुल 117 सीट है। एनआरआई कोटे के तहत कुल 84 सीट आवंटित की गई थी।

संभल हिंसा को लेकर पाकिस्तानी मौलाना से बात करने वाला युवक गिरफ्तार

संभल, 31 जनवरी (एजेंसियां)। संभल में शाही जामा मस्जिद की एएसआई सर्वे के दौरान वीडियो कॉल पर पाकिस्तानी मौलाना से बात करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। युवक का नाम मोहम्मद अकील है। युवक बहजोई थाना इलाके के ग्राम मिर्जापुर नूसरूलालापुर का रहने वाला है। संभल अपर पुलिस अधीक्षक शचंद्र ने बताया कि आरोपी का पाकिस्तान कनेक्शन को भी खंगाला जा रहा है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी बातचीत

जानकारी के अनुसार, संभल में शाही जामा मस्जिद की सर्वे के दौरान 24 नवंबर को जिस दिन हिंसा हुई थी। उस दिन मोहम्मद अकील ने एक पाकिस्तानी मौलाना से बात की थी। पाकिस्तानी मौलाना से बात करने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जांच के क्रम में संभल सदर कोतवाली पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया है। संभल पुलिस अकील की लंबे समय से तलाश कर रही था। अकील ने संभल हिंसा पर एक पाकिस्तानी मौलाना से सलाह मांगी थी। सोशल मीडिया पर दिखाए गए एक वीडियो में मोहम्मद अकील को पाकिस्तानी मौलाना के साथ बातचीत करते हुए देखा गया था। पुलिस के अनुसार, संभल के मूल निवासी अकील को कथित मौलाना से यह पूछते हुए देखा गया कि क्या नवंबर की हिंसा में मरने वालों को ₹शहीद₹ माना जाना चाहिए। अकील को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की दो टीमें गठित की गई थी।

24 नवंबर को संभल में स्थानीय शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का विरोध कर रहे लोगों और पुलिस के बीच टकराव में चार लोगों की मौत हो गई थी। इस दौरान कई लोग घायल भी हुए थे। इस घटना के सिलसिले में अब तक 70 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार किए गए लोगों में तहज़ीब, अज़हर अली, असद, दानिश, सुहैब, आलम, मोहम्मद दानिश, शाने आलम, बाकिर और मुल्ला अफ़रोज़ शामिल है।

हरियाणा पहुंचे 7 राज्यों के डीजीपी : हाई लेवल इंटर स्टेट की बैठक; गैंगस्टर, आतंकवाद, नशा तस्करी पर चर्चा

चंडीगढ़, 31 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर भारत में मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने तथा संगठित अपराध, गैंगस्टरों की गतिविधियों, आतंकवाद और अन्य आपराधिक चुनौतियों पर नजर रखने के लिए पंचकूला में उच्च स्तरीय अंतरराज्यीय बैठक शुरू हो गई है। बैठक में पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड, चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशकों के साथ-साथ नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और एनआईए के अधिकारी भाग ले रहे हैं। इस बैठक में अंतरराज्यीय नशा तस्करी और संगठित अपराध सहित आतंकवाद सम्बन्धित चुनौतियों से निपटने को लेकर सभी राज्यों के बीच में बेहतर तालमेल और समन्वय स्थापित करने संबंधी विषयों पर चर्चा की जा रही है। 2018 में तत्कालीन मुख्यमंत्रियों और पुलिस महानिदेशकों की बैठक के बाद ये कमेटी बनाई गई थी। पुलिस पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने बताया कि नशा तस्करी, अपराध नियंत्रण जैसे संवेदनशील और आतंकवाद संबंधित चुनौतियों से निपटने के लिए एक प्रभावी कार्ययोजना के तहत कार्य किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ बड़ा एक्शन, 27 घुसपैठियों को किया गया गिरफ्तार

एर्नाकुलम, 31 जनवरी (एजेंसियां)। देश के विभिन्न राज्यों में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ पुलिस का अभियान जारी है। इसी क्रम में केरल में बड़ी संख्या में अवैध बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया गया है। केरल पुलिस ने शुक्रवार को बताया है कि एर्नाकुलम ग्रामीण पुलिस और आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने एर्नाकुलम जिले के उत्तरी परवूर क्षेत्र से 27 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये बांग्लादेशी कोच्चि में अवैध रूप से रहकर काम कर रहे थे। केरल पुलिस के अधिकारी की ओर से दी गई जानकारी दी गई है कि गिरफ्तार किए गए अवैध बांग्लादेशी नागरिक खुद को पश्चिम बंगाल के प्रवासी श्रमिक बताकर अनेक जगहों पर काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया है कि दो हफ्ते पहले तस्लीमा बेगम नाम की 28 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया गया था। उसके बाद पुलिस द्वारा ऑपरेशन क्लीन नाम का विशेष अभियान शुरू किया गया। इस अभियान के तहत ये गिरफ्तारियां की गई हैं। दरअसल, पुलिस को उत्तरी परवूर में बांग्लादेशी नागरिकों के रहने की खबर मिली थी। इसके बाद एर्नाकुलम ग्रामीण पुलिस की एक टीम ने एटीएस की मदद से तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने जब दस्तावेजों की जांच की तो मालूम चला की ये लोग बांग्लादेशी नागरिक हैं और अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। ये खुद को भारतीय नागरिक बता रहे थे। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार लोगों से विस्तृत पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने जानकारी दी है कि पकड़े गए अवैध बांग्लादेशी, भारत के पश्चिम बंगाल से सीमा पार कर आए थे। इन्होंने कोच्चि आने से पहले एजेंटों की मदद से आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेज हासिल कर लिए थे।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 1 फरवरी - 2025

सफेद झूठ था ट्रूडो का बयान

आखिरकार कनाडाई आयोग की रिपोर्ट ने पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो झूठ को दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया। हाल ही में आई कनाडाई रिपोर्ट ने यह साफ कर दिया गया कि कनाडा में जून 2023 में हुई खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में विदेशी हाथ का कोई सबूत नहीं था। जाहिर है, इसके बाद कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो कहीं मुंह दिखाने के काबिल भी नहीं रहे हैं और उल्टे झूठ बोलने के आरोप में मुंह के बल गिरते चले जा रहे हैं। जस्टिन ट्रूडो ने प्रधानमंत्री के रूप में जब अपने देश की संसद में यह आरोप लगाया था, तब भी उनके उस कृत्य को गैरजिम्मेदाराना माना गया था। भारत ने भी तुरंत ही अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उनके आरोपों को बेतुका बताया था। इसके साथ ही भारत ने उनसे सबूत मांगे थे जो वह कभी दे नहीं पाए। और अब उनके ही देश के आयोग की रिपोर्ट बताती है कि उनका वह बयान सफेद झूठ पर आधारित था। जस्टिन ट्रूडो के झूठे आरोपों का असर यह हुआ कि उसके बाद स्वाभाविक ही दोनों देशों के रिश्तों में काफी हद तक खटास आ गई। तब भारत ने ट्रूडो के बयानों को राजनीति से प्रेरित बताया था। भारत विरोधी कडे रुख से उन्हें उम्मीद थी कि घरेलू राजनीति में उनका दबदबा बढ़ेगा लेकिन हो गया उल्टा। उनका आरोप उनकी कोई खास मदद नहीं कर सका। आखिर उन्हें अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा करनी पड़ी। अब वे तब तक के लिए कार्यवाहक पीएम हैं जब तक कि कोई नया नेता नहीं चुन लिया जाता। अब जब निज्जर हत्याकांड से जुड़े कनाडा के आरोप पूरी तरह खारिज हो चुके हैं, तब भारत विरोधी तत्वों को खुली छूट देने के मसले पर नए सिरे से बात होने की संभावना व्यक्त की जाने लगी है। भारत पहले से कहता रहा है कि कनाडा और अन्य यूरोपीय देशों में अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर अलगाववादी तत्व जिस तरह की भारत विरोधी गतिविधियां खुलेआम चला रहे हैं, उन पर प्रभावी रोक लगाने की जिम्मेदारी उन देशों की है। कनाडा सरकार को तो उस पर काम करना ही चाहिए, अन्य देशों को भी इस पहलू पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। बता दें कि कनाडा में इसी साल चुनाव होने वाले हैं, इसलिए, दोनों देशों के पास मौका है कि अतीत की गलतियों को पीछे छोड़ते हुए रिश्तों को पटरी पर लाने की नए सिरे से कोशिश करनी चाहिए। अगर कनाडा सरकार अपनी भूल समझते हुए अहम मसलों पर अपने रुख में पॉजिटिव बदलाव लाती है तो द्विपक्षीय रिश्तों को बेहतर भविष्य देना मुश्किल नहीं होगा। निश्चित तौर पर यह दोनों देशों और उनके नागरिकों के लिए काफी मुफीद भी होगा।

डीपसिक चैटबॉट ऐप का फायदा भी और खतरा भी !

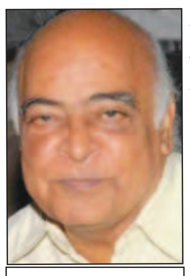

अशोक भाटिया

डीपसिक, एक चैटबॉट ऐप, कुछ ही दिनों में संयुक्त राज्य अमेरिका में लाखों डाउनलोड किया गया था, और एकमात्र चर्चा यह थी कि क्या यह एक संयोग था कि यह उस दिन हुआ था जब डोनाल्ड ट्रम्प ने संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभाला था। वास्तव में एक डिप्सिक क्या है? उसे इतना गलत क्यों लिखा जा रहा है? कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विशेष रूप से अमेरिकी दिग्गजों के पेट में गांठ क्यों है? हजारों लोगों को करोड़ों रुपये का नुकसान कैसे हुआ? निकट भविष्य में और क्या होने वाला है? अगर हम यह सब नहीं जानते हैं, तो हमें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ChatgPT, Google, Meta और अरबों डॉलर जैसे दिग्गजों को विकसित करने में लगने वाली तकनीक को चीनी डीपसिक ने कड़ी टक्कर दी है। कुछ ही महीनों में और छह मिलियन डॉलर के निवेश के साथ, डीपसिक दुनिया भर में मुफ्त में उपलब्ध हो गया है। दुनिया भर में पैसा बनाने के व्यवसाय को खोलने वाली तकनीक के स्वामित्व ने उनके सिर को घुटनों पर ला दिया है। दिग्गजों को भी एक ही दिन में करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। हम यहां से कैसे आगे बढ़ें? इस सवाल और विचार ने उसका सिर घुमा दिया है। क्या डिप्सिक एक चमत्कार नहीं है? यह बात लगातार उनके दिमाग में आ रही है। केवल डेढ़ साल में, एक युवा चीनी उद्यमी ने दीपसीक को जन्म देकर एक विश्व तूफान खड़ा कर दिया है, जिसे लियांग वेनफेंग कहा जाता है। डीपसेक ने एक ऐसा कारनामा किया है जिस पर दशकों से शोध किया गया है, अरबों निवेश, सैकड़ों शोधकर्ता और कुशल श्रमिक चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। डीपसिक अमेरिकियों ने जल्दी से अपने मोबाइल फोन पर कब्जा कर लिया है और एक विश्व रिकॉर्ड बनाया है। स्वाभाविक रूप से, Google, Open AI और Meta के शेयर गिर गए। कुछ ही घंटों में इन कंपनियों को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ। जैसे ही यह खबर दुनिया भर में फैलती है, भारत सहित अन्य देश भी डाउनलोड हो रहे हैं। डीपसिक की आंधी यहीं नहीं रुकेगी, बल्कि आने वाले दिनों में इसकी मार ऊपर बताई गई तीन कंपनियों समेत अन्य उद्योगों पर भी पड़ेगी। यह चैटबॉट्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ दुनिया भर में मनमाने ढंग से पैसा बनाने का विचार है, क्योंकि यह मुफ्त में उपलब्ध है, और आने वाले दिनों में, यह मामूली हो सकता है, या यह एक बार की आदत हो सकती है और फिर धीरे-धीरे पैसा कमा सकती है। चीन संयुक्त राज्य अमेरिका का एकमात्र वास्तविक प्रतियोगी है, इसलिए यह अत्यधिक संभावना है कि ट्रम्प उसे सबक सिखाने के लिए और संयुक्त राज्य अमेरिका के हित में बहुत कठिन निर्णय लेंगे; हालांकि, इससे पहले कि ट्रम्प कोई निर्णय ले पाते, डीप्रेसिक ने अमेरिकी कंपनियों पर एक अप्रत्याशित हमला किया है, विशेषज्ञों का कहना है, एक बहुत ही चतुर चाल। डीपसेक चीनी प्रतिष्ठान द्वारा समर्थित है और अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र पर हावी होने के उद्देश्य से एक पूर्व नियोजित चाल के रूप में जांच की जा रही है। यह है। इस तकनीक में कई क्षेत्रों में क्रांति लाने की क्षमता है। आपको यह बताने के लिए किसी ज्योतिषी या विशेषज्ञ की आवश्यकता नहीं है कि यदि आप इस पर हावी हैं, तो पूरी दुनिया नियंत्रण में है। डीपसिक ने अमेरिका के लिए व्यापार युद्ध के बजाय इस प्रकार की तकनीक का लाभ उठाने का मार्ग प्रशस्त किया है। ट्रम्प ने भी डीआईपीसिक पर गंभीरता से ध्यान दिया है। अमेरिकी कंपनियों के नुकसान पर भी उन्हें पसीना बहाना पड़ा होगा। क्योंकि वे खुद उद्यमी हैं! चीन ने इसे कैसे हासिल किया? यह जानने के लिए आज तक के इतिहास पर नजर डालनी होगी। चीन के बाहर जो भी आधुनिक तकनीक या उत्पाद विकसित हुआ है और जिसका पेटेंट कराया गया है, उसका उत्पादन चीन में कम समय में किया जा रहा है, क्योंकि चीनी सरकार ने शोध के साथ नकल करने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित किया है। प्रौद्योगिकी का विकास, बिक्री और प्रसार किया गया है। निकट या भविष्य में दुनिया में क्या उपयोग होने वाला है? सबसे अधिक मांग के बाद क्या होगा? चीन ऐसे सभी उत्पादों और तकनीकों के मामले में बहुत आक्रामक है। डीपसेक के अवसर पर, दुनिया भर में अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) क्षेत्र पर एक नज़र डालना आवश्यक है। बुनियादी अनुसंधान पर संयुक्त राज्य अमेरिका का खर्च सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.8% है। दक्षिण कोरिया का व्यय 4.2% और चीन का 2.8 % है। इसकी तुलना में, पिछले 1.25 दशकों में अनुसंधान पर भारत का खर्च तेजी से घट रहा है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि 2020 में यह गिरकर 0.64 प्रतिशत हो गया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए वैश्विक बाजार अगले पांच वर्षों में 825 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। दूसरे शब्दों में, यह एक संख्या है कि जो कोई भी इस क्षेत्र पर हावी है वह दुनिया पर शासन कर सकता है। चीन संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, ताइवान के अर्धचालक और चिप उद्योगों का समर्थन करने की तैयारी कर रहा है। चीन ने विश्व अर्थव्यवस्था की नब्ज को पहचान लिया है। यह उनका स्मार्ट और दूरदर्शी है। यह उनका स्मार्ट और दूरदर्शी है। यह शक्तिशाली संयुक्त राज्य अमेरिका और उद्योग, रक्षा, प्रौद्योगिकी के लिए ऋणदाता है, यह ड्रेगन के लिए एक आकर्षण है जो व्यापार और सेवाओं के सभी क्षेत्रों में उन्नत हैं, और हमें सही सबक सीखना चाहिए। जब अमेरिका, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देश अनुसंधान पर भारी खर्च कर रहे हैं, तो भारत के लिए इसे बर्बाद करना कितना उचित है? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित नई तकनीकों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण शोध की आवश्यकता है, क्योंकि यहां से आगे की अवधि उनकी है। फिर भी, भारत में निराशाजनक माहौल एक विकसित भारत की प्रगति में बाधा बन रहा है। सत्ता पक्ष की तो बात ही छोड़िए, विपक्ष इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर बात नहीं कर रहा है। आपको विज्ञान आधारित मार्ग के बारे में सोचना होगा। इस वर्ष के बजट में अनुसंधान के लिए उचित प्रावधान करने की आवश्यकता है। इसी बल पर भारत की प्रतिभा वास्तव में देश के लिए उपयोगी होगी। अन्यथा, यह प्रतिभा प्रतिभा पलायन के माध्यम से विदेशी स्वामित्व में आ जाएगी। अगले डेढ़ दशक में अप्रत्याशित प्रगति करने के लिए, भारत सरकार को अनुसंधान के कर्तव्य पथ को समृद्ध करना चाहिए।

ध्यान देने वाली बात यह भी है की इस चैटबॉट की सफलता के साथ डेटा सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल भी उठ रहे हैं। विशेषज्ञों ने डीपसिक के के इस्तेमाल को लेकर सतर्कता बरतने की सलाह दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह एप चीन का है, जिससे उपयोगकर्ताओं की निजी जानकारी लीक होने का खतरा है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने चेतावनी दी है कि उपयोगकर्ताओं को इस चैटबॉट पर संवेदनशील जानकारी साझा न करें। उन्होंने कहा कि यह ठीक है कि आप इससे सामान्य सवाल पूछें, जैसे फुटबॉल मैच या इतिहास से जुड़े सवाल लेकिन व्यक्तिगत या गोपनीय जानकारी साझा करना आपको खतरे में डाल सकता है। संयुक्त राष्ट्र की एआई सलाहकार ने भी डीपसिक के खतरों को उजागर किया है। उनका कहना था कि चीनी टेक कंपनियां सरकार के नियमों का पालन करने के लिए बाध्य हैं, जिससे उपयोगकर्ताओं के डेटा की सुरक्षा पर सवाल उठते हैं। विशेषज्ञों को चिंता है कि इसका इस्तेमाल चीन द्वारा निगरानी और दुष्प्रचार अभियानों के लिए किया जा सकता है। ब्रिटेन के टेक्नोलॉजी सेक्रेटरी ने डीपसिक में सेंसरशिप का मुद्दा उठाया और कहा कि यह अन्य एआई मॉडल्स की तुलना में कम स्वतंत्र है। उन्होंने उपयोगकर्ताओं को चेताया कि उन्हें इसे डाउनलोड करने से पहले सतर्क रहना चाहिए, इसे पूरी तरह से परखा नहीं गया है। ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियां भी इसकी जांच कर रही हैं। इन चिंताओं के बीच विशेषज्ञों का मानना है कि उपयोगकर्ताओं को इस एआई चैटबॉट का इस्तेमाल करते समय सतर्क रहना चाहिए और इससे व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें।

सामाजिक नैतिकता को दीमक सरीखा चाट रहा एकल परिवार

प्रियंका सौरभ

एकल परिवारों के बढ़ते प्रभाव ने, जिसमें माता-पिता और बच्चों के छोटे परिवार शामिल हैं, अपने स्वयं के परिवार के समूह को काफ़ी प्रेरित किया है, विशेष रूप से मूल्यों को विकसित करने में इसके पारंपरिक कार्य को। शहरीकरण, वित्तीय दबावों और व्यक्तिवादी जीवन शैली के माध्यम से प्रेरित इस बदलाव ने मूल्यों को हस्तांतरित करने के तरीके को बदल दिया है। जबकि एकल परिवार स्वतंत्रता और निजी विकास की अनुमति देते हैं, इसके अलावा उन्हें सांस्कृतिक, नैतिक और नैतिक मूल्यों को प्रसारित करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो पहले विस्तारित स्वयं के परिवार के ढांचे के माध्यम से मज़बूत होते थे। मूल्यों को विकसित करने के लिए एक संस्था के रूप में परिवार पर प्रभाव मूल्य संचरण में विस्तारित परिवार की भूमिका कम हो गई है। पारंपरिक संयुक्त परिवारों में, दादा-दादी, चाचा और चाची ने कहानी सुनाने, सलाह देने और बड़ों के लिए पहचान और नेटवर्क भावना जैसे सामूहिक मूल्यों को लागू करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। एकल परिवारों के साथ, यह अंतर-पीढ़ीगत सम्बंध कमजोर हो गया है, जिससे बच्चों के विभिन्न दृष्टिकोणों के संपर्क में आने पर रोक लग गई है। कन्फ्यूशियस ने सद्गुण की पहली क्षमता के रूप में अपने परिवार के सदस्यों पर ज़ोर दिया। बहु-पीढ़ीगत जीवन की गिरावट भी इस नैतिक शिक्षा को कमजोर कर सकती है। एकल परिवारों में, माता-पिता मूल्यों की आपूर्ति का पूरा बोझ उठाते हैं, नियमित रूप से पेशेवर प्रतिबद्धताओं के साथ इसे जोड़ते हैं। इससे समय की कमी या तनाव के कारण कमी आ सकती है। शहरी एकल परिवार सहानुभूति या धैर्य की कोचिंग पर शैक्षिक पूर्ति को प्राथमिकता दे सकते हैं, जिससे बच्चों में व्यक्तिवादी दृष्टिकोण पैदा होता है। एकल परिवार स्वायत्तता, निर्णय लेने और व्यक्तिगत जिम्मेदारी जैसे मूल्यों को बढ़ावा देते हैं, जो वर्तमान सामाजिक मांगों के साथ संरेखित होते हैं। जॉन स्टुअर्ट मिल ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को व्यक्तिगत और सामाजिक प्रगति के लिए आवश्यक गुणों के रूप में महत्त्व दिया, जिसे एकल परिवार प्रभावी रूप से बेचते हैं। एकल परिवार अक्सर अपने परिवार की ज़रूरतों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे निस्संदेह सामूहिक मूल्यों जैसे कि साझा करना, त्याग करना और आपसी सहायता के प्रति जागरूकता कम हो जाती है, जो संयुक्त परिवार व्यवस्था के लिए आवश्यक थे। त्यौहार, जो कभी संयुक्त परिवारों में नेटवर्क और सांस्कृतिक बंधन को मज़बूत करते थे, अब एकांत में मनाए जाने लगे हैं। जबकि पारंपरिक व्यवस्थाएँ कमजोर होती जा रही हैं, एकल परिवार शिक्षा के लिए स्कूलों, साथियों के समूहों और आभासी प्रणालियों पर अधिक से अधिक निर्भर होते जा रहे हैं। हालाँकि, निजी सलाह की कमी से नैतिक विकास में भी कमी आ सकती है। एकल परिवारों में, एक से अधिक पदों के मॉडल की अनुपस्थिति बच्चों की कई गुणों को देखने और उनका अध्ययन करने की क्षमता को भी सीमित कर सकती है। एकल परिवारों के बढ़ते ज़ोर ने मूल्यों को विकसित करने में परिवार की स्थिति को नया रूप दिया है। स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए, यह अक्सर विस्तारित परिवारों द्वारा प्रदान की गई सामूहिक जानकारी और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति जागरूकता को कम करता है। इस अंतर को पाटने के लिए, एकल परिवारों को सुखद पालन-पोषण, नेटवर्क कनेक्शन को बढ़ावा देने और जिम्मेदारी से आधुनिक उपकरणों का लाभ उठाने पर ज़ोर देते हुए सचेत रूप से अनुकूलन करना चाहिए। जैसा कि कन्फ्यूशियस ने कहा, राज्य की ऊर्जा घर की अखंडता से प्राप्त होती है, इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि परिवार, चाहे किसी भी संरचना में हों, नैतिक नागरिकों को आकार देने के लिए मूल्यवान बने रहते हैं। एकल परिवार-परिवार प्राइमेट मानव समाज की एक जैविक घटना है। यह मानव विकास के विकासवादी संग्रह में एक अनुकूली रूप नहीं है और न ही आर्थिक समाज की एक उपयोगी चीज है। बल्कि यह मानव समय और सामाजिक स्थान में लगभग प्रथागत है। इसका केंद्रक पति-पत्नी और माता-पिता-बच्चों की एक इकाई है। इसका सामान्य रूप अक्सर मृत्यु या परित्याग या संतान की हानि के कारण ग़लत हो जाता है, लेकिन इसका मॉडल रूप अधिकतम स्थिर होता है। सभी परिस्थितियों में परिवार के भीतर पति या पत्नी के बुज़ुर्ग माता-पिता और कभी-कभी अतिरिक्त दूरस्थ परिवार होने की प्रवृत्ति होती है, हालांकि वे अर्ध-बाहरी कारक किसी अन्य कारण से नहीं बल्कि आवश्यकता और पितृभक्ति से अधिक होते हैं। अलग-अलग सामाजिक परिस्थितियों में एकल परिवार कुलों, जातियों, गांवों और सार्वजनिक विनियमन के माध्यम से विभिन्न तरीकों का उपयोग करके बाहरी समाज में एकजुट होते हैं। पश्चिमी समाज में परमाणु इकाई नैतिक प्रबंधन के लिए आध्यात्मिक नौकरशाही और शासन उद्देश्यों के लिए नागरिक विनियमन के लिए अधिक से अधिक कठिनाई बन गई है। रिश्तेदारों ने, प्रियजनों के अलावा, शक्ति खो दी है। इसने अपने स्वयं के परिवार को अत्यधिक नैतिकता के अपने पूर्व राज्य की तुलना में अधिक तथ्यात्मक बना दिया है। परिणामस्वरूप परमाणु परिवार कमजोर हो गया है क्योंकि यह काफ़ी हद तक धर्म का संगठन है और अब मुकदमेबाजी और सार्वजनिक विनियमन की सहायता से बहुत अधिक नियंत्रणीय नहीं है। इसलिए यह पश्चिमी देशों में ठीक से नहीं चल रहा है, जिससे मौलिक प्राइमेट मूल्यों को आम तौर पर नुक़सान होता है। यह परिवार निगमों के सुधार की ओर ले जाता है जो सहज नैतिक दबावों को फिर से तस्वीर में लाते हैं। परमाणु परिवार के परिवार का भाग्य, जिसे यहाँ प्रतिक्रांति कहा जाता है, संभवतः अगली पीढ़ी में रिश्तेदारों की सहायता से बढ़ती सहायता में से एक होगा।सामाजिक ढांचे में इतना अधिक परिवर्तन आ चुका है कि अब लिव इन रिलेशनशिप और वैवाहिक मामलों में थोड़ा बहुत ही अंतर रह गया होगा जिसके परिणामस्वरूप महिलाएं और पुरुष वैवाहिक संबंधों में रुचि ना लेकर एकल रहने को वरीयता देने लगे हैं। गलती इसमें किसी भी परिजन कि ना होकर पश्चिमी मूल्यों को तरजीह दिए जाने की है। हम हिन्दुस्तानी अब ज़िम्मेदारियों को निभाने की तुलना में उस से अलग हो जाना बेहतर समझने लगे हैं। अब पश्चिम में अपने ही परिवार के लोग कई पीढ़ियों के छोटे अंतराल पर चक्रीय रूप से स्थानांतरित होने की प्रवृत्ति रखते हैं। 55, 000 परिवारों का एक अध्ययन इस सुझाए गए उलटफेर को दर्शाता है।

ग्राम पंचायत का फैसला और मृत्युभोज

अमरपाल सिंह वर्मा

पंजाब के बठिंडा जिले की एक ग्राम पंचायत ने किसी की मृत्यु के उपरांत अंतिम अरदास के मौके पर आयोजित किए जाने वाले भोग कार्यक्रम में जलेबी-पकौड़े जैसे पकवान बनाने पर रोक लगाने का निर्णय किया है। रामपुरा फूल के निकट ढिक्ख गांव की पंचायत ने हाल में यह कदम फिजूलखर्ची को रोकने और शोक रस्मों में सादगी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया है। पंचायत ने आदेश दिया है कि इस नियम का उल्लंघन करने वालों पर 21,000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। जुर्माने की रकम गांव के बुनियादी ढांचे की मरम्मत और जरूरतमंद परिवारों की सहायता में खर्च की जाएगी। इस पंचायत का यह फैसला न केवल प्रशंसनीय है बल्कि यह सामाजिक सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी कही जा सकती है। यह निर्णय समाज में व्याप्त उस परंपरा पर सवाल उठाता है, जो मृत व्यक्ति की आत्मिक शांति के नाम पर मृत्युभोज पर भारी-भरकम खर्च करा कर परिवार को आर्थिक और मानसिक रूप से तोड़ देती है। इस पंचायत ने भी इस बात पर जोर दिया कि शोक रस्मों में दिखावे और फिजूलखर्ची से परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ता है। मृत्युभोज एक प्रथा है जो भारत के विभिन्न हिस्सों में प्राचीन समय से चली आ रही है। इसमें शोक संतप्त परिवार को मृत्यु के बारहवें, तेरहवें दिन या अन्य अवसरों पर सैकड़ों और कभी-कभी तो हजारों लोगों को भोज देने के लिए मजबूर किया जाता है। इस प्रक्रिया में लाखों रुपये खर्च हो जाते हैं। कई बार गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार इस परंपरा को निभाने के लिए कर्ज लेने को मजबूर हो जाते हैं। पंजाब में किसी समय मृतक की अंतिम अरदास के समय रिश्तेदारों, निकट संबंधियों के लिए सादे भोजन का प्रबंध किया जाता था लेकिन हाल के सालों में इसने भव्य रूप ले लिया है। अंतिम अरदास के समय स्टॉलों पर विभिन्न प्रकार के भोजन सजे देखकर यह तय कर पाना मुश्किल हो जाता है कि हम किसी की अंतिम अरदास में शामिल होने आए हैं या फिर किसी शादी की रौनक बढ़ाने? हमारे समाज में मृत्युभोज एक ऐसी सामाजिक बुराई है जिसका सबसे बड़ा नकारात्मक प्रभाव आर्थिक स्तर पर पड़ता है। एक ओर जहां मृतक का परिवार अपने प्रियजन को खोने के गम से जूझ रहा होता है, वहीं दूसरी ओर उन्हें समाज के दबाव में आकर भारी खर्च उठाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। आजकल 'अपनी हैसियत का बखान' करने के लिए भी मृत्युभोज पर भारी-भरकम खर्च किया जाने लगा है। पंजाब में समय-समय पर रिश्तेदारी में अंतिम अरदास में शामिल होने के लिए जाना होता है तो गुरुद्वारों में लोगों को पंक्तिबद्ध होकर लंगर छकने के बजाय 'स्टैंडिंग लंच' करते देख मन को गहन पीड़ा पहुंचती है। धनवान लोग अपनी अमीरी का बखान करने के लिए लाखों रुपये खर्च कर देते हैं लेकिन कई बार ऐसे लोगों को भी मृत्युभोज पर हैसियत से अधिक पैसा खर्च करना पड़ता है, जो इसके लिए समर्थ नहीं है। इस वजह से न केवल ऐसा परिवार को कर्ज के जाल में फंसता है, बल्कि उनकी भविष्य की योजनाएं भी इस कारण गड़बड़ा जाती हैं । अंतिम अरदास के लिए आयोजित भोग में भव्य खानपान पर लाखों का खर्च सामाजिक असमानता को भी बढ़ावा दे रहा है। अमीर परिवार इसे शान-शौकत के लिए खर्च करते हैं, जबकि गरीब परिवार इसे अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार निभाने का प्रयास करते हैं। नतीजतन, समाज में प्रतिस्पर्धा और दिखावे की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इस हालात में ढिक्ख गांव ग्राम पंचायत का यह निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सामाजिक सुधार की दिशा में एक मजबूत संदेश देता है। इस प्रकार के फैसले से गांव के उन परिवारों को राहत मिलेगी जो मृत्युभोज के भारी खर्च का बोझ नहीं उठा सकते। आज एक गांव ने इस तरह की सकारात्मक पहल की है। कल इससे अन्य गांव भी प्रेरणा लेंगे। ढिक्ख गांव ने इस रोक के माध्यम से समाज को यह संदेश दिया है कि शोक संतप्त परिवारों पर अनावश्यक दबाव डालना न केवल गलत है, बल्कि इसका प्रतिकार भी किया जाना चाहिए।

जब घरों में गंदगी बनी गर्व का प्रतीक

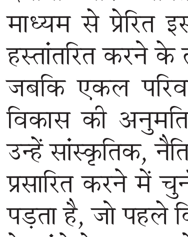

डॉ. सुरेश मिश्रा

भारत में सरकारी योजनाओं की कोई कमी नहीं है। हर बार चुनावों के पहले और बाद में, नये-नये जुमले और योजनाएँ सामने आती हैं। ऐसे में, यह कहानी एक ऐसी योजना के इर्द-गिर्द घूमती है, जो वाकई में सबको चौंका देती है। एक दिन, एक मंत्री जी अपनी टीम के साथ बैठक कर रहे थे। उनके सामने एक बड़ा मुद्दा था—स्वच्छता। सब लोग सोच रहे थे कि कैसे गंदगी को दूर किया जाए। तभी एक नए सलाहकार ने कहा, सर, हम क्यों न एक नई योजना बनाएं—'हर घर में कचरा'। मंत्री जी ने उसे अजीब नजरों से देखा, क्या तुम पागल हो गए हो? हम कचरा फैलाना नहीं, साफ करना चाहते हैं। सलाहकार ने मुस्कुराते हुए कहा, नहीं सर, आप समझ नहीं रहे। इससे हम सबकी जिम्मेदारी बढ़ा देंगे। अगर हर घर में कचरा होगा, तो लोग उसे साफ करने के लिए प्रेरित होंगे। सब लोग एक-दूसरे की ओर देखने लगे। यह विचार अजीब था, लेकिन कुछ ने सोचा, चलो, इसे एक बार आजमाते हैं।जल्द ही, हर घर में कचरा योजना का जोरदार प्रचार किया गया। टीवी पर विज्ञापन आने लगे। आपका घर भी कचरा रखने का हकदार है!—इस तरह के नारे सुनाई देने लगे। लोग हंसते और मजाक उड़ाते, लेकिन मंत्री जी का मानना था कि यह योजना कामयाब होगी। लोगों को कचरा रखने के लिए विशेष डस्टबिन दिए जाने लगे, जिन पर बड़े-बड़े स्लोगन लिखे थे—यहाँ कचरा डालें, फिर स्वच्छता का जश्न मनाएँ! पहली बार ऐसा हुआ था कि कचरे को कचरा नहीं, बल्कि एक उपलब्धि मानने का प्रयास किया गया। इसके बाद, पूरे देश में 'कचरा जन जागरूकता कार्यक्रम' शुरू किया गया। हर गाँव, हर शहर में रैलियाँ आयोजित की गईं। कचरा फेंकने वालों को शाबाशी दी गई, और जो लोग अपने घरों में कचरा नहीं रखते थे, उन्हें समझाया गया कि वे सरकार के इस महान प्रयास का हिस्सा नहीं बन रहे। कुछ अजीब दृश्य देखने को मिले—लोग कचरे के साथ सेल्फी ले रहे थे। बच्चे कचरे से खेल रहे थे और बड़े लोग कचरा जमा करने की प्रतियोगिता कर रहे थे। हर कोई सोच रहा था कि यह एक नई संस्कृति की शुरुआत है। सरकार ने इसे अपनी बड़ी सफलता करार दिया। मंत्री जी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई और कहा, भाईयों और बहनों, इस योजना ने हमें नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। अब हर घर में कचरा है, और इससे हमारी स्वच्छता भी बढ़ी है। उन्होंने आँकड़े पेश किए—कचरा जमा करने की दर 100% तक पहुँच गई है! सब लोग तालियाँ बजाने लगे। लेकिन पत्रकारों ने पूछा, मंत्री जी, लेकिन कचरा तो अब भी सड़कों पर है। मंत्री जी ने कहा, कचरा तो हर जगह होगा, पर लोग अब इसे अपने घर में रखेंगे, तो सड़कें साफ होंगी। विपक्ष ने इस योजना का मजाक उड़ाना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, सरकार ने हमें कचरा एकत्रित करने का ठेका दे दिया है।

घातक है पानी में जहर की राजनीति

डॉ.वेदप्रकाश

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल आरोपजीवी राजनेता हैं। शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब वे स्वयं अथवा उनकी पार्टी के बड़े नेता प्रेस कांफ्रेंस न करते हों। उनके पास दूसरों पर आरोपों की एक लंबी सूची है। सर्वविदित है कि राजनीति में अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी की पहचान फ्री संस्कृति को बढ़ावा देने वाले, कभी एलजी पर तो कभी केंद्र सरकार पर आरोप लगाने वाले, ख्याली पुलाव बनाने वाले, बड़े-बड़े सपने दिखाने वाले के रूप में रही है। यह भी सर्वविदित है कि समाजसेवी अन्ना हजारे के संघर्ष का लाभ उठाते हुए आम आदमी पार्टी अस्तित्व में आई। भ्रष्टाचार खत्म करेंगे,साफ सुथरी राजनीति करेंगे, दिल्ली को स्वीटजरलैंड बनाएंगे, दिल्ली की शिक्षा का मॉडल अच्छा बनाएगे, कूड़े के पहाड़ को खत्म कर देंगे, पूरी दिल्ली को फ्री वाई-फाई देंगे, हर घर में 24 घंटे पानी, यमुना की सफाई और विश्व स्तरीय सड़कें आदि नारों के सहारे वे दिल्ली की राजनीति में जम गए लेकिन राजनीति का अनुभव न होने से और विकास की समुचित दिशा व दृष्टि न होने से दिल्ली में मुफ्त और केवल मुफ्त की संस्कृति से अनेक प्रकार की समस्याएं खड़ी होती चली गई। जनकल्याण के अनेक आवश्यक काम ऐसे ही पड़े रहे। जब कभी उनकी चर्चा भी हुई तो स्वयं अरविंद केजरीवाल दिल्ली के एलजी पर अथवा केंद्र सरकार पर पैसा न देने का आरोप लगाकर पल्ला झाड़ते रहे हैं। हाल ही में आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में जल संकट की स्थिति पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार जान बूझ कर दिल्ली में जहरीला पानी भेज रही है। उन्होंने इसे नरसंहार की साजिश करार दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता भाजपा को वोट नहीं दे रही है इसलिए हरियाणा की भाजपा सरकार उन्हें जहर मिला पानी पिलाकर मारना चाहती है। हरियाणा की भाजपा की सरकार ने दिल्ली वालों की पानी की आपूर्ति को बाधित करने के लिए हरियाणा से अपनी फैक्ट्रियों का सारा प्रदूषण डीडी 8 से यमुना नदी में छोड़ना शुरू कर दिया है। इससे दिल्ली के 30 प्रतिशत लोगों को पीने का पानी नहीं मिलेगा। इस आरोप के जवाब में दिल्ली जल बोर्ड की सीईओ शिल्पा शिंदे ने आप नेताओं के आरोपों को भ्रामक बताया है। साथ ही हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज एक बार फिर साबित किया कि घटिया और झूठ की राजनीति करने के मामले में उनका कोई सानी नहीं है। उन्होंने हरियाणा पर जो बेबुनियाद, शर्मनाक, मनगढ़ंत और झूठे आरोप लगाए हैं, उनको लेकर हम चुनाव आयोग को शिकायत करेंगे और मानहानि का मामला दर्ज करेंगे। आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला जारी है। चुनाव आयोग ने भी अरविंद केजरीवाल से यमुना के पानी में जहर घोलने का आरोप प्रमाणित करने को कहा है। ध्यातव्य है कि यमुना लंबे समय से प्रदूषण की शिकार है। दिल्ली में वह दम तोड़ रही है। दिल्ली में यमुना के बहाव क्षेत्र में जैव संपदा पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। कई बड़े नालों के अतिरिक्त यमुना के बहाव क्षेत्र में छोटे-बड़े कई दर्जन नाले प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सीधे गिर रहे हैं। सीवेज ट्रीटमेंट के नाम पर आईटीओ, ओखला और कौंडली आदि में जो संयंत्र लगे हैं वह आधे अधूरे हैं। दिल्ली की अनेक औद्योगिक इकाइयों का कचरा सीधे यमुना में जा रहा है। यमुना एक्शन प्लान के अंतर्गत यमुना की प्रदूषण मुक्ति हेतु जो योजनाएं बननी चाहिए थी, वे नहीं बन पाई हैं। यमुना जल में ऑक्सीजन की कमी और अनेक प्रदूषकों के साथ-साथ अमोनिया की बढ़ोतरी पिछले लंबे समय से जारी है। यमुना से गाद निकालने का मामला और यमुना से जुड़े नालों की सफाई का मामला एवं सीवरेज शोधन संयंत्रों के लगाने का मामला भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है। दिल्ली में लगभग 35 स्थानों पर सीवरेज शोधन संयंत्र लगने थे लेकिन भ्रष्टाचार के कारण वह प्रक्रिया न हो सकी। यह भी ध्यान रहे कि न तो यमुना में प्रदूषण का मामला नया है और न ही यमुना जल में अमोनिया की मात्रा बढ़ने का। चुनाव के समय यमुना की सफाई, कूड़े के पहाड़ों को खत्म करना जैसे अनेक चुनावी वादे जोर पकड़ते हैं और फिर धरातल पर कुछ काम नहीं होता है। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन सहित कई बड़े नेता घोटालों के आरोप में लंबी सजा जेल काटने के बाद जमानत पर बाहर हैं। क्या दिल्ली की बदहाली के लिए ये सीधे जिम्मेदार नहीं है? ये दिल्ली की कितनी भलाई कर रहे हैं और आगे कितनी करेंगे, यह भी विचारणीय है लेकिन यमुना के पानी में जहर मिलाकर नरसंहार का आरोप अरविंद केजरीवाल की बौखलाहट, इस बार चुनाव में हार के भय और मानसिक दिवालियापन को प्रमाणित करता है। चुनाव आयोग उनके इस आरोप पर गंभीर है।

आईएएस/आईपीपीएस बनते हैं इस तारीख को जन्मे बच्चे!

हर माता-पिता का सपना होता है कि उनका बच्चा जीवन में सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचे और वह समाज में एक आदर्श व्यक्ति बने। ज्योतिष और अंक ज्योतिष के अनुसार, कुछ विशेष तारीखें होती हैं, जिनमें जन्मे बच्चे विशेष प्रकार की क्षमता और गुणों से संपन्न होते हैं। खासकर, अगर हम बात करें आईएएस और आईपीएस जैसी उच्च प्रशासनिक सेवाओं की, तो कुछ तारीखों पर जन्मे बच्चों का रुझान और क्षमता इन्हें इन ऊंचे पदों तक पहुंचने में मदद करती है।

मूलांक 1 वाले बच्चे: साहस और नेतृत्व क्षमता से भरे होते हैं

न्यूमेरोलॉजी के अनुसार, जिन बच्चों का जन्म 1, 10, 19 या 28 तारीख को हुआ है, उनका मूलांक 1 होता है। यह अंक सूर्य ग्रह से संबंधित होता है, जो ऊर्जा, साहस और नेतृत्व क्षमता का प्रतीक माना जाता है। इस प्रकार के बच्चों में तीव्र बुद्धिमत्ता, आत्मविश्वास, और संघर्ष करने की अद्वितीय क्षमता होती है। ये बच्चे जीवन में बड़ी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहते हैं और उन्हें किसी के अधीन काम करना पसंद नहीं होता।

मूलांक 1 के स्वभाव की विशेषताएं

– ये बच्चे स्वाभिमान, साहस और महत्वाकांक्षा से भरे होते हैं।

– नेतृत्व क्षमता में निपुण होते हैं और किसी भी टीम का मार्गदर्शन करने में सक्षम होते हैं।

– ये निडर होते हैं और अपने जीवन की कठिनाइयों का सामना डटकर करते हैं।

– शिक्षा के प्रति गहरी रुचि रखते हैं और उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित रहते हैं।

– निर्णय लेने की क्षमता में निपुण होते हैं और किसी के नियंत्रण में काम नहीं करते।

मूलांक 1 और आईएएस/आईपीपीएस बनने का संबंध

मूलांक 1 के बच्चे तेज दिमाग और अच्छे निर्णय लेने की क्षमता के मालिक होते हैं, इसलिए ये प्रशासनिक सेवाओं जैसे आईएस और आईपीएस के लिए उपयुक्त माने जाते हैं। सूर्य ग्रह के प्रभाव से इनके व्यक्तित्व में एक विशेष आकर्षण और शक्ति होती है, जो इन्हें दूसरों से अलग बनाता है और उन्हें सफलता की ओर अग्रसर करता है।

मूलांक 2: सामंजस्य और परिवार में खुशहाली लाने वाले होते हैं

न्यूमेरोलॉजी में मूलांक 2 के बारे में भी खास बातें बताई गई हैं। माना जाता है कि ये लोग अपने जीवन में सामंजस्य बनाए रखते हैं और अपने परिवार के लिए खुशियां लाते हैं। विशेषकर, यदि कोई लड़की इस मूलांक से संबंधित है, तो वह अपने पिता और पति के लिए भाग्यशाली मानी जाती है। उनका स्वभाव शांत और सुलझा हुआ होता है और वह परिवार में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखती हैं।

मूलांक 2 के बारे में जानें

– यह लोग शांति और संतुलन की तलाश में रहते हैं।

– परिवार के बीच सामंजस्य बनाए रखने में माहिर होते हैं।

– ये लोग अपने जीवनसाथी के लिए अच्छे भाग्य का कारण बनते हैं और उनके रिश्ते मजबूत रहते हैं।

हनुमान जी नौ तारीख में जन्मे लोगों पर बरसाते हैं विशेष कृपा

अंक ज्योतिष के अनुसार हनुमान जी का प्रिय मूलांक है 9. 9 अंक के स्वामी ग्रह हैं मंगल । मंगल ग्रह का संबंध बजरंगबली से हैं। जिन लोगों का जन्म इन डेट्स पर होता है उन लोगों पर हनुमान जी की कृपा और हमेशा बनी रहती है। साथ ऐसे लोगों के सिर पर हनुमान जी का हाथ रहता है।

जिन लोगों का जन्म किसी भी माह के 9, 18 आ 27 तारीख को होता है उन लोगों का मूलांक होता है 9। यानि 1+8= 9 ऐसे ही 2+7=9। इन तीनों ही तारीखों में जन्में लोग बहुत ही भाग्यशाली होते हैं।

साथ ही 9 मूलांक वाले लोग बहुत शक्तिशाली और निडर भी होते हैं। अगर आपका भी मूलांक 9 है या आपका भी जन्म 9, 18 या 27 को हुआ है तो आप भी मंगलवार के दिन हनुमान जी की आराधना जरुर करें। इस दिन पूरी निष्ठा के साथ हनुमान जी की पूजा करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

9 मूलांक वालों को कभी किसी व्यक्ति का भय नहीं होता। ऐसे लोग बहुत सहासी होते हैं। हर काम को पूरी मेहनत और लगन के साथ पूरा करते हैं और अच्छे पदों पर कार्य करते हैं। 9 मूलांक वालों पर मंगल ग्रह का प्रभाव देखा जाता है।

हनुमान जी की पूजा को नियमित रुप से पूरे अनुशासन के साथ करें। हनुमान जी को मंगलवार के दिन बूंदी का प्रसाद चढ़ाएं

अनमोल वचन

जो चीज़ आपको नामुमकिन लगती है वो किसी के लिए आसान हो सकती है क्योकि उसने अपना प्रतिदिन उसपे खर्च किया है ।

आप ख़ुद के मन को निर्मल और मधुर रखिए कमियाँ निकालने वाले तो हर किसी में निकाल लेगे ।

ख़ुशिया पानी है तो फिर डरने से क्या होगा सामना कीजिए डट कर ।

बसंत पंचमी पर जा रहे हैं महाकुंभ तो इन चीजों का जरूर करें दान

हर वर्ष माह महीने के शुक्ल पक्ष पंचमी तिथि को बसंत पंचमी मनाई जाती है। इस दिन ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा का विधान है। यही कारण है कि बसंत पंचमी को श्रीपंचमी के नाम से भी जाना जाता है। बसंत पंचमी की तिथि को हिंदू धर्म में शुभ माना गया है, इस दिन लोग शुभ कार्य जैसे- बच्चों का मुंडन संस्कार, गृहप्रवेश और कोई नया काम शुरु करना आदि काम करते हैं। इसके इतर बसंत पंचमी संगीत व विद्या की देवी वीणावादिनी माँ सरस्वती के अवतरण का दिन भी है।

बसंत पंचमी पर पूजा विधि

जातक को सुबह स्नान के पश्चात श्वेत या फिर पीले वस्त्र धारण कर विधिपूर्वक कलश स्थापित करना चाहिए।

फिर श्वेत फूल-माला के साथ मां सरस्वती को सिन्दूर व अन्य श्रृंगार की वस्तुएं भी चढ़ाएं।

साथ ही माता के चरणों पर गुलाल भी अर्पित करने का विधान है।

वहीं, प्रसाद में माँ को पीले रंग की मिठाई या फिर खीर का भोग लगाएं।

पूजा के दौरान जातक को **"ॐ ऐं सरस्वत्यै नमः"** का जाप करना चाहिए।

माँ सरस्वती का बीजमंत्र **"ऐं"** है जिसके उच्चारण मात्र से ही बुद्धि विकसित होती है।

क्या-क्या कर सकते हैं दान?

पूजा के अलावा, इस दिन दान-पुण्य का भी काफी महत्व है। जरूरतमंद की मदद करने से जातक के धन-धान्य में तेजी से वृद्धि होती है और मां सरस्वती की असीम कृपा बरसती है। आइए जानते हैं कौन-कौन सी चीजें दान करनी चाहिए।

बसंत पंचमी के दिन पढ़ाई-लिखाई से जुड़ी चीजें दान करनी चाहिए। इससे व्यक्ति को करियर में तेजी से उन्नति और सफलता मिलती है। जैसे-पेन,कॉपी और किताब या फिर किसी गरीब बच्चे की स्कूल फीस भी आप दान स्वरूप दे सकते हैं। इस दिन अपनी क्षमतानुसार जरूरतमंद लोगों में धन का दान भी जरूर करें। इससे आपके घर की तिजोरी हमेशा पैसों से भरी रहेगी। बसंत पंचमी के दिन अन्न का दान करना भी बेहद शुभ माना गया है। धार्मिक मान्यता है कि बसंत पंचमी के अनाज के दान से घर के भंडार कभी खाली नहीं रहते। इस दिन पीली चीजों के दान को बेहद महत्वपूर्ण माना गया है। इसलिए पीली मिठाई या पीले वस्त्र दान जरूर करें। मां को पीले चावल और बूंदी के लड्डू अतिप्रिय हैं। इसलिए यह भी जरूर दान करें।

तिलकुंद चतुर्थी आज

भगवान गणेश के साथ ही शनि देव की पूजा का शुभ योग, तिल के लड्डू का भोग लगाएं

शनिवार, 1 फरवरी को माघ मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी का व्रत किया जाएगा। इस व्रत का नाम तिलकुंद चतुर्थी है। चतुर्थी तिथि के स्वामी गणेश जी माने गए हैं और शनिवार का कारक ग्रह शनि है, इसलिए इस दिन गणेश जी के साथ ही शनि देव की भी विशेष पूजा करनी चाहिए।

ज्योतिष में शनि को न्यायाधीश माना जाता है, ये ग्रह मकर और कुंभ राशि का स्वामी है। शनि इस समय कुंभ राशि में है और इस वजह से मकर, कुंभ और मीन राशि पर साढ़ेसाती चल रही है। वृश्चिक और कर्क राशि पर शनि का ढय्या चल रहा है। जिन लोगों की कुंडली में शनि की स्थिति अच्छी नहीं है, उन लोगों को शनिवार और चतुर्थी के योग में शनिदेव का तेल से अभिषेक करना चाहिए। शनि के लिए काले तिल का दान करें। शनि को तिल से बने व्यंजन का भोग लगाएं।

तिलकुंद चतुर्थी पर करं तिल से जुड़े शुभ काम

तिलकुंद चतुर्थी पर पूजा-पाठ के साथ ही तिल का दान खासतौर पर करना चाहिए। पानी में काले तिल मिलाकर स्नान करें।

नहाने से पहले शरीर पर तिल से बना उबटन लगा सकते हैं। गणेश जी को तिल के लड्डू का भोग लगाएं। इस दिन तिल से हवन कर सकते हैं।

खाने में तिल का सेवन करें। शाम को चंद्र उदय के बाद चंद्र की पूजा करें और तिल-गुड़ का भोग लगाएं।

सरल स्टेप्स में कर सकते हैं गणेश जी की पूजा

तिलकुंद चतुर्थी पर स्नान के बाद घर के मंदिर में भगवान गणेश का पूजन करें।

पूजा के में भगवान गणेश का पंचामृत और जल से अभिषेक करें। इसके बाद हार-फूल और वस्त्रों से श्रृंगार करें।

दूर्वा, फल, फूल, चावल, रौली, मौली चढ़ाएं। तिल और तिल-गुड़ से बनी मिठाई, लड्डुओं का भोग लगाएं।

गणेश पूजा करते समय अपना मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर रखेंगे तो बहुत शुभ रहेगा।

पूजा में ॐ श्रीगणेशाय नमः मंत्र का जप करें। धूप-दीप जलाएं। कर्पूर जलाकर आरती करें।

पूजा के बाद भगवान से जानी-अनजानी गलतियों के लिए क्षमा याचना करें। प्रसाद बाटें।

शाम को भी ठीक इसी तरह भगवान की पूजा करें। चतुर्थी व्रत की कथा पढ़ें-सुनें।

चतुर्थी पर करें ये शुभ काम

इस दिन ऊनी कपड़े, कंबल, जूते-चप्पल, कपड़े, खाना और तिल आदि का दान करना चाहिए।

शनि देव के निमित्त तेल और काले तिल का दान करें।

किसी मंदिर में पूजन सामग्री जैसे कुमकुम, गुलाल, अबीर, हार-फूल, प्रसाद, भगवान के वस्त्र-आभूषण, चंदन, घी-तेल, रूई आदि चीजें दान करें।

पैन इंडिया फिल्म हो या कोई भी, फिल्मों के चुनाव में इस बात का ख्याल रखती हैं पूजा हेगड़े

एक्शन थ्रिलर फिल्म 'देवा' आज शुक्रवार को रिलीज हो गई है। शाहिद कपूर के साथ फिल्म में पूजा हेगड़े भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं। साउथ सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री पूजा हेगड़े कई हिंदी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने अपने करियर पर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वे अलग-अलग तरह की भूमिकाएं करना चाहती हैं। साथ ही उन्होंने कॉप फिल्मों के प्रति अपनी दिलचस्पी के बारे में भी बात की।

कॉप फिल्मों की तरफ दीवानगी क्यों?

दर्शकों के बीच कॉप फिल्मों के प्रति इतनी दीवानगी क्यों है? इस पर पूजा हेगड़े का कहना है कि उन्हें खुद वर्दी वाले लोग हमेशा आकर्षित करते हैं। एक्शन और रोमांच से भरी फिल्मों को हर आयु वर्ग के लोग पसंद करते हैं। पूजा हेगड़े ने कहा कि 'एक अच्छी फिल्म, हमेशा अच्छी फिल्म होती है और आप एक अच्छी फिल्म को दबा नहीं सकते। यह भी हो सकता है कि इस दौर में लोगों को इस तरह की फिल्में पसंद आ रही हैं, मुझे नहीं पता। दर्शकों को क्या पसंद है इस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता'।

कंटेंट देखकर फिल्मों का करती हैं चुनाव

अपनी करियर यात्रा पर पूजा हेगड़े का कहना है कि वह अलग-अलग किस्म की फिल्में करना चाहती हैं। अभिनेत्री का कहना है, 'मैं कई भाषाओं में काम कर रही हूं। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि जहां भी कंटेंट अच्छा हो, वहां जाना चाहिए। मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी है। मेरा सफर हमेशा से ऐसा ही रहा है...

सिर्फ पैन इंडिया फिल्म के मामले में ऐसा नहीं रहा है। मैंने तमिल, तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम किया है। मुझे हमेशा प्यार से स्वीकार किया गया। तारीफ हुई। यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। सम्मान की बात है। इससे मुझे और ज्यादा मेहनत करने की प्रेरणा मिलती है'। 'देवा' के बाद पूजा हेगड़े को फिल्म 'रेट्रो' में देखा जा सकेगा।

इन हिंदी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं पूजा

फिल्म 'देवा' का निर्देशन रोशन एंड्रयूज ने किया है। इस फिल्म में शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े के अलावा पावेल गुलाटी, कुब्रा सैत और प्रवेश राणा जैसे सितारे भी हैं।

पूजा हेगड़े की हिंदी फिल्मों की बात करें तो उन्होंने साल 2016 में फिल्म 'मोहनजो-दाड़ो' से बॉलीवुड फिल्मों में डेब्यू किया। इसके अलावा वे 'हाउसफुल 4', 'राधे श्याम', 'सर्कस' और 'किसी का भाई किसी की जान' में काम कर चुकी हैं।

34 अनाथ लड़कियों को गोद ले चुकी हैं प्रीति जब अंडरवर्ल्ड से मिली धमकी तो ऐसे किया सामना

अभिनेत्री प्रीति जिंटा आज अपना 49वां जन्मदिन मना रही हैं। प्रीति जिंटा ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी हैं और कई अवॉर्ड भी अपने नाम किए हैं। अपने करियर में प्रीति जिंटा ने हिंदी फिल्मों के लगभग सभी बड़े अभिनेताओं के साथ काम किया लेकिन पर्दे पर उनकी सबसे ज्यादा जोड़ी बनी सलमान खान के साथ। आज प्रीति के जन्मदिन पर हम आपको बताने जा रहे हैं उनसे जुड़ा एक किस्सा...

जब अभिनेत्री को मिली अंडरवर्ल्ड से धमकी

फिल्म चोरी-चोरी चुपके-चुपके में अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा शकील का पैसा लगा था, जबकि कागज पर भरत शाह का नाम दिखाया गया था। इसमें लीड रोल में एक्ट्रेस प्रीति जिंटा, रानी मुखर्जी और अभिनेता सलमान खान थे। इस बात की जानकारी जब पुलिस को हुई तो पुलिस ने 'चोरी-चोरी चुपके-चुपके' के सभी प्रिंट सील कर दिए। इसी दौरान ही शाहरुख खान, प्रीति जिंटा और रानी मुखर्जी को धमकी भरे फोन भी आ रहे थे और उनसे 50 लाख की डिमांड की जा रही थी।

अदालत में अभिनेत्री ने दिया बयान

सभी पुलिस के पास धमकियां मिलने की शिकायत लेकर पहुंचे, लेकिन जब पुलिस ने उनसे अदालत में इस बात को कहने के लिए कहा तो सभी लोग पीछे हट गए, लेकिन प्रीति पीछे नहीं हटीं। उन्होंने अदालत में जाकर अंडरवर्ल्ड के खिलाफ बयान दिया। मामला अंडरवर्ल्ड से जुड़ा होने के चलते प्रीति जिंटा के बयान को कैमरे पर रिकॉर्ड किया गया था।

अभिनेत्री धमकियों से थीं परेशान

बयान के आधार पर भारत शाह को गिरफ्तार कर लिया गया था और प्रोड्यूसर नाजित रिजवी को भी मामले में दोषी पाया था। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में कहा था कि मैं बहुत डरी हुई थी और परेशान थी और फिल्म के निर्माता नाजिम रिजवी से मिली। उन्होंने मुझे कहा सब ठीक हो जाएगा और मुझे अपना फोन नंबर दिया और कहा कि अगर मुझे कोई और समस्या हो तो मैं उसे कॉल करूं।

34 लड़कियों की मां बनीं प्रीति

इसके साथ प्रीति जिंटा ने मिसाल कायम करने वाला भी काम किया है। प्रीति जिंटा ने एक साथ 34 लड़कियों को गोद लिया था। साल 2009 में प्रीति जिंटा ने ऋषिकेश के एक अनाथालय से इन बच्चियों को गोद लिया था। 34 बच्चियों की मां प्रीति जिंटा अपनी बच्चियों का खूब ख्याल रखती हैं और समय-समय पर उनसे मिलने भी जाती रहती है।

'एसएसएमबी 29' के लिए प्रियंका चोपड़ा ने ली 30 करोड रुपये

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा एसएस राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म एसएसएमबी 29 में महेश बाबू के साथ लीड रोल में नजर आ सकती हैं। हालांकि, इस खबर की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रियंका इस प्रोजेक्ट के लिए तैयारी कर रही हैं।

प्रियंका ने ली मोटी फीस

रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म के लिए प्रियंका चोपड़ा की फीस लगभग 30 करोड़ रुपये बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि शुरुआती बातचीत में प्रियंका ने इससे भी ज्यादा फीस की मांग की थी, लेकिन निर्माता और प्रियंका के बीच सफल बातचीत के बाद इस रकम पर सहमति बनी। प्रियंका का नाम जुड़ने से एसएसएमबी 29 की लोकप्रियता भारत के साथ विदेश में भी बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

विदेशी कलाकारों को कास्ट करने पर हो रहा विचार

एसएसएमबी 29 को लेकर जो जानकारी सामने आई है उसके मुताबिक फिल्म एक अफ्रीकी एडवेंचर होगी। यह इंडियाना जोंस जैसी क्लासिक फिल्म की लोगों को याद दिला सकती है। फिल्म की टीम विदेशी कलाकारों को भी कास्ट करने पर विचार कर रही है ताकि फिल्म की वैश्विक अपील को और बढ़ाया जा सके।

बड़े बजट में बन रही फिल्म

एसएस राजामौली की फिल्में हमेशा बड़े बजट की शानदार फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। एसएसएमबी 29 भी इससे अलग नहीं होने वाली है। महेश बाबू की मौजूदगी और राजामौली की निर्देशन क्षमता इस फिल्म को एक बड़े हिट के रूप में स्थापित कर सकती है।

दो साल से चल रहा काम

यह फिल्म प्री-प्रोडक्शन में लगभग दो साल से तैयार हो रही है। फिल्म की पटकथा विजयेंद्र प्रसाद ने लिखी है जो राजामौली के पिता हैं। इसकी शूटिंग अप्रैल 2025 में शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म की शूटिंग के लिए प्रमुख स्थानों में केन्या और आंध्र प्रदेश के बोर्रा गुफाएं शामिल हैं। महेश बाबू ने अपनी भूमिका के लिए कड़ी ट्रेनिंग ली है और उनकी भूमिका का हनुमान से प्रेरित हो सकता है।

फिल्म 'टॉक्सिक' का पूरा का पूरा मुंबई शेड्यूल पानी में

फिल्म अभिनेता यश की अगली फिल्म 'टॉक्सिक' की हाल ही में मुंबई में कई दिनों तक शूटिंग चली। लेकिन, रिपोर्ट्स के मुताबिक यश ने ये पूरी की पूरी शूटिंग इसके रशेज देखने के बाद खारिज कर दी है। फिल्म की रिलीज इसी चक्कर में आगे खिसकी है। पहले ये फिल्म इसी साल स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियों के दौरान रिलीज होने वाली थी। लेकिन, अब इसके क्रिसमस की छुट्टियों में रिलीज होने के आसार हैं।

करीब 23 साल तक अभिनय और फिर 16 साल से निर्देशन में सक्रिय गीता मोहनदास उर्फ गीतू मोहनदास के साथ कन्नड़ अभिनेता यश ने फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर जो किया है, उसने पूरे मनोरंजन जगत में हलचल मचा दी है। जानकारी के मुताबिक यश ने फिल्म 'केजीएफ 2' के बाद बन रही अपनी इस फिल्म के लिए मुंबई में महीने भर तक चली शूटिंग का फुटेज देखने के बाद इस पूरी शूटिंग को खारिज कर दिया है और इसे फिर से नए सिरे से शूट करने का निर्देश दिया है।

बताते हैं कि यश को फिल्म में कियारा आडवाणी की एक्टिंग बिल्कुल पसंद नहीं आ रही है। इस बीच फिल्म में नयनतारा के आ जुड़ने से संकेत ये भी मिल रहे हैं कि अब वह फिल्म की लीड अदाकारा होंगी। 'केजीएफ' फ्रेंचाइजी की दोनों फिल्मों की रिकॉर्डतोड़ कामयाबी के बाद अभिनेता यश ने तमाम फिल्मों के प्रस्ताव ठुकराए। उनके पास हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम से दर्जनों प्रस्ताव पहुंचे। पर, उन्होंने गीतू मोहनदास को फिल्म 'टॉक्सिक' के निर्देशन का मौका दिया।

गीतू मोहनदास ने बाल कलाकार के रूप में अपना फिल्मी करियर शुरू किया और साल 2009 तक वह करीब तीन दर्जन फिल्मों में अभिनय कर चुकी थीं। निर्देशन में उनके नाम का डंका हिंदी फिल्म 'लायर्स डाइस' से मचा। दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने के साथ ये फिल्म ऑस्कर तक का चक्कर लगा आई है। पर यश को उनका मुंबई शेड्यूल में फिल्म 'टॉक्सिक' के लिए किया गया काम बिल्कुल पसंद नहीं आया। ये पूरी की पूरी शूटिंग स्क्रैप करने का निर्देश यश ने गीतू को और फिल्म के निर्माताओं को सुना दिया है। इसी चक्कर में अब ये फिल्म इस साल गर्मियों में रिलीज नहीं होगी। इस बारे में फिल्म निर्माण कंपनी की आधिकारिक प्रवक्ता होने का दावा करने वाली मुंबई की एक पीआर एजेंसी ने ऐसी सारी खबरों का खंडन किया है और कहा है कि फिल्म का कोई भी हिस्सा रीशूट नहीं होगा।

'मेरे हसबैंड की बीवी' में 'कलेश के लिए तैयार हो जाओ'!

अर्जुन कपूर, भूमि पेडनेकर और रकुल प्रीत सिंह अभिनीत फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' अगले महीने सिनेमाघरों में लगेगी। हाल ही में रिलीज डेट का खुलासा हुआ और अब आज शुक्रवार को फिल्म का पोस्टर जारी हुआ है। इसमें फिल्म की कहानी की साफ-साफ झलक दिखाई दे रही है। यूं तो फिल्म के नाम से ही स्पष्ट है कि यह लव ट्रायंगल फिल्म है। आज फिल्म का पोस्टर आया है।

लव ट्रायंगल में फंसे अर्जुन कपूर

इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म का पोस्टर शेयर किया गया है। इसमें एक तरफ भूमि पेडनेकर घोड़े पर सवार हैं तो दूसरी तरफ रकुलप्रीत। अर्जुन कपूर दोनों के बीच फंसे नजर आ रहे हैं। एक्टर के दोनों हाथों को दुपट्टे से बांधकर दोनों अभिनेत्री उन्हें अपनी-अपनी ओर खींचती नजर आ रही हैं। पोस्टर के साथ लिखा है, 'कलेश के लिए तैयार हो जाओ, क्योंकि ये लव ट्रायंगल नहीं, पूरा सर्कल है'।

फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' 21 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया है। जैकी भगनानी और वाशु भगनानी इसे अपने पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म की घोषणा नवंबर 2022 में की गई थी और अब यह 2025 में रिलीज होगी। वाशु भगनानी, जैकी भगनानी और दीपिका देशमुख द्वारा निर्मित यह एक कॉमेडी फिल्म है।

सोशल मीडिया से कहां नदारद हैं उर्फी?

उर्फी जावेद को सोशल मीडिया से लोकप्रियता मिली है। और इस प्लेटफॉर्म पर भी उन्हें लाइमलाइट अपने लुक्स और कपड़ों के चलते मिली है। खुद की डिजाइन की गईं अजीबो-गरीब और अतरंगी ड्रेस पहनकर उर्फी ने खूब सनसनी फैलाई है। मगर, बीते कुछ समय से उर्फी स्टाइलिश आउटफिट्स में पोस्ट शेयर नहीं कर रही हैं। उन्होंने इसकी वजह बताई है कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है?

इसलिए नहीं आ रहीं सोशल मीडिया पर नजर

आए दिन अपने स्टाइलिश लुक्स से सनसनी मचा देने वाली उर्फी इन दिनों इस किस्म की पोस्ट शेयर नहीं कर रही हैं। उर्फी ने आज शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक स्टोरी शेयर करके वजह बताई है। उन्होंने लिखा है, 'मैं इन दिनों अपने आउटफिट्स के साथ खूब प्रयोग कर रही हूं, लेकिन उनमें से ज्यादातर फेल साबित हो रहे हैं। मैं और मेरी टीम लगातार कोशिश कर रहे हैं और अपना बेस्ट दे रहे हैं, लेकिन इनमें से कोई आइडिया काम नहीं आ पा रहा है। सिर्फ यही वजह है कि इन दिनों आप लोग मुझे और मेरे आउटफिट्स को नहीं देख पा रहे हैं'!

बोलीं- खूब सारे पैसे और वक्त की जरूरत

उर्फी जावेद ने आगे लिखा है, 'मुझे पता है कि आप सभी ड्रामा मिस कर रहे हैं। लेकिन उम्मीद है कि मैं फिर से जोरदार वापसी करूंगी। दरअसल, इस तरह के एक्सपेरिमेंट करने के लिए खूब सारे पैसे और वक्त की जरूरत होती है। ऐसे में जब इसमें फेल होते हैं, तो यह पीछे की ओर धकेल देता है। फिर भी, उम्मीद है कि मैं जल्द ही वापस आ पाऊंगी'।

छोटे परदे से ओटीटी तक किया है काम

अपने अतरंगी लिबास से चर्चा बटोरने वाली उर्फी कई टीवी शो और सीरीज में नजर आ चुकी हैं। बिग बॉस ओटीटी के सीजन 1 में भी वे नजर आ चुकी हैं। बीते वर्ष उर्फी की सीरीज 'फॉलो कर लो यार' प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। हालांकि, क्रिटिक्स से इसे खास तवज्जो नहीं मिली।

देव आनंद के प्यार में पागल थीं सुरैया, आखिर कौन बना इश्क में रोड़ा? काटी तन्हाई में जिंदगी

सुरैया की डेथ एनिवर्सरी पर विशेष

"हुआ है तुझ से बिछड़ने के बाद ये मालूम, कि तू नहीं था तिरे साथ एक दुनिया थी" यह शेर सुरैया और देव आनंद की प्रेम कहानी पर सटीक बैठता है। दोनों की लव स्टोरी के चर्चे पूरे इंडस्ट्री में थे, पर इस प्रेम कहानी का अंत दर्दनाक रहा। सुरैया खुद को तमाम जिंदगी कोसती रहीं। हिंदी सिनेमा जब अपने पीक की ओर बढ़ रहा था तब इंडस्ट्री में एंट्री होती है एक खूबसूरत और हुनरमंद अभिनेत्री की, जिसने ना सिर्फ अभिनय बल्कि अपने आवाज से भी लोगों को दीवाना बना दिया, बेशक हम सुरैया की ही बात कर रहे हैं। फिल्मी दुनिया में तमाम कलाकार आएं और चले गए पर कुछ ही ऐसे थे, जो लोगों की यादों में आज भी हैं। सुरैया उन्हीं में एक हैं। आज उनकी डेथ एनिवर्सरी है, इस मौके पर हम एक नजर उनकी देवानंद के साथ लव स्टोरी पर डालेंगे।

देव आनंद से कब हुई पहली मुलाकात

सुरैया का जन्म 15 जनवरी 1929 को लाहौर के अजीज जमाल शेख और मुमताज शेख के घर हुआ। अभिनेत्री का पूरा नाम सुरैया जमाल शेख था। बचपन में ही उनका परिवार मुंबई आकर बस गया। उन दिनों सुरैया के मामा हिंदी फिल्मों के विलेन हुआ करते थे। वहीं से उनका रुझान फिल्मों की ओर बढ़ा और वह आसानी से इंडस्ट्री में आ गईं। अभिनेत्री ने साल 1946 में 'अनमोल घड़ी', 1947 में 'दर्द' और 1948 में 'प्यार की जीत' में काम किया। सुरैया की जिंदगी में देव आनंद की एंट्री साल 1948 में हुई। उन्होंने फिल्म 'विद्या' में पहली बार एक साथ काम किया दोनों की पहली मुलाकात भी इसी फिल्म के सेट पर हुई थी।

प्यार जो चढ़ने लगा परवान

'विद्या' के दौरान ही दोनों की दोस्ती हो गई। वह एक दूसरे से काफी मिलने-जुलने लगे। धीरे-धीरे उनकी दोस्ती इश्क में बदली और प्यार भी परवान चढ़ने लगा। सेट पर दोनों एक दूसरे को निक नेम से बुलाते थे। देव आनंद सुरैया को प्यार से 'नोजी' बुलाते थे और वह देवानंद को 'स्टिव' कहती थीं। इस बीच कोई था, जिसे इन दोनों का करीब आना बिल्कुल भी पसंद नहीं था, जो आगे चलकर दोनों के बीच दूरी की वजह भी बना।

नानी बनीं दोनों के प्यार का रोड़ा

देव आनंद और सुरैया के प्यार की खबर अभिनेत्री के नानी को लग गई। दोनों का मिलना उन्हें फूटी आंख नहीं सुहाता था। वह पुराने खयालातों की थीं। वह नहीं चाहती थीं कि सुरैया किसी दूसरे धर्म के लड़के से मिले या शादी करें। देवानंद सुरैया से मिलने उनके घर भी जाया करते थे। उनकी नानी ने उनका घर आना भी बंद करा दिया था और नानी सुरैया के साथ रहने लगीं। कहा तो यह भी जाता है कि वह सेट पर भी उनके साथ ही रहती थीं। वह निर्देशकों को दोनों के रोमांटिक सीन ना कराने के लिए भी कहा करती थीं। दोनों का बात करना भी दुश्वार हो गया था।

भागकर शादी करना चाहते थे देव आनंद

देव आनंद और सुरैया का प्यार इतना परवान चढ़ गया कि वह एक दूसरे से अलग नहीं रह सकते थे। देव आनंद उनसे भागकर शादी करना चाहते थे। देव आनंद तो सुरैया के साथ भागकर शादी करना चाहते थे पर अभिनेत्री अपने परिवार के खिलाफ नहीं जाना चाहती थीं। इसके बाद वह देव आनंद से दूर हो गईं, लेकिन ताउम्र देव आनंद के प्यार में तड़पती रहीं और अपनी बची हुई जिंदगी तन्हाई में काट दी। उन्होंने फिर किसी के साथ अपना घर नहीं बसाया और खुद को कोसती रहीं।

सबसे ज्यादा 600+ का स्कोर बनाने में ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर, भारत दूसरे व इंग्लैंड तीसरे स्थान पर

ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को गॉल में पहले टेस्ट के दूसरे दिन छह विकेट पर 654 रन पर पहली पारी घोषित करके एशिया में अपना अब तक का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। इसके बाद श्रीलंका की टीम दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट पर 44 रन बना चुकी थी। इतना स्कोर बनाते ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने सबसे ज्यादा बार 600+ रन का स्कोर बनाने के मामले में भारत पर बढ़त ले ली है। ऑस्ट्रेलिया ने किसी टेस्ट पारी में 35वीं बार 600 या इससे ज्यादा का स्कोर बनाया है। वहीं, भारत 33 बार के साथ इस सूची में दूसरे नंबर पर है।

भारत दूसरे और इंग्लैंड तीसरे स्थान पर

ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 35 मैचों में पारी में 600+ का स्कोर बनाया है। इससे पहले जब जब उन्होंने 600 से ज्यादा का स्कोर बनाया है, वे वह मैच कभी नहीं हारे हैं। पिछले 34 में से 28 टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने जीत हासिल की है, जबकि छह ड्रॉ रहे हैं। ऐसे में गॉल टेस्ट में भी ऑस्ट्रेलिया का दावा मजबूत लग रहा है। वहीं, भारत ने 33 टेस्ट में 600 या इससे ज्यादा का स्कोर बनाया। भारत ने भी किसी पारी में 600+ का स्कोर बनाने के बाद वह मैच नहीं गंवाया है। भारत ने 33 में से 18 टेस्ट जीते हैं, जबकि 15 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। हालांकि, यह गौर की जाने वाली बात है कि भारत ने पिछली बार 600+ का स्कोर साल 2019 में बनाया था। इंग्लैंड इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। उसने 22 टेस्ट में 600+ का स्कोर बनाया है। इसमें से 12 मैचों में इंग्लिश टीम को जीत मिली, जबकि 10 टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुए।

अफगानिस्तान और बांग्लादेश सबसे नीचे

वेस्टइंडीज ने 20 टेस्ट में तो श्रीलंका ने 16 टेस्ट में 600 या इससे ज्यादा का स्कोर बनाया। पाकिस्तान 15 बार ऐसा कर चुका है। इस लिस्ट में सबसे नीचे अफगानिस्तान और बांग्लादेश की टीमें हैं। इन दोनों ने एक-एक बार ऐसा किया है। कुल मिलाकर अभी तक जिन भी टीमों ने किसी टेस्ट की किसी पारी में 600+ का स्कोर बनाया है। वह टीम कभी नहीं हारी है। या तो उन टीमों ने जीत हासिल की, या फिर वह टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

गॉल टेस्ट में अब तक क्या हुआ?

अपनी पहली पारी में श्रीलंका के बल्लेबाज संघर्ष करते दिखे। ओशादा फर्नांडो सात रन पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज थे, जिन्हें मैथ्यू कुहनेमैन ने एल्बीडब्ल्यू आउट किया। पूर्व कप्तान दिमुथ करुणारत्ने और एंजेलो मैथ्यूज भी ज्यादा देर तक नहीं टिक पाए। दोनों ही ऑस्ट्रेलिया की बेहतरीन फील्डिंग का शिकार हुए। करुणारत्ने सात रन पर मिचेल स्टार्क की गेंद पर गली में शानदार कैच पर आउट हुए और मैथ्यूज सात रन पर आउट हुए। नाथन लियोन की ऑफ स्पिन पर ट्रेविस हेड ने मैथ्यूज का कैच लपका। दिनेश चांदीमल और कामिंडु मेंडिस कुछ चुनौतीपूर्ण क्षणों का सामना करते हुए स्टंप तक डटे रहे। श्रीलंका की टीम खराब होती पिच पर अभी 610 रन से पीछे है और नाजुक स्थिति में है।

ख्वाजा ने बेहतरीन दोहरा शतक जड़ा

ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार सुबह दो विकेट पर 330 रन से आगे खेलना शुरू किया जिसमें सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा और कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ शतक जड़कर क्रीज पर थे। पहले दिन 10,000 टेस्ट रन पूरे करने वाले स्मिथ ने 251 गेंद पर 141 रन की शानदार पारी खेली। ख्वाजा के साथ उनकी 266 रनों की साझेदारी दोनों टीमों के बीच टेस्ट मैच में तीसरे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। उन्होंने कैंडी में 2004 में एडम गिलक्रिस्ट और डेमियन मार्टिन के बीच 200 रन की पिछली सर्वश्रेष्ठ साझेदारी को पीछे छोड़ दिया।

इंगलिस का डेब्यू टेस्ट में तूफानी शतक

स्मिथ को वेंडरसे द्वारा एल्बीडब्ल्यू आउट किए जाने के बाद ख्वाजा ने शानदार तरीके से स्ट्राइक रोटेट की और ढीली गेंदों को सीमारेखा के पार पहुंचाया। ख्वाजा ने फिर अपना पहला दोहरा शतक पूरा किया और जोश इंगलिस डेब्यू मैच में शतक बनाने वाले 21वें ऑस्ट्रेलियाई बन गए। ख्वाजा की आठ घंटे से अधिक की 352 गेंद में खेली गई 232 रन की पारी ऐतिहासिक थी। वह श्रीलंका में दोहरा शतक लगाने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं। श्रीलंका के खिलाफ यह ऑस्ट्रेलिया का सर्वोच्च व्यक्तिगत टेस्ट स्कोर है। 38 साल की उम्र में वह डॉन ब्रैडमैन के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। ख्वाजा बाएं हाथ के गेंदबाज प्रभात जयसूर्या की गेंद पर विकेट के पीछे लपके गए।

धवन के रिकॉर्ड को तोड़ने से चूके इंगलिस

इंगलिस (102 रन) ने भी तेजी से खेलते हुए अपना शतक जड़ने में ज्यादा समय नहीं लिया। उन्होंने महज 90 गेंद में शतक जड़ा जिससे वह पुरुष क्रिकेटरों में भारत के शिखर धवन के बाद डेब्यू में सबसे तेज 100 रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए। धवन ने 2013 में महज 85 गेंद में सैकड़ा बनाया था। इंगलिस ने चौथे विकेट के लिए 146 रन की भागीदारी से ऑस्ट्रेलिया का दबदबा मजबूत किया।

अंडर-19 विश्व कप में इंग्लैंड को 9 विकेट से रौंदकर फाइनल में पहुंचा भारत

गत विजेता भारत ने शुक्रवार को ब्यूमास ओवल में आईसीसी महिला अंडर-19 टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 9 विकेट से रौंदकर फाइनल में जगह बनाई, जहां उसका सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद, डेविना पेरिन और कप्तान एबिगेल नॉरग्रोव की अगुआई में इंग्लैंड ने मजबूत शुरुआत की। लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने दूसरे हाफ में खेल का रुख पलट दिया और इंग्लैंड को 20 ओवर में 113/8 पर रोक दिया।

जवाब में, जी कामिलिनी की 56 रनों की अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ने 15 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया और फाइनल में जगह बना ली, जो रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला जाएगा।

पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में शानदार शुरुआत की, डेविना पेरिन ने 40 गेंदों पर दो बड़े छक्कों और चार चौकों की मदद से 45 रन बनाए, और कप्तान अबी नॉरग्रोव ने 25 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड ने हाफवे पर 73-2 का स्कोर बनाया।

हालांकि, दूसरे हाफ में भारत के गेंदबाजों ने खेल को पलट दिया, जिसमें परुनिका सिसोदिया (3-21) और आयुषी शुक्ला (2-21) ने वापसी की। आयुषी ने महत्वपूर्ण झटके दिए, पेरिन और नॉरग्रोव दोनों को आउट किया, जिससे इंग्लैंड की स्कोरिंग गति धीमी हो गई।

वैष्णवी शर्मा (3-23) ने शानदार 16वें ओवर में तीन विकेट चटकाए, जिससे इंग्लैंड का स्कोर 92-8 हो गया। अमृता सुरेनकुमार के आखिरी ओवर में किए गए जोरदार प्रयास से इंग्लैंड 20 ओवर में 113 रन तक पहुंच पाया। भारत ने रन चेज की शानदार शुरुआत की और पावरप्ले में बिना कोई विकेट खोए 44 रन बनाए। त्रिशा गोंगडी ने 29 गेंदों में 35 रन बनाए, जिसके बाद फोबे ने महत्वपूर्ण विकेट लिया।कमलिनी जी और सनिल्का चाल्के ने 10वें ओवर में भारत को 70-1 के स्कोर पर पहुंचाया और फिर चार ओवर शेष रहते जीत दर्ज की।

मैच के बाद भारत की कप्तान निकी प्रसाद ने कहा, एक कप्तान के तौर पर, मुझे वाकई गर्व है। एक खिलाड़ी के तौर पर, मुझे वाकई खुशी है कि हम ट्रॉफी उठाने के एक कदम और करीब आ गए हैं। हम आज तक कड़ी मेहनत कर रहे हैं और हम एक कदम और करीब आ गए हैं।

सेमीफाइनल में पहुंचने से पहले, हम जानते थे कि इंग्लैंड हमें कड़ी टक्कर देगा। उन्होंने वास्तव में अच्छी शुरुआत की, लेकिन हम शांत रहना चाहते थे और अच्छी गेंदें फेंकना चाहते थे और जल्दी विकेट लेना चाहते थे।"

मुझे लगता है कि हम सभी अपनी भूमिकाओं के बारे में स्पष्ट हैं। हर दिन कोई न कोई टीम की जिम्मेदारी लेता है। फाइनल के लिए पूरी तरह तैयार। कोई घबराहट नहीं। हम वाकई उत्साहित हैं और वहां जाकर हावी होना चाहते हैं।"

कौन हैं रेलवे से खेलने वाले हिमांशु सांगवान?

ऐसा कम ही होता है जब कोई घरेलू खिलाड़ी किसी भारतीय स्टार के खिलाफ परफॉर्म करने के बाद सुर्खियों में आया हो, लेकिन इस रणजी ट्रॉफी सीजन में ऐसा हुआ है। दिल्ली और रेलवे के बीच अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले ने विराट कोहली की वजह से सुर्खियां बटोरी थीं। हालांकि, अब हिमांशु सांगवान चर्चा में हैं। दरअसल, हिमांशु ने दिल्ली की पहली पारी के दौरान विराट की 12 साल बाद रणजी में वापसी के प्लान पर पानी फेर दिया। उन्होंने विराट को क्लीन बोल्ड कर तहलका मचा दिया। विराट 15 गेंद में एक चौके की मदद से सिर्फ छह रन बना सके। हिमांशु ने इनस्विंग गेंद पर विराट को आउट किया। इसके बाद से हिमांशु सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गए हैं।

हिमांशु का नाम याद रखेंगे फैंस

हिमांशु सांगवान अब एक ऐसा नाम बन चुके हैं, जिसे भारतीय क्रिकेट फैंस लंबे समय तक याद रखने वाले हैं। पेसर ने विराट कोहली को आउट करके उनकी बहुप्रतीक्षित रणजी ट्रॉफी वापसी को खराब कर दिया। हजारों फैंस सिर्फ विराट को देखने के लिए आए थे। कोहली को 12 साल पहले रणजी में खेलता देखने के लिए 5000 दर्शक इकट्ठा हुए थे, लेकिन इस मैच में 10 हजार से ज्यादा फैंस पहुंचे, लेकिन उनके लिए यह मजा ज्यादा देर तक नहीं चला। कोहली के ऑफ स्टंप को दिल्ली की पहली पारी के 28वें ओवर में रेलवे के तेज गेंदबाज हिमांशु सांगवान ने उखाड़ फेंका। इसके बाद ज्यादातर फैंस स्टेडियम छोड़कर जाते दिखे।

कौन हैं हिमांशु सांगवान?

29 वर्षीय तेज गेंदबाज हिमांशु का जन्म दो सितंबर 1995 को दिल्ली में हुआ था। उन्होंने 2019 में रेलवे के लिए अपनी लिस्ट ए की शुरुआत की। 27 सितंबर को वह 2019-20 विजय हजारे ट्रॉफी में रेलवे टीम के लिए खेले थे। हिमांशु ने इसके बाद 8 नवंबर को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में टी20 में डेब्यू किया और नौ दिसंबर को रणजी ट्रॉफी में रेलवे के साथ पहली बार लाल गेंद के मैच में उतरे।

लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले हिमांशु दिल्ली के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच से पहले 77 प्रथम श्रेणी विकेट ले चुके थे। इससे पहले वह 23 रणजी ट्रॉफी मैच खेल चुके थे।

3 कप्तान नर्वस 90s के शिकार... क्रिकेट जगत में हाहाकार 66 सेंचुरी जड़ चुका दिग्गज भी रहा बदकिस्मत

कप्तान अजिंक्य रहाणे, आयुष बदोनी और मयंक अग्रवाल नर्वस नाइंटीज के शिकार हो गए. तीनों खिलाड़ी इस समय रणजी ट्रॉफी में अपनी अपनी टीमों की कप्तानी कर रहे हैं. भारत में इस समय रणजी ट्रॉफी मुकाबले खेले जा रहे हैं. इन मैचों में भारत के दिग्गज खिलाड़ी भी खेल रहे हैं. कई अपनी अपनी राज्य टीमों की कप्तानी कर रहे हैं तो कई बतौर प्लेयर टीम में अपना योगदान दे रहे हैं. रणजी ट्रॉफी लीग चरण के आखिरी मुकाबलों के दूसरे दिन 3 टीमों के कप्तान बदकिस्मत रहे जो शतक के करीब पहुंचकर चूक गए. इनमें मुंबई की कप्तानी कर रहे अनुभवी अजिंक्य रहाणे, दिल्ली के युवा आयुष बडोनी और कर्नाटक को लीड करने वाले मयंक अग्रवाल शामिल हैं.इनके साथ स्टार बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा भी 99 रन बनाकर आउट हो गए. पुजारा हालांकि सौराष्ट्र टीम की कमान नहीं संभाल रहे हैं. लेकिन नर्वस नाइंटीज का शिकार होना किसी भी बल्लेबाज को बहुत अखरता है.

मुंबई और मेघालय की टीमें इस समय आमने सामने हैं. पहली पारी में अजिंक्य रहाणे को 96 के स्कोर पर नफीस सिद्दकी ने अर्पित के हाथों कैच करा दिया. रहाणे 11 चौके और एक छक्का जड़ चुके थे.वह अपने शतक से महज 4 रन से चूक गए. हालांकि इस मैच में उनकी टीम मजबूत स्थिति में है. दिल्ली के कप्तान आयुष बडोनी अच्छी लय में थे. रेलवे के खिलाफ दिल्ली अपने घर में खेल रही है. दिल्ली की कप्तानी कर रहे आयुष बडोनी को पहली पारी में 99 के स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा.

'ओलंपिक के लिए बुनियादी ढांचे के अलावा बौद्धिक स्तर पर भी काम कर रहा भारत'

पीटी उषा ने कहा, भारत (2036) ओलंपिक की मेजबानी करना चाहता है इसलिए हम केवल अपनी बुनियादी ढांचा क्षमताओं को ही मजबूत नहीं कर रहे हैं बल्कि अपनी बौद्धिक और शोध तैयारियों को भी मजबूत कर रहे हैं।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने बुधवार को कहा कि भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के अधिकार हासिल करने के लिए सिर्फ बुनियादी क्षमताओं को मजबूत करने पर ही ध्यान केंद्रित नहीं कर रहा है बल्कि बौद्धिक स्तर पर भी ध्यान लगा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक अनुसंधान सम्मेलन में पीटी उषा ने की ओलंपिक की मेजबानी पर बात

पूर्व ट्रैक एवं फील्ड स्टार गांधीनगर जिले के देहगाम के पास राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) में पहले अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक अनुसंधान सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। उषा ने कहा कि सम्मेलन के कारण दुनिया भर से विभिन्न ओलंपिक अध्ययन और शोध केंद्रों के प्रतिनिधि तथा विविध क्षेत्रों के विशेषज्ञ भारत में एकत्रित हुए हैं।

पीटी उषा ने कहा, ओलंपिक आंदोलन के साथ भारत का जुड़ाव एक परिवर्तनकारी क्षण में है और यह प्रतिस्पर्धी खेलों से आगे बढ़कर ओलंपिकवाद की सच्ची भावना को अपनाता है जो खेलों के माध्यम से शांति, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है।

'भारत करना चाहता है ओलंपिक 2036 की मेजबानी'

एशियाई ट्रैक एवं फील्ड में 1980 के दशक में अपना दबदबा बनाने वाली पूर्व एथलीट ने आगे कहा, भारत (2036) ओलंपिक की मेजबानी करना चाहता है इसलिए हम केवल अपनी बुनियादी ढांचा क्षमताओं को ही मजबूत नहीं कर रहे हैं बल्कि अपनी बौद्धिक और शोध तैयारियों को भी मजबूत कर रहे हैं।

38वें राष्ट्रीय खेलों में अनूठी पहल, ब्रांडिंग में नहीं हुआ प्लास्टिक का इस्तेमाल

राष्ट्रीय खेलों के 38वें सत्र के आयोजन की ब्रांडिंग में किसी भी तरह के प्लास्टिक का उपयोग नहीं करके 'हरित खेल' थीम की ओर महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया है। प्लास्टिक के बजाय छह लाख वर्ग फीट के व्यापक क्षेत्र पर लगाए गए 'होर्डिंग' और 'बिलबोर्ड' के लिए पुनः चक्रित होने वाले 'सन फैब्रिक' का उपयोग किया गया है जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रतियोगिता के आयोजन के बाद उनका पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण किया जा सके।

पर्यावरण के अनुकूल यह दृष्टिकोण संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुरूप है जो जिम्मेदारी के साथ उपभोग, जलवायु को लेकर कदम उठाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करता है।

यह पहल प्लास्टिक कचरे को कम करने, पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देने और यह दिखाने की दिशा में एक कदम है कि बड़े स्तर पर होनी वाली प्रतियोगिताएं पर्यावरण की भलाई में कैसे योगदान दे सकती हैं। 'हरित खेल' थीम का उद्देश्य व्यक्तियों और संगठनों को ऐसी चीजों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है जो संरक्षण, स्थिरता और हरित भविष्य को प्राथमिकता देती हैं।

देश में खेलों के सबसे बड़े आयोजन 38वें राष्ट्रीय खेल का आगाज आधिकारिक रूप से मंगलवार को होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन खेलों का उद्घाटन करेंगे। 32 खेलों में 10 हजार से अधिक खिलाड़ियों के बीच 14 फरवरी तक इन खेलों में श्रेष्ठता की होड़ रहेगी। हालांकि कई बड़े नाम इन खेलों का हिस्सा नहीं होंगे, लेकिन इन खेलों के जरिये नए नाम और नई प्रतिभाएं राष्ट्रीय खेल पटल पर छाने को तैयार हैं। खेलों में 38 टीमों के बीच पदक की होड़ रहेगी।

सात शहरों में हो रहे खेल

खिलाड़ियों की संख्या को देखते हुए यह विश्व के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक है। ये खेल उत्तराखंड के देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल, हल्द्वानी, रुद्रपुर, शिवपुरी और न्यू टिहरी में आयोजित किए जाएंगे। 2023 में गोवा में हुए राष्ट्रीय खेल पांच शहरों में आयोजित हुए थे। उत्तराखंड की राजकीय पक्षी मोनल से प्रेरित मौली इन खेलों की शुभंकर है। एथलेटिक्स, तैराकी, शूटिंग, कुश्ती, बैडमिंटन, हॉकी, बॉक्सिंग, वेटलिफ्टिंग, फुटबाल, टेनिस, टेबल टेनिस के अलावा खो-खो, कबड्डी इन खेलों के प्रमुख खेल हैं। कलारीपयट्टू, योगासन, मलखंब, राफ्टिंग प्रदर्शनी खेल होंगे।

राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता मनोज कुमार ने लिया संन्यास, अब करेंगे नई शुरुआत

लाइट वेल्टरवेट (64 किग्रा) में प्रतिस्पर्धा करने वाले 39 वर्षीय मुक्केबाज ने 2010 दिल्ली में अपना पहला और राष्ट्रमंडल खेलों का एकमात्र स्वर्ण पदक जीता था। वह एशियाई चैंपियनशिप में दो बार के कांस्य पदक विजेता भी हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज मनोज कुमार ने गुरुवार को संन्यास का एलान कर दिया। अब वह नई पारी की शुरुआत करेंगे और मुक्केबाजों को कोचिंग देंगे। दो बार के ओलंपियन मनोज 2012 लंदन और 2016 रियो दि जिनेरियो दोनों में प्री क्वार्टरफाइनल तक पहुंचे थे।

2010 में जीता स्वर्ण पदक

लाइट वेल्टरवेट (64 किग्रा) में प्रतिस्पर्धा करने वाले 39 वर्षीय मुक्केबाज ने 2010 दिल्ली में अपना पहला और राष्ट्रमंडल खेलों का एकमात्र स्वर्ण पदक जीता था। वह एशियाई चैंपियनशिप में दो बार के कांस्य पदक विजेता भी हैं। राष्ट्रमंडल खेलों में दूसरा और अंतिम कांस्य पदक उन्होंने 2018 गोल्ड कोस्ट खेलों में जीता था।

मनोज ने क्यों लिया संन्यास

हरियाणा के कैथल के इस मुक्केबाज ने कहा, अब मैं 40 साल का हो गया हूं तो यह सोच समझकर लिया गया फैसला है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार एमेच्योर प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं ले सकता। मैं संतुष्ट हूं क्योंकि देश का प्रतिनिधित्व करते हुए मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।

मुक्केबाज का करियर

मनोज ने अपना मुक्केबाजी करियर 1997 में जूनियर स्तर पर शुरू किया था और 2021 में पटियाला में राष्ट्रीय खेल संस्थान से कोचिंग डिप्लोमा हासिल किया था। चोटों और चयन मुद्दे पर राष्ट्रीय महासंघ के साथ विवाद के कारण उनका करियर गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों के बाद थम गया और वह इसके बाद किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में नहीं खेले।

ट्रंप ने फिर ब्रिक्स देशों को चेताया

कहा- डॉलर का साथ छोड़ा तो लगेगा 100 फीसदी टैरिफ

वॉशिंगटन, 31 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ब्रिक्स देशों को अमेरिकी डॉलर की बजाय दूसरी मुद्रा अपनाने पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की चेतावनी दी। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अगर ब्रिक्स देश दूसरी मुद्रा अपनाएंगे तो अमेरिका उनका साथ छोड़ देगा। ट्रंप ने लिखा कि यह विचार है कि ब्रिक्स देश डॉलर से दूर जाने की कोशिश कर रहे हैं। जबकि हम खड़े होकर देखते हैं, खत्म हो चुका है। हमें इन शत्रुतापूर्ण देशों से यह प्रतिबद्धता चाहिए कि वे न तो नई ब्रिक्स मुद्रा बनाएंगे, न ही शक्तिशाली अमेरिकी डॉलर की जगह किसी अन्य मुद्रा का समर्थन करेंगे, अन्यथा उन्हें 100% टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। उन्हें शानदार अमेरिकी अर्थव्यवस्था में नई मुद्रा को बेचने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। वे किसी अन्य बेवकूफ देश की तलाश कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि इस बात की कोई संभावना नहीं है कि ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय व्यापार में या कहीं और अमेरिकी डॉलर की जगह ले लेगा। जो भी देश ऐसा करने की कोशिश करेगा, उसे टैरिफ को नमस्ते कहना चाहिए और अमेरिका को अलविदा कहना चाहिए।

पहले भी चेतावनी दे चुके हैं ट्रंप

ट्रंप ब्रिक्स देशों को पहले भी चेतावनी दे चुके हैं। पिछले सप्ताह ओवल ऑफिस में अपने हस्ताक्षर समारोह के दौरान मीडिया से बात करते हुए, राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि अगर ब्रिक्स देश ऐसा करना चाहते हैं, तो ठीक है, लेकिन हम संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ उनके व्यापार पर कम से कम 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने जा रहे हैं। यह कोई धमकी भी नहीं है। ट्रंप ने कहा कि उनके बयान को धमकी के रूप में नहीं बल्कि इस मुद्दे पर एक स्पष्ट रुख के रूप में देखा जाना चाहिए। राष्ट्रपति ने इस मामले में अपने पूर्ववर्ती बाइडन की टिप्पणियों का भी संदर्भ दिया। बाइडन ने संकेत दिया था कि अमेरिका इस मामले में कमजोर स्थिति में है। ट्रंप ने इस पर असहमति जताई और जोर देकर कहा कि अमेरिका का ब्रिक्स देशों पर प्रभाव है और वे अपनी योजनाओं को आगे नहीं बढ़ा पाएंगे।

पुतिन की ओर से डी-डॉलराइजेशन के आह्वान पर ट्रंप का निशाना

2023 में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के पूर्ण सत्र के दौरान, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने डी-डॉलराइजेशन का आह्वान किया था।

उन्होंने कहा था कि ब्रिक्स देशों को राष्ट्रीय मुद्राओं में निपटान का विस्तार करना चाहिए और बैंकों के बीच सहयोग बढ़ाना चाहिए। जून 2024 में, ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों ने रूस के निजनी नोवगोरोड में मुलाकात की थी और सदस्य देशों के बीच द्विपक्षीय और बहुपक्षीय व्यापार और वित्तीय लेन-देन में स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल को बढ़ाने का आह्वान किया था।

सेंसेक्स 740 अंक की तेजी के साथ 77,500 पर बंदःनिफ्टी भी 258 अंक चढ़ा

बीएसई स्मॉलकैप में 899 अंक की बढ़त रही

मुंबई, 31 जनवरी (एजेंसियां)। बजट से एक दिन पहले आज यानी 31 जनवरी को सेंसेक्स 740 अंक की तेजी के साथ 77,500 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 258 अंक की तेजी रही, ये 23,508 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, बीएसई स्मॉलकैप 899 अंक की तेजी के साथ 49,958 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 25 में तेजी और 6 में गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों से 44 में तेजी और 7 में गिरावट रही। एनएसई सेक्टोरल इंडेक्स में कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर में सबसे ज्यादा 2.44% की तेजी रही।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार रहा

लार्सन एंड टुब्रो, आईटीसी, रिलायंस और इंफोसिस ने बाजार को चढ़ाने में सबसे ज्यादा कॉन्ट्रिब्यूट किया।

जबकि, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और आईटीसी होटल्स ने सेंसेक्स को नीचे खीचने की कोशिश की। एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 0.15% की तेजी और कोरिया के कोस्पी में 0.77% की गिरावट रही। वहीं चीन का शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स 0.062% की गिरावट के साथ बंद हुआ। एनएसई के डेटा के अनुसार, 30 जनवरी को विदेशी निवेशकों (एफआईआईएस) ने 4,582.95 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। इस दौरान घरेलू निवेशकों (डीआईआईएस) ने 2,165.89 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। 30 जनवरी को अमेरिका का डाओ जोंस 0.38% की तेजी के साथ 44,882 पर बंद हुआ।

एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.53% चढ़कर 6,071 पर बंद हुआ। नैस्डैक इंडेक्स में 0.25% की तेजी रही।कल बाजार में रही थी तेजी इससे पहले कल यानी 30 जनवरी को सेंसेक्स 226 अंक की तेजी के साथ 76,759 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 86 अंक की बढ़त रही, ये 23,249 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में तेजी और 12 में गिरावट थी। पावर और एफएमसीजी शेयर्स में तेजी थी। वहीं आईटी और ऑटो शेयर्स में गिरावट थी।

बजट में कुछ तगड़ा होने वाला है क्या? शेयर बाजारों में इस ताबड़तोड़ तेजी का मतलब समझिए

नई दिल्ली,31 जनवरी (एजेंसियां)। बजट से पहले घरेलू शेयर बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स 740.76 अंक चढ़कर 77,500.57 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 258.90 अंक बढ़कर 23,508.40 अंक पर पहुंचा। आर्थिक समीक्षा 2024-25 पेश होने के बाद स्थानीय शेयर बाजारों में शुक्रवार को दोपहर के कारोबार में तेजी आई। संसद में शुक्रवार को पेश आर्थिक समीक्षा के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की इकनॉमिक ग्रोथ 6.3-6.8 फीसदी रहने की उम्मीद है। मजबूत बुनियादी बातों, संतुलित राजकोषीय समेकन और स्थिर निजी खपत के दम पर भारत इस रफ्तार को हासिल करेगा। इसके अलावा शनिवार को पेश होने वाले बजट में आम आदमी को राहत दिए जाने के आसार हैं। इनकम टैक्स घटाकर ऐसा किया जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो लोगों के हाथों में खर्च के लिए ज्यादा पैसा आएगा। बाजार इस उम्मीद के साथ तेजी के रथ पर सवार हो गया।

मजबूत है भारत की स्थिति

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शनिवार को केंद्रीय बजट पेश करेंगी। इसके पहले शुक्रवार को उन्होंने इकनॉमिक सर्वे पेश किया। समीक्षा में कहा गया, '...घरेलू अर्थव्यवस्था के मूल तत्व मजबूत बने हुए हैं। इसमें मजबूत बाह्य खाता, संतुलित राजकोषीय समेकन और स्थिर निजी खपत शामिल है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए हम उम्मीद करते हैं कि वित्त वर्ष 2025-26 में वृद्धि दर 6.3 से 6.8 फीसदी के बीच रहेगी।'सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) और नेस्ले में चार फीसदी से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। एलएंडटी में 4.31 फीसदी और नेस्ले में 4.25 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। इंडसइंड बैंक, टाइटन, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील और मारुति के शेयर भी अधिक लाभ हासिल करने वालों में शुमार रहे। वहीं आईटीसी होटल्स, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर नुकसान में रहे।

आम आदमी पर हो सकता है फोकस

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को संसद के बजट सत्र के पहले दिन दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए मध्य वर्ग को लेकर कई बातें कहीं। सरकारी कर्मचारियों के कल्याण के लिए आठवें वेतन आयोग के गठन के हालिया फैसले का भी जिक्र किया। यह आने वाले सालों में सरकारी कर्मचारियों के वेतन में बड़ी बढ़ोतरी का आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग का 'अपने घर का सपना' पूरा करने के लिए भी सरकार प्रतिबद्ध है।

हिमाचल प्रदेश के सेब बागवानों को बजट से बड़ी उम्मीदें!

विदेशी सेब पर आयात शुल्क बढ़ाने की मांग

शिमला , 31 जनवरी (एजेंसियां)। देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करेंगी। इस बजट से हिमाचल प्रदेश के सेब बागवानों को भी बड़ी उम्मीदें हैं। हिमाचल प्रदेश में सेब बागवानी की 5 हज़ार करोड़ रुपये की आर्थिकी है। अब युवाओं में भी बागवानी को लेकर उत्साह के साथ रुचि बढ़ती हुई नज़र आ रही है। राज्य के युवा बागवान को व्यवसाय के तौर पर अपना रहे हैं। ऐसे में इन तमाम बागवानों को केंद्र सरकार के इस बजट से कई बड़ी उम्मीदें हैं।

सेब पर आयात शुल्क बढ़ाने की मांग

हिमाचल प्रदेश संयुक्त किसान मंच के संयोजक हरीश चौहान का कहना है कि केंद्र सरकार के इस बजट से उन्हें कई बड़ी उम्मीदें हैं। वे चाहते हैं कि सेब के लिए इस्तेमाल होने वाले कीटनाशकों और खादों पर जो जीएसटी लिया जाता है, उसे कम किया जाए। इसके अलावा बागवानी उपकरणों पर भी जीएसटी घटाने की मांग है। हरीश चौहान के मुताबिक, केंद्र सरकार की ओर से एमआईएस का बजट घट जाने की वजह से भी बागवानों को नुकसान हो रहा है। बागवानों की यह भी मांग है कि बाहरी विदेश से आने वाले सेब पर आयात शुल्क को 100 फ़ीसदी किया जाए।

छोटे बागवानों तक पहुंचे सीधा फायदा

हिमाचल प्रदेश के सेब बागवानों को 44 देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है। ऐसे में अगर सेब आयात करने पर शुल्क सौ फ़ीसदी होगा, तो इससे हिमाचल के बागवानों को फ़ायदा मिलेगा। युवा बागवान मोहित शर्मा का कहना है कि हर बार बजट से कई बड़ी उम्मीदें होती हैं। इस बार भी वे उम्मीद लगाए बैठे हुए हैं। राज्य के युवा बागवानी को व्यवसाय के तौर पर अपना रहे हैं।ऐसे में वे चाहते हैं कि केंद्र सरकार की ओर से जो योजनाएं बागवानों के लिए लाई जा रही हैं, उसका सीधा फ़ायदा उन्हें मिले। छोटे बागवानों को बजट में की गई बातों का ग्राउंड पर फ़ायदा नहीं मिल पाता है। ऐसे में वे तो यही चाहेंगे कि बजट का में की गई घोषणाओं का सीधा फ़ायदा लोगों को मिल सके।

सोना पहली बार 82 हजार रुपए पार : 31 दिन में दाम 6003 बढ़े

चांदी 993 बढ़कर 93177 रुपए किलो पर पहुंची

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। आम बजट पेश होने से एक दिन पहले यानी आज (31 जनवरी) सोना अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 862 बढ़कर 82,165 रुपए हो गया है। गुरुवार को 10 ग्राम (एक तोला) सोने का दाम 81,303 रुपए था। वहीं, चांदी की कीमत में भी आज बढ़त रही। ये 993 रुपए बढ़कर 93,177 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी की कीमत 92,184 रुपए प्रति किलो थी। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को अपना ऑल टाइम हाई बनाया था। तब ये 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

इस साल अब तक 6,003 महंगा हुआ सोना

31 दिसंबर को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 76,162 रुपए था। बीते 31 दिन में इसमें 6,003 रुपए का इजाफा हुआ है। वहीं, 31 दिसंबर को 1 किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी। इस दौरान इसमें भी 7,160 रुपए की बढ़ोतरी हुई है।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 77,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 84,480 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 77,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 84,330 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 77,300 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 84,330 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 77,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 84,330 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 77,350 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 84,380 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 84,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 77,300 रुपये है।

2030 तक हर साल चाहिए 78.5 लाख जॉब, वर्ना हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। देश के इकोनॉमिक सर्वे में कई तरह के सुझाव दिए गए हैं। जो देश इकोनॉमी को बढ़ाने में काफी कारगर साजबित हो सकते हैं। जिसमे सबसे अहम सुझाव नौकरी जेनरेट करने को लेकर है। इकोनॉमिक सर्वे में सुझाव दिया गया है कि भारत को 2030 तक सालाना 78.5 लाख नए नॉन फार्म जॉब क्रिएट करने की जरूरत है। साथ ही 100 फीसदी हासिल करने, हमारे शिक्षा संस्थानों की क्वालिटी में सुधार करने और भविष्य के लिए तैयार बुनियादी ढांचे का तैयार करने की जरूरत है। वित्त मंत्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में कहा गया है, वर्कफोर्स की महत्वाकांक्षाएं और आकांक्षाएं देश के डेमोग्राफिक डिविडेंड का लाभ उठाने और एग्री से नॉन एग्री जॉब्स तक संरचनात्मक परिवर्तन में तेजी लाने के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने की आवश्यकता है।

युवाओं को प्रोडक्टिव बनाना जरूरी

सर्वे के अनुसार विकास और समृद्धि के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में, किसी भी इकोनॉमी में रोजगार की मात्रा और गुणवत्ता यह निर्धारित करती है कि आर्थिक विकास जनता तक कैसे पहुंचता है। 10-24 वर्ष की आयु वर्ग की लगभग 26 फीसदी आबादी के साथ, भारत टॉप पर है। सर्वे में कहा गया है कि भारत ग्लोबल लेवल पर सबसे । युवा देशों में से एक है। भारत की आर्थिक सफलता इस बात निर्भर करेगी कि वह अपने युवा वर्क फोर्स को कितना प्रोडक्टिव बन पाती है।

इको सर्वे में कहा गया है कि डेमो ग्राफिक डिविडेंड का पूरी तरह से लाभ उठाने के लिए क्वालिटी वाली नौकरियां पैदा करना महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, रीस्किलिंग, अपस्किलिंग और नई-स्किलिंग को प्राथमिकता देकर, सरकार का लक्ष्य वर्कफोर्स को ग्लोबल डिमांड के साथ जोड़ना है, जिससे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी। सर्वे के अनुसार, कंप्लायंस को सरल बनाना, लेबर फ्लेक्सीबिलिटी को बढ़ावा देना और श्रमिकों के कल्याण को मजबूत करना स्थायी नौकरी वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। सर्वे में कहा गया है कि रेगुलेशन के माध्यम से व्यवसाय करने की निश्चित लागत कम करने से उद्यमों के लिए अधिक नियुक्तियां करने की गुंजाइश बनेगी।

डेमोग्राफिक डिविडेंड ना बन जाए डिजास्टर

बेरोजगारी की संभावित चिंता एशिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी पर भारी पड़ रही है। देश की इकोनॉमिक ग्रोथ चार साल में सबसे कम देखने को मिल सकती है। जिसकी वजह से देश की आर्थिक गति में दरारें उजागर हो सकती हैं। अर्थशास्त्रियों के अनुसार, बेरोजगारी से निपटने के लिए सरकार दीर्घकालिक रणनीतियां ही बनानी होंगी। उसके बिना भारत का ये डेमोग्राफिक डिविडेंड डेमोग्राफिक डिजास्टर में बदल सकता है। यह बजट न केवल 2025 के लिए दिशा तय करेगा बल्कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार के अगले चार वर्षों के लिए इकोनॉमिक ट्रैजेक्ट्री भी निर्धारित करेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, कल पेश होने वाले केंद्रीय बजट में नौकरियों पर ज्यादा फोकस देखने को मिलेगा।

कितनी रह सकती है 2025 की जीडीपी

इकोनॉमिक सर्वे के अनुसार मजबूत बुनियाद, सूझ-बूझ वाली राजकोषीय मजबूती का खाका और निजी खपत बने रहने के साथ देश की आर्थिक वृद्धि दर अगले वित्त वर्ष 2025-26 में 6.3 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

आर्थिक सर्वेक्षण: भारतीय बाजारों में बढ़ा लचीलापन, इको सर्वे ने 2025 में सार्थक बाजार सुधार के प्रति किया आगाह

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। शुक्रवार को जारी आर्थिक सर्वेक्षण में बताया गया कि शेयर बाजार में मूल्यांकन बढ़ने के बावजूद भारत को सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि अमेरिका के बाजारों में अगर कोई सुधार होता है, तो उसका असर भारत पर भी पड़ सकता है। खासकर, कोविड-19 के बाद भारत में युवा निवेशकों की संख्या बढ़ी है, जो शेयर बाजार में सक्रिय हो गए हैं।

खुदरा निवेश पर युवा निवेशकों की बढ़ोतरी

आखिरी कुछ वर्षों पर नजर डाले तो भारत में खुदरा निवेशकों की भागीदारी खासकर युवा निवेशकों की बढ़ी है। 2020 में जहां निवेशक 4.9 करोड़ थे, वहीं 31 दिसंबर 2024 तक यह संख्या बढ़कर 13.2 करोड़ हो गई। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि अमेरिकी बाजार में जो आशावादी भावना है और वहां के बढ़े हुए मूल्यांकन, 2025 में एक बड़ा सुधार ला सकते हैं। अगर ऐसा हुआ, तो यह भारत में युवा और नए निवेशकों पर ज्यादा प्रभाव डाल सकता है, क्योंकि इनमें से ज्यादातर ने पहले कभी बड़े बाजार सुधार नहीं देखे हैं।

अमेरिकी बाजारों की तुलना में ज्यादा लचीला

हालांकि, सर्वेक्षण में यह भी बताया गया कि भारतीय बाजार अमेरिकी बाजारों के मुकाबले ज्यादा लचीले साबित हुए हैं। उदाहरण के लिए, अक्टूबर 2024 में जब विदेशी निवेशकों ने भारत से 11 बिलियन डॉलर निकाल लिए, तो भी भारतीय बाजार में गिरावट कम रही। वहीं, मार्च 2020 में महामारी के कारण हुए संकट में 8 बिलियन डॉलर के एफपीआई बहिर्वाह के बावजूद भारतीय बाजारों में भारी गिरावट आई थी। इसलिए, जबकि भारतीय बाजारों की लचीलापन बढ़ी है और निवेशक आशावादी हैं, फिर भी अमेरिकी बाजार में सुधार से जुड़ी संभावनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

इक्विटी बाजार पर एक नजर

आर्थिक सर्वेक्षण में बताया गया है कि भारतीय इक्विटी बाजार अमेरिकी बाजारों के उतार-चढ़ाव के प्रति बहुत संवेदनशील रहा है। ऐतिहासिक डेटा के अनुसार, जब अमेरिकी बाजार एसएंडपी 500 में 10% से अधिक गिरावट आई, तो निफ्टी 50 ने लगभग सभी मामलों में नकारात्मक रिटर्न दर्ज किया। औसतन, निफ्टी 50 में 10.7% की गिरावट आई। वहीं, जब भारतीय बाजार निफ्टी 50 में 10% से ज्यादा गिरावट आई, तो अमेरिकी बाजार एसएंडपी 500 ने 13 बार सकारात्मक रिटर्न दिखाया, लेकिन इसका औसत रिटर्न -5.5% रहा। साथ ही सर्वेक्षण में यह भी कहा गया कि भारतीय पूंजी बाजार देश के विकास की कहानी के केंद्र में हैं। ये पूंजी निर्माण को बढ़ावा देते हैं, घरेलू बचत को वित्तीय रूप में बदलते हैं, और धन सृजन को सक्षम बनाते हैं।

भारतीय शेयर बाजार की ऊंचाई

गौरतलब है कि दिसंबर 2024 तक, भारतीय शेयर बाजार ने कई चुनौतियों के बावजूद नई ऊंचाइयों तक पहुंचा है। इनमें भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं, मुद्रा अवमूल्यन और घरेलू बाजार में उतार-चढ़ाव जैसी समस्याएं शामिल थीं। इस सफलता में निवेशकों की बढ़ती भागीदारी का बड़ा योगदान रहा है, क्योंकि वित्त वर्ष 2020 में जहां निवेशक 4.9 करोड़ थे, वहीं 31 दिसंबर 2024 तक यह संख्या बढ़कर 13.2 करोड़ हो गई है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य - उत्तरायणे - ऋतु - शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-51
सूर्यास्त. -18-07
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर	मे	मकर...	04-52 बजे
चंद्र-	कुंभ	मे	कुंभ...	07-32 बजे
मंगल	मिथुन (व)	मे	मीन...	09-10 बजे
बुध-	मकर	मे	मेष...	10-46 बजे
गुरु-	वृष	मे	वृष...	12-28 बजे
शुक्र-	मीन	मे	मिथुन	14-32 बजे
शनि-	कुंभ	मे	कर्क..	16-44 बजे
राहु-	मीन	मे	सिंह...	18-56 बजे
केतु-	कन्या	मे	कन्या...	21-04 बजे
			तुला....	23-08 बजे
			वृश्चिक...	01-17 बजे
			धनु......	03-32 बजे

दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया . 11-38 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - माघ शुक्ल , शनिवार 01 February
नक्षत्र - पूर्वाभाद्रपद 02-32 तक उपरान्त उ.भाद्रपद
योग - परिघ 12-24 तक उप शिव
करण- गर 11-38 तक उप वणिज
विशेष:- वरदविनायक तिल चतुर्थी
व्रत -त्योहार - गौरी तृतीया

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 09:40 से 11:05 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	06:51 - 08:14	अशुभ	लाभ	18:07 - 19:45	शुभ
शुभ	08:14 - 09:40	शुभ	उत्पात	19:45 - 21:20	अशुभ
रोग	09:40 - 11:05	अशुभ	शुभ	21:20 - 22:55	शुभ
उत्पात	11:05 - 12:30	अशुभ	अमृत..	22:55 - 00:30	शुभ
चंचल.	12:30 - 13:55	शुभ	चंचल.	00:30 - 02:05	शुभ
लाभ.	13:55 - 15:20	शुभ	रोग.	02:05 - 03:39	अशुभ
अमृत.	15:20 - 16:45	शुभ	काल	03:39 - 05:14	अशुभ
काल	16:45 - 18:07	अशुभ	लाभ	05:14 - 06:51	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज के दिन की शुरुआत उल्लेखनीय होगी। आपको पदोन्नति या नई जिम्मेदारी की पेशकश की जा सकती है और भाग्यशाली लोगों को नयी नौकरी के अद्भुत अवसर प्राप्त हो सकते है! आपकी कड़ी मेहनत की प्रशंसा चारो और हो रही है और ये समय इसका फल पाने का समय है । वितीय स्थिति में धन के प्रवाह की वजह से मजबूती आने की संभावना है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज का दिन काफी मुश्किलो से भरा रह सकता है और आपको सख्त नियमो का पालन करते हुए काफी कठिनं परिश्रम करना पड़ेगा , लेकिन यह आपके भविष्य की योजनाओं के लिए एक ठोस आधार बनाने में मदद करेगा । आज का परिश्रम आपको भविष्य में फल देगा । हो सकता है की आप अपने सहयोगी की जिम्मेदारी भी ले ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप अपने करियर की एक बड़ी सफलता के कगार पर खड़े है। ये आपके निर्णायक निर्णय पर निर्भर करेगा की आप इसे किस दिशा में ले जाना चाहते है। इसके लाभ और हानि पर आपको विश्लेषण करने की जरूरत है। आपका निर्णय आपके जीवन को प्रभावित करेगा और अगर आप सही विकल्प का चुनाव करते हैं, तो आपकी आय में अगले कुछ दिनों में काफी वृद्धि होने की संभावना है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
अगर आप इसे बारे में सतर्क और जागरूक रहे की दूसरे क्या कर रहे हैं , तो आप अपने व्यक्तिगत काम में बेहतर तरीके से सुधार कर सकते हैं। उनकी चिंताओं को समझने की कोशिश करे और एक तारतम्य स्थापित करे की आप क्या चाहते है और उन्हें क्या चाहिए । अतीत में की गई निवेश की गलतियाँ का भुगतान अब आपको करना पड़ सकता है , लेकिन आप अपनी समझदारी से स्थिति को संभाल सकते है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
जो लोग सेवा क्षेत्र में हैं , वे अपनी आय में बढ़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं हालाँकि अगर ऐसा नहीं होता है , तो आप खुलकर अपने विचारो को आवाज दे और ये सुनिश्चित रखे की इसे सुना जायेगा । काम का बोझ जो दिन के मध्य में ऊँचा रहेगा परन्तु उम्मीद है कि दिन के अंत तक वह कम होगा । आप अपने एक सुरक्षित भविष्य के लिए एक बीमा पॉलिसी में खुद को पंजीकृत कर सकते हैं।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरे हुए हैं और आज आपके हैरान होने की संभावना है , क्यों की आपके प्रबंधन कौशल की वजह से आप पाएंगे की अपने कितना कुछ पाया है । आपके सारे बकाया कार्य पूर्ण हो जाएंगे और मुश्किल परियोजनाओं के रास्ते में जो रुकावट थी , वो पूरी तरह से खत्म हो जाएंगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपका करियर आपकी योजना के अनुसार नहीं जा रहा है और आप समझ नहीं पा रहे है की ऐसा क्यों हो रहा है । नए सिरे से इसे शुरू करना सबसे अच्छा उपाय है । सबसे पहले आप अपना बायो डेटा ढ़ंग से तैयार करे और इसे सबसे अधिक प्रासंगिक व्यक्ति को दे , जो की आपने अभी तक नहीं किया है । इस समय आपको अपने करियर को नियंत्रण में लेने की जरूरत है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
एक छोटा लेकिन बेहद आकर्षक अवसर आज आप के लिए खुलने की संभावना है। निर्माण या अचल संपत्ति के कारोबार में निवेश आपके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकता है । हालांकि, अगर आप समय पर निर्णायक कार्रवाई करते है तभी आपको लाभ मिलेगा । अगर आप समय बर्बाद करेंगे तो अवसर आपके हाथ से निकल जाएंगे । संपत्ति से संबंधित ऋण भी आज मंजूर होने की संभावना है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
अपने सहयोगियों के साथ तालमेल और कदम से कदम बढाकर चलने का ये एक अच्छा समय है। समीक्षा और हताशा का लम्बा समय अब समाप्त होने की और अग्रसर है इसलिए इस खुशी में आप दोस्तों और परिवार और अपने ऊपर कुछ व्यय भी कर सकते है पर कोशिश करे की ये ज्यादा से ज्यादा एक दिन के लिए हो ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपकी आय और कैरियर को प्रभावित करने वाले ग्रहों के बीच का गठबंधन अब अपनी मजबूत केंद्र बिंदु पर आ रहा हैं। इसका मतलब यह है की अगर आप अपने कैरियर के लिए अपने समय और ऊर्जा से कार्य करते है, तो आपकी जमा राशि को बढ़ावा मिलेगा । आप में ऐसी ऊर्जा और क्षमता है की आप और अधिक कार्य करके अपनी आय में और सुधार ला सकते है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप चुस्त , विश्वसनीय , दृढ़ और सक्रिय हैं। ये गुण आपको किसी भी साक्षात्कार में आगे रखने में आपकी मदद करेंगे । आप आज अगर किसी भी साक्षात्कार के लिए जा रहे हैं तो अपनी शारीरिक भाषा पर ध्यान दे । आज का दिन सफेद रंग शुभ है और अपने कपड़ों के कुछ हिस्से में यह रंग पहने । वित्तीय मामलों आज औसत रहेंगे । आज आप संपत्ति खरीदने की योजना भी बना सकते है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज का दिन उनके लिए अछा है जो की निर्माण के व्यवसाय से जुड़े है । आज के दिन आपको जाँच परख कर निवेश करना है क्योंकि ये अवसर लघु समय के लिए है । अगर आप अपने लिए घर खरीदने की सोच रहे है तो आपको अच्छे प्रस्ताव मिल सकते है । अपने इस चीज़ के लिए जो वित्तीय रणनीति बनाई थी उनका फल अब आपको मिल सकता है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

छत्तीसगढ़ में एचएमपीवी का पहला केस

तीन साल के बच्चे की हालत गंभीर बिलासपुर में सुधार नहीं होने पर रायपुर एम्स लाने की तैयारी

रायपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में एचएमपीवी (ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस) का पहला केस सामने आया है। कोरबा के 3 साल के बच्चे की बच्चे को हालत गंभीर है। उसे बिलासपुर के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, कोरबा जिले के रहने वाले लड़के को 27 जनवरी को बिलासपुर लाया गया था। लेकिन यहां भी लगातार इलाज के बाद भी हालत में सुधार नहीं दिख रहा है। ऐसे में अब उसे रायपुर एम्स लाने पर विचार किया जा रहा है। सीएमएचओ डॉक्टर प्रमोद तिवारी ने इसकी पुष्टि शुक्रवार को की है। उन्होंने बताया कि, जांच में एचएमपीवी संक्रमण की पुष्टि होने के बाद बच्चे को अस्पताल के अन्य मरीजों से अलग आईसीयू में ले जाया गया। यहां भी बच्चे की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ है और हम उसे आगे के इलाज के लिए एम्स रायपुर ले जाने पर विचार कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि, संक्रमित बच्चे के तीन और भाई-बहन हैं। उन्हें अब निगरानी में रखा गया है।

महाकुंभ श्रद्धालुओं की भीड़ से बिहार-झारखंड बॉर्डर सील

हजारीबाग के चौपारण सीमा पर गाड़ियों की लंबी कतार, लोगों की बढ़ी मुश्किलें

हजारीबाग, 31 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण बिहार-झारखंड सीमा पर गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। बिहार सरकार ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हजारीबाग के चौपारण में अपनी सीमा को सील कर दिया है, जिससे झारखंड से बिहार की ओर जाना मुश्किल हो गया है।

कोलकाता-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-2) पर पिछले चार दिनों से जाम की स्थिति बनी हुई है। हजारीबाग जिले के पास बिहार सीमा क्षेत्र में वाहनों का परिचालन पूरी तरह से ठप हो गया है। विशेष रूप से छोटी कारों और निजी वाहनों की संख्या अधिक होने के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

चौपारण थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश के अनुसार, केवल बिहार से झारखंड आने वाले यात्रियों के लिए एक तरफ का मार्ग खुला रखा गया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती, तब तक जीटी रोड पर सफर करने से बचें। वर्तमान में कई यात्री जहां हैं, वहीं फंसे हुए हैं और उन्हें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़

रहा है। यातायात की स्थिति तभी सामान्य होगी, जब बिहार सरकार सीमा को फिर से खोलने का निर्णय लेगी। इस बीच, प्रशासन स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रयासरत है।

इधर, झारखंड बस चालक संघ के अध्यक्ष राणा बजरंगी ने बताया कि रांची से 24 बसें नियमित रूप से प्रयागराज के लिए जा रही थीं। मंगलवार को हुए हादसे और लगे लंबे जाम के बाद बुधवार को सिर्फ तीन और गुरुवार को 4 बसें ही प्रयागराज गईं। प्रत्येक दिन 1200 लोग जा रहे थे, लेकिन गुरुवार को इनकी संख्या घटकर लगभग 200 रह गई।

मंगलवार को जितनी भी बसें प्रयागराज के लिए गई थीं, उनमें से ज्यादातर बसें वापस लौटी ही नहीं हैं। इसलिए प्रयागराज जाने वाली बसें रांची में उपलब्ध नहीं हैं। उधर से लौटने के बाद ही वहां जाने के लिए अतिरिक्त बसें उपलब्ध हो सकेंगी। अबतक अधिकतर बसें रास्ते में ही फंसी हुई हैं। धनबाद से कुंभ स्नान के लिए यात्रियों को लेकर प्रयागराज जाने वाली 5 बसें मौनी अमावस्या पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण लगी जाम में फंस गईं। जिन बसों को 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज पहुंचना था, वह 30 जनवरी को पहुचीं। इन बसों को 30 को धनबाद लौटकर पुनः 31 को प्रयागराज रवाना होना था। अब से बसें 31 को धनबाद ही लौट पाएंगी। ऐसे में उनकी 31 की फेरी रद्द कर दी गई है। समय पर नहीं लौटने के कारण 5 बसों को कैंसिल कर दिया गया है।

जमशेदपुर से प्रयागराज का सफर 29 घंटे में पूरा हो रहा है। बुधवार को कदमा-सोनारी-मानगो के कुछ श्रद्धालु एक कोच बस से दोपहर 12 बजे रवाना हुए थे। रात में 10 बजे ये सभी लोग डेयरी ऑन सोन के आस-पास जीटी रोड पर लगे जाम में फंस गए थे। लोगों को बताया गया कि उत्तर प्रदेश व बिहार की सीमा में पुलिस ने जाने वाले सभी वाहनों को रोक दिया है, इस कारण जाम की स्थिति बनी हुई है। इस बस में सफर कर रही कदमा की दीपा सिंह ने बताया कि उन लोगों की बस जीटी रोड पर एक होटल के पास जाम में फंसी थी, इस कारण परेशानी कम हुई।

बस्तर में कमजोर हो रहे नक्सली संगठन

32 लाख के इनामी 7 माओवादियों का सरेंडर, जवानों को बड़ी सफलता

कांकेर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी सफलता मिल रही है। कांकेर जिले में कुल 32 लाख रुपये के सात इनामी नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली उत्तर बस्तर डिवीजन के रावघाट, परतापुर एरिया कमेटी तथा गढ़चिरौली डिवीजन में सक्रिय थे। इनमें से तीन नक्सलियों के सिर पर आठ-आठ लाख रुपये, एक नक्सली के सिर पर पांच लाख रुपये तथा तीन नक्सलियों के सिर पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित था।

उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों के सामने उत्तर बस्तर डिवीजन कमेटी सदस्य ममता उर्फ शांता उर्फ ममतक्का, मिलिट्री कंपनी नंबर 10 का सदस्य दिनेश मट्टामी, मिलिट्री कंपनी नंबर पांच का सदस्य आयतु राम पोटाई, परतापुर एरिया कमेटी सदस्या जमुना उर्फ नीरा नेताम, परतापुर एलजीएस सदस्या इतवारीन पद्दा,

एलओएस सदस्य संजय नरेटी और पानीडोबीर एलओएस सदस्य सगनु राम आंचला ने सुरक्षाबलों के सामने सरेंडर कर दिया है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नक्सली ममता, दिनेश और आयतु राम पोटाई के सर पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम है जबकि महिला नक्सली जमुना के सिर पर पांच लाख रुपए का इनाम है।

उन्होंने बताया कि नक्सली इतवारीन, संजय नरेटी और सगुन राम के सिर पर एक-एक लाख रुपए का इनाम है। अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों ने शासन की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर तथा नक्सलियों के खोखली विचारधारा से तंग आकर सरेंडर करने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ पुलिस दल पर हमला समेत क्षेत्र में कई नक्सली घटनाओं में शामिल होने का आरोप है। अधिकारियों ने बताया कि सरेंडर करने वाले नक्सलियों को राज्य सरकार की पुनर्वास नीति के तहत 25-25 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि प्रदान की गयी है। उन्हें नियमों के तहत अन्य सुविधाएं भी दी जाएगी।

इससे पहले सुकमा में भी नक्सलियों ने सरेंडर किया था। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में कुल 52 लाख रुपये के इनामी नौ नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने गुरुवार को सरेंडर किया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया था कि सुकमा जिले में पीएलजीए बटालियन नंबर एक में सक्रिय नौ नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है।

किसान से एक लाख रिश्वत लेते पटवारी, असिस्टेंट पकड़ाए

मुंगेली में जमीन का सीमांकन करने मांगे थे 5 लाख, एसीबी ने किया ट्रैप

बिलासपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुंगेली में एसीबी ने किसान से एक लाख रिश्वत लेते पटवारी और उसके असिस्टेंट को गिरफ्तार किया है। जमीन का सीमांकन करने के एवज में 5 लाख रुपए डिमांड की थी। फिर 4 लाख में सौदा हुआ। अब मामले में आरआई की भूमिका की जांच की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, रामगढ़ के रहने वाले वैभव सोनी किसान हैं। गांव में उनकी 26 एकड़ जमीन है। उन्होंने अपनी जमीन का सीमांकन कराने के लिए पटवारी सुशील जायसवाल और आरआई नरेश साहू से संपर्क किया।

जिस पर आरआई और पटवारी ने उनसे जमीन का सीमांकन करने के एवज में पांच लाख रुपए की मांग की। वैभव सोनी उन्हें अवैध तरीके से पैसे नहीं देना चाहता था। इसके बाद उसने 19 नवंबर को मामले की शिकायत बिलासपुर में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) से की। एसीबी ने शिकायत की जांच और सत्यापन कराने के बाद पटवारी और आरआई को ट्रैप करने से पहले वीडियो-ऑडियो रिकॉर्डिंग कर सबूत जुटाने कहा। इस पर किसान ने दोबारा पटवारी से संपर्क किया। तब पटवारी और आरआई ने 4 लाख रुपए में सौदा तय किया।

सत्यापन कराने के बाद एसीबी ने शिकायत को सही पाया। इसके बाद पटवारी ने किसान को पैसे लेकर ऑफिस बुलाया। अपने असिस्टेंट गुलाब दास मानिकपुरी को पैसे देने के लिए कहा। इस दौरान एसीबी की टीम इस पर नजर रख रही थी। जैसे ही वैभव ने पैसे निकालकर गुलाब दास को दिए एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद टीम ने पटवारी सुशील जायसवाल को भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

एसीबी के अफसरों ने बताया कि, इस केस में आरआई नरेश साहू का भी नाम आया है। लेकिन, जब रेड की कार्रवाई की गई, तब वो मौके पर नहीं था। लिहाजा, नरेश साहू की भूमिका की जांच की जा रही है। आरोपी पटवारी के बयान के आधार पर उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

ज्वेलरी शॉप से 10 सेकेंड में 30 लाख की लूट

दुकान का एक शटर दुकानदार ने खोला था, वारदात सीसीटीवी में कैद

बेगूसराय, 31 जनवरी (एजेंसियां)। बेगूसराय के एक ज्वेलरी शॉप में 10 सेकेंड में 30 लाख से अधिक की लूट हुई है। अपराधी सोने की ज्वेलरी से भरा थैला लेकर भाग गया। दुकान में 2 शटर थे। दुकानदार ने एक ही शटर खोला था। दूसरा खोलने गया था। इसी बीच एक अपराधी आया और थैला लेकर भाग गया।

पीड़ित दुकानदार किरण साह ने बताया कि बैग में सोना का 400 ग्राम के जेवरात और लॉकर की चाबी थी। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

48 घंटे में सुलझा शब्बीर आलम हत्याकांड

गैंग से अलग होने पर साथियों ने की थी हत्या, 5 आरोपी गिरफ्तार, हथियार बरामद

जमशेदपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। सरायकेला के कपाली थाना क्षेत्र में हुए शब्बीर आलम हत्याकांड का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी एक ही गिरोह के सदस्य थे और शब्बीर आलम भी इसी गिरोह का हिस्सा था।

चांडिल सर्किल इंस्पेक्टर अजय कुमार तिवारी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में सलामत अंसारी उर्फ आर्यन, फरहान अली, गुलाम खान उर्फ तन्नी, इस्तामुल मल्लिक और अरबाज खान उर्फ बाजू शामिल हैं। फरहान अली का पहले से आपराधिक रिकॉर्ड है। पुलिस ने आरोपियों के पास से हत्या में प्रयुक्त चाकू और चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

घटना मंगलवार को रामू चौक के पास गौसनगर फुटबॉल मैदान के निकट हुई, जहां आरोपियों ने शब्बीर आलम पर चाकू से हमला किया। गंभीर रूप से घायल शब्बीर को एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। जांच में पता चला कि कुछ समय पहले गिरोह में मनमुटाव के बाद शब्बीर अलग हो गया था। इसी कारण अन्य सदस्यों ने उसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई और घर से बुलाकर उसकी हत्या कर दी।

हत्या के बाद मृतक के परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कपाली थाने का घेराव किया था।

पुलिस ने बताया कि थाने का घेराव करने वालों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

न नौकरी बची, न शादी और इज्जत का फालूदा

सैफ अली खान मामले में गलतफहमी का शिकार हुए आकाश कनौजिया की आपबीती

रायपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग निवासी आकाश कनौजिया को सैफ अली खान मामले के संदिग्ध समझकर गलती से आरपीएफ ने हिरासत में ले लिया। मुंबई पुलिस द्वारा भेजी गई तस्वीर के आधार पर यह गलतफहमी हुई। हालांकि बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया, लेकिन इस घटना ने उनकी जिंदगी में भूचाल ला दिया। नौकरी गई, शादी टूटी और समाज में बदनामी झेलनी पड़ी। यह घटना 18 जनवरी को दुर्ग रेलवे स्टेशन पर ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के आने के बाद घटी।

आकाश कनौजिया जो चांपा जा रहे थे। पर अचानक खुद को पुलिस हिरासत में पाते हैं। आरपीएफ ने मुंबई पुलिस द्वारा भेजी गई एक तस्वीर के आधार पर उन्हें सैफ अली खान पर मामले का संदिग्ध माना। इस मामले में कई बेकसूर लोग पुलिस की जल्दबाजी और गलत कार्रवाई का शिकार हुए हैं। आकाश कनौजिया भी उन्हीं लोगों में से एक हैं। दुर्ग रेलवे स्टेशन पर 18 जनवरी की दोपहर ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस पहुंची। मुंबई पुलिस को सूचना मिली थी कि संदिग्ध इसी ट्रेन से भाग रहा है। इस सूचना के आधार पर आरपीएफ ने ट्रेन की हर बोगी की जांच की। फोटो से मिलान करते हुए आरपीएफ ने आकाश को हिरासत में ले लिया। आकाश ने पुलिस को बताया कि वह मुंबई के कोलाबा का रहने वाला है और चांपा अपने किसी रिश्तेदार के यहां जा रहा था। इसके बावजूद आरपीएफ ने उसे मुंबई पुलिस के हवाले कर दिया। मुंबई पुलिस ने देर रात तक आकाश से पूछताछ की। लेकिन अगले दिन बिना किसी कार्रवाई के उसे छोड़ दिया गया। पुलिस ने माना कि वह असली आरोपी नहीं है। हालांकि पुलिस की गिरफ्त से रिहाई के बाद भी आकाश की मुश्किलें कम नहीं हुईं। उस पर बदनामी का दाग लग गया। इस घटना ने उसकी जिंदगी को बुरी तरह प्रभावित किया।

आकाश की नौकरी छूट गई। उसकी शादी तय थी, लेकिन पुलिस हिरासत की खबर सुनकर लड़की वालों ने रिश्ता तोड़ दिया। यहां तक कि उसके अपने परिवार और दोस्त भी उससे दूरी बनाने लगे। रेलवे पुलिस की एक छोटी सी गलती ने आकाश की जिंदगी तबाह कर दी।

कोक फैक्टरी में ट्रक खलासी की मौत का मामला

परिजनों का आरोप- पहले भट्ठे में जलाया, फिर शव को ट्रक में रखा, 5 .50 लाख मुआवजे पर समझौता

धनबाद, 31 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद के बरवाअड्डा स्थित जगन्नाथ कोक इंडस्ट्री में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। हजारीबाग के बरकट्ठा निवासी ट्रक खलासी महेंद्र यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में जलकर मौत हो गई। मृतक के परिवार ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी हत्या कर शव को जलाया गया।

हालांकि, शाम को फैक्टरी प्रबंधन और परिजनों के बीच वार्ता के बाद 5.50 लाख रुपये के मुआवजे पर सहमति बनी, जिसके बाद परिवार ने केस वापस ले लिया। घटना की जानकारी देते हुए मृतक के बेटे पवन यादव ने बताया कि उनके पिता ने अंतिम फोन कॉल में ट्रांसपोर्टर द्वारा मारपीट की सूचना दी थी और मदद मांगी थी। इसके बाद उनका फोन बंद हो गया। परिजनों का आरोप है कि पहले फैक्टरी के भट्ठे में हत्या की गई, फिर सबूत मिटाने के लिए शव को ट्रक में रखकर जला दिया गया। मामले में कई संदेहास्पद तथ्य सामने आए हैं।

साढ़े पांच फीट के व्यक्ति का शरीर जलने के बाद मात्र दो फीट का मिला। मृतक के सहकर्मी महेंद्र प्रसाद ने आशंका जताई कि फैक्टरी में चल रही किसी अवैध गतिविधि को देख लेने के कारण उनकी हत्या की गई है। घटना के समय ट्रक का ड्राइवर और मालिक अपने घर बरकट्ठा गए हुए थे।

नगरीय निकाय चुनाव, 7 जगह बिना वोटिंग बीजेपी की जीत

रायगढ़ के 2, भिलाई निगम से एक कांग्रेस पार्षद प्रत्याशी ने नाम वापस लिया

रायपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव में नाम वापसी का आज आखिरी दिन है। आज शाम तक चुनाव चिन्ह भी जारी हो जाएगा। 11 फरवरी को वोटिंग और 15 फरवरी को इसके नतीजे आ जाएंगे। लेकिन इससे पहले ही 7 जगह बीजेपी प्रत्याशियों की जीत हो चुकी है।

नाम वापसी के आखिरी दिन फिर कांग्रेस को झटके लगे हैं। रायगढ़ नगर निगम से 2 पार्षद प्रत्याशी और भिलाई से एक कांग्रेस कैंडिडेट ने नाम वापस लिया है। ऐसे में तीनों जगह बीजेपी कैंडिडेट को वॉकओवर मिल गया है। रायगढ़ में इस दौरान कांग्रेस-बीजेपी में विवाद के भी हालात बने। महापौर पद के लिए 109, अध्यक्ष पद के लिए 816 कैंडिडेट हैं। पार्षद पद के लिए

10 हजार से ज्यादा लोगों ने नामांकन दाखिल किया है। इससे पहले कल, धमतरी में कांग्रेस मेयर कैंडिटेट विजय गोलछा और विश्रामपुर नगर पंचायत में अध्यक्ष प्रत्याशी का नामांकन रद्द हो चुका है।

रायगढ़ में भाजपा और कांग्रेस के नेताओं के बीच उस समय विवाद के हालात बने जब वार्ड 23 के पार्षद पद के कांग्रेस प्रत्याशी शरद महापात्रे भाजपा नेताओं के साथ नामांकन वापस लेने पहुंचे थे।

बिलासपुर निगम वार्ड नंबर 13-कांग्रेस उम्मीदवार श्याम पटेल ने नामांकन फॉर्म के साथ जाति प्रमाण पत्र जमा नहीं किया। इससे नामांकन निरस्त हो गया और बीजेपी प्रत्याशी रमेश पटेल को वॉकओवर मिल गया।

कटघोरा नगर पालिका वार्ड नंबर 13- भाजपा प्रत्याशी का एकमात्र नामांकन दाखिल हुआ, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल ही नहीं किया।

कटघोरा नगर पालिका के ही वार्ड 18- कटघोरा के ही वार्ड-18 में भी बीजेपी को ही वॉकओवर मिला। यहां कांग्रेस प्रत्याशी ने बुधवार को नामांकन वापस ले लिया।

दुर्ग नगर निगम वार्ड नंबर 21- कांग्रेस प्रत्याशी मीरा सिंह ने नामांकन वापस लिया। इससे भाजपा प्रत्याशी विद्यावती सिंह बिना वोटिंग ही जीत गईं। इस वार्ड से भी किसी प्रत्याशी ने नामांकन नहीं भरा था।

कैटरिंग कर्मी की गोली मारकर हत्या

रेलवे फाटक के पास मिला युवक का शव, तीन दिन पहले हुआ था विवाद

जामताड़ा, 31 जनवरी (एजेंसियां)। जामताड़ा में 25 वर्षीय कैटरिंग कर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मिहिजाम थाना क्षेत्र के हांसी पहाड़ी रेलवे फाटक के पास झाड़ियों से शुक्रवार को राहुल उर्फ लेफ्टी सिंह का शव बरामद हुआ।

मृतक की कनपटी पर गोली लगने का निशान मिला है। राहुल कृष्णा नगर की 6 नंबर स्ट्रीट में अपनी दादी और भाई के साथ रहता था, जबकि उसके माता-पिता पटना में निवास करते हैं। पांच साल पहले कल्याणश्वरी मंदिर में श्रेया सिंह से उसकी शादी हुई थी और उनका एक ढाई साल का बच्चा है। घटना से तीन दिन पहले डाबर मोड़ निवासी सुमित गुप्ता से राहुल का विवाद हुआ था, जिसमें सुमित ने उसे जान से मारने की धमकी दी थी। मृतक की पत्नी श्रेया के अनुसार, राहुल अपने एक दोस्त के झगड़े में बीच-बचाव करने गया था। घटना वाली रात एक मामूली विवाद के बाद श्रेया ने राहुल का नंबर ब्लॉक कर दिया था।

पुलिस ने मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जो मृतक के साथ कैटरिंग सर्विस में काम करते थे। थाना प्रभारी विवेकानंद दूबे के अनुसार, फॉरेंसिक टीम घटनास्थल से सबूत जुटा रही है और पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और जल्द ही अपराधियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

चाचा की मौत का बदला लेने दोस्त को मार डाला

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 31 जनवरी (एजेंसियां)। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में एक युवक ने अपने चाचा की मौत का बदला लेने के लिए दोस्त की हत्या कर दी। घटना 1 जनवरी पेंड्रा थाना क्षेत्र की है, आरोपी नरेंद्र (21) ने न्यू ईयर पार्टी के बहाने सलीम (57) को कुछ दोस्तों के साथ जंगल ले गया। वहां उसे शराब पिलाई और चाचा की मौत के बारे में पूछताछ की, फिर गुस्से में आकर उसे सोन नदी में धक्का दे दिया।

कुछ दिन पहले सोननदी डैम के पास सलीम खान का शव संदिग्ध हालत में मिला था, जिसके बाद घटनास्थल के आसपास के मोबाइल लोकेशन को ट्रेस किया गया। आसपास के लोगों से पूछताछ के बाद पुलिस आरोपी तक पहुंच पाई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आरोपी नरेंद्र, उसके चाचा आलोक और दोस्त नरेंद्र तीनों सेवरा दुबटिया गांव के रहने वाले हैं। 8 महीने आलोक और सलीम बिलासपुर जा रहे थे, तब एक अज्ञात ट्रक की टक्कर से उसके चाचा की मौत हो गई थी। नरेंद्र इस हादसे में सलीम को दोषी मानता था।

जांच में खुलासा हुआ कि इसी का बदला लेने के लिए आरोपी ने यह वारदात की। चाचा की मौत के बाद से आरोपी नरेंद्र, सलीम पर शक करता था। जिसके बाद उसने वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस के मुताबिक, न्यू ईयर की रात निगवा डोंगरी जंगल में दोस्तों का खाना-पीना चल रहा था। तभी आरोपी नरेंद्र पार्टी के बहाने सलीम को भी ले गया, वहां उसे खूब शराब पिलाई गई। कुछ देर बाद बाकी दोस्त चले गए।

तब नरेंद्र सलीम को सोन नदी के चेक डैम के पास ले गया, वहां चाचा की मौत के बारे में पूछताछ की और गुस्से में आकर मारपीट की। फिर सलीम को 25-30 फीट ऊंचाई से धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

एसपी भावना गुप्ता के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने जांच में पाया कि यह हत्या का मामला है। साइबर सेल और पेंड्रा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने घटनास्थल के आसपास के मोबाइल लोकेशन ट्रेस किया। संभावित गवाहों से पूछताछ के बाद आरोपी तक पहुंच पाई।

सरस्वती पूजा की तैयारियां जोरों पर

3 फरवरी को पूजा, 60 साल से मूर्तिकला में माहिर परिवार कर रहा प्रतिमा तैयार

कोडरमा, 31 जनवरी (एजेंसियां)। कोडरमा में बसंत पंचमी पर होने वाली सरस्वती पूजा की तैयारियां जोरों पर हैं। विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में मूर्तिकार दिन-रात जुटे हुए हैं। झुमरीतिलैया के ब्लॉक रोड पर स्थित मूर्तिकार कृष्णा पंडित का परिवार पिछले 60 वर्षों से इस पारंपरिक कला को संजोए हुए हैं। कृष्णा पंडित के पुत्र राजेश पंडित ने बताया कि उनकी कार्यशाला में 3 फीट से लेकर 7 फीट तक की विभिन्न आकार की प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। प्रतिमाओं की कीमत 1,100 रुपए से लेकर 6 हजार रुपए तक है। शहर के विभिन्न पूजा पंडालों, विद्यालयों और घरों से मिले ऑर्डर के अनुसार प्रतिमाएं तैयार की जा रही है। उन्होंने बताया कि अधिकांश प्रतिमाओं की बुकिंग पहले ही हो चुकी है। इस बीच, स्थानीय प्रशासन भी पूजा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्क है। पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। पूजा पंडालों और विद्यालयों में भी सजावट का काम तेजी से चल रहा है। मूर्तिकारों ने पिछले एक महीने से प्रतिमाओं के निर्माण का कार्य शुरू कर रखा था, जो अब अंतिम चरण में है।

पड़ोसी के घर मिली शादीशुदा महिला की नग्न लाश

रायपुर में अवैध संबंध में हत्या, पलंग में हाथ बंधे हुए थे, रेप की भी आशंका

रायपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। रायपुर में शादीशुदा महिला को नग्न करके बेरहमी से हत्या कर दी गई है। पुलिस को शक है कि पड़ोसी युवक का महिला से अवैध संबंध था। उसने रेप के बाद महिला के दोनों हाथ को पलंग पर बांध दिया। फिर उसके सिर पर किसी भारी चीज से मारकर हत्या कर दी। महिला की लाश पड़ोसी युवक के घर पर ही मिली।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक महिला अपने पति और दो बच्चों के साथ अभनपुर थाना क्षेत्र में रहती थी। उसका पति एक निजी फैक्ट्री में ऑपरेटर का काम करता है। 27 जनवरी को अपने कंपनी के काम से नागपुर गया हुआ था।

घर पर उसकी पत्नी और 2 छोटे बच्चे (उम्र 10 और 2 साल) थे। 28 जनवरी को सुबह 10 बजे के करीब महिला का अपने पति से फोन पर बातचीत हुई। शाम 5 बजे उसके एक बेटे ने फोन पर बताया कि मां कहीं चली गई है। छोटा भाई रो रहा है।

महिला का पति वापस अपने गांव लौटा। उसने अपने रिश्तेदारों और परिचितों के घर पर फोन लगाकर पत्नी की तलाश की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। तभी गांव के लिए एक व्यक्ति ने बताया कि पड़ोस के उत्तम साहू के घर पर एक महिला की लाश मिली है। आसपास खून बिखरा हुआ है। उसकी बेरहमी से हत्या हो गई है। साथ ही उत्तम साहू घर से फरार है। पति ने पत्नी को पहचान लिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि महिला और उत्तम साहू फोन पर आपस में बातचीत करते थे। इस पर महिला के पति ने रोक-टोक की थी। आशंका है आरोपी उत्तम ने पहले महिला को अपने घर में बुलाया होगा। फिर उससे रेप की घटना को अंजाम दिया। महिला के विरोध के बाद उसके हाथ को रस्सी से पलंग पर बांध दिया। फिर उसके सिर पर किसी भारी चीज से मारकर हत्या कर दी। संदिग्ध आरोपी उत्तम साहू फिलहाल फरार है, पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

ट्रम्प दोस्त या खतरा, सवाल पर जयशंकर का जवाब

वे भारत के लिए आउट ऑफ सिलेबस, मोदी के साथ उनके अच्छे रिश्ते

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को 'अमेरिकी राष्ट्रवादी' बताया है और कहा है कि उनकी कुछ नीतियां भारत के लिए आउट ऑफ सिलेबस हो सकती हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी के हंसराज कॉलेज में एक डायलॉग सेशन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने अमेरिका के साथ भारत के रिश्ते को मजबूत बताया। जब विदेश मंत्री से डॉयलॉग सेशन में सवाल पूछा गया कि ट्रम्प को आप भारत के लिए किस रूप में देखते हैं- एक दोस्त या फिर खतरा? इस पर जयशंकर ने कहा- (मुस्कुराते हुए) भाई अभी उनके मेहमान बनके आए हैं। उनके शपथ ग्रहण में गए थे। अच्छा ट्रीटमेंट दिया हमको। अब उसी का अपना मैसेज होता है न।

जयशंकर ने आगे कहा-वे (ट्रम्प) राष्ट्रवादी हैं। ट्रम्प को लगता है कि अमेरिका ने पिछले 80 साल से पूरी दुनिया की एक तरीके से जिम्मेदारी ले रखी है। यह फिजूल है। जो दुनिया पर खर्च होता है, वह अमेरिका में होना चाहिए। ये उनकी सोच है। रही बात हमारी तो भारत के संबंध अमेरिका से अच्छे हैं।

मोदी जी के ट्रम्प से व्यक्तिगत संबंध हैं। जयशंकर ने यह माना कि ट्रम्प की कई नीतियां वैश्विक मामलों में अहम बदलाव ला सकती हैं। विदेश मंत्री ने कहा, वह बहुत सी चीजें बदलेंगे। हो सकता है कि कुछ चीजें आउट ऑफ सिलेबस हों लेकिन हमें देश के हित में विदेश नीतियों के संदर्भ में खुला रहना होगा। उन्होंने कहा कि कुछ मुद्दे हो सकते हैं जिन पर हम एकमत न हों लेकिन कई क्षेत्र ऐसे होंगे जहां चीजें हमारे दायरे में होंगी।

सत्र के दौरान, जयशंकर ने भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और देश के बारे में बदलती धारणाओं के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'यहां तक कि अब गैर-भारतीय भी खुद को भारतीय कहते हैं, उन्हें लगता है कि इससे उन्हें विमान में सीट मिल जाएगी'। जयशंकर ने शिक्षा क्षेत्र से नौकरशाह बनने और फिर राजनीति में आने को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा- मैंने कभी नहीं सोचा था कि ब्यूरोक्रेट बनूंगा।

पॉलिटिक्स में मेरी एंट्री बस एक संयोग था, अब इसे भाग्य कहें, या मोदी कहें। उन्होंने (पीएम मोदी) इस तरह से मुझे आगे बढ़ाया कि मना नहीं कर सका।

बिहार में खाने की प्लेट पर सियासी बवाल

आरजेडी का 6000 वाला झूठ, बीजेपी ने पेश किया 551 रुपये वाला सबूत

पटना, 31 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में इन दिनों 'प्लेट पॉलिटिक्स' शुरू हुई है। इस पॉलिटिक्स में बीजेपी का पलड़ा अब भारी दिखने लगा है। आरजेडी के नेता शक्ति यादव की ओर से पीएम मोदी के बिहार आगमन पर दिए गए भोज में परोसे गए प्लेट की कीमत पर सवाल खड़ा किया गया था। आरजेडी की ओर से खाने के प्लेट की रेट को प्रति प्लेट 6 हजार रुपये बताया गया था। शक्ति यादव ने इसे बड़ा खुलासा करार दिया था। अब बिहार बीजेपी प्रवक्ता नीरज कुमार ने महालेखाकार की रिपोर्ट के साथ प्रेस कांफ्रेंस किया। नीरज कुमार ने आरजेडी के एक- एक झूठ को सबूत के साथ पर्दाफाश किया है।

बिहार विधानसभा के शताब्दी समारोह के अवसर पर वर्ष 2022 में आयोजित समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी शामिल हुए थे। उस दौरान एक भोज का आयोजन किया गया था। उस भोज में परोसे गए प्लेट को लेकर आरजेडी नेता शक्ति यादव ने सवाल खड़ा करते हुए आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी के कार्यक्रम में 6 हजार प्रति प्लेट भोजन कराया गया था। उस वक्त बिहार विधानसभा के अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा थे। आरजेडी के इन आरोपों का सबूत के साथ बीजेपी प्रवक्ता नीरज कुमार ने जवाब दिया है। बीजेपी प्रवक्ता नीरज कुमार ने आरजेडी के आरोपों के जवाब में कहा कि तथ्य से विपरीत बातें करना और भ्रम फैलाना और अफवाह फैलाना यह आरजेडी काम रह गया है। 9वीं फेल आरजेडी के नेता का गणित कैसा है, आइए मैं आपको समझाता हूं। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी जब आए थे बिहार में उसके बाद जो भुगतान किया गया था। वो भुगतान किया गया था, 9 लाख 87 हजार 289 रुपया। इसमें 18 हजार 806 रुपये जीएसटी भी शामिल है।

बांग्लादेश में होगी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की वापसी

1971 के पहले जैसा बन रहा प्लान, समझें भारत के लिए खतरा

ढाका, 31 जनवरी (एजेंसियां)। मोहम्मद यूनुस के राज में पाकिस्तानी सेना बांग्लादेश में अपने नापाक मंसूबों को अंजाम देने में जुट गई है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि कुख्यात पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई बांग्लादेश में सक्रिय हो गई है। पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) भारत को अस्थिर करने का प्लान बना रही है। इसके लिए आईएसआई बांग्लादेश के रणनीनित क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति को फिर से स्थापित करने की कोशिश कर रही है, जो भारत के सुरक्षा हितों के लिए खतरनाक हो सकता है।

आईएसआई उन ठिकानों में अपने ऑपरेशन को फिर स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो संभावित रूप से भारत में मौजूद विद्रोही समूहों के लिए प्रशिक्षण मैदान के रूप में काम कर सकते हैं। हाल ही में आईएसआई चीफ लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक ने ढाका का दौरा किया था। ईटी को पता चला है कि इस दौरान दोनों पक्षों ने कॉक्स बाजार, उखिया, टेकनाफ, मौलवी बाजार, हबीगंज और शेरपुर में आईएसआई की मौजूदगी की संभावना पर चर्चा की। 1971 में बांग्लादेश के रूप में अलग देश बनने से पहले इन रणनीतिक क्षेत्रों में पाकिस्तानी सेना की मौजूदगी थी, जो उस समय पूर्वी पाकिस्तान का हिस्सा थे। पाकिस्तानी सेना ने नागालैंड और मिजोरम जैसे पूर्वोत्तर राज्यों में सक्रिय विद्रोही समूहों को समर्थन देकर भारत के लिए चुनौती पैदा की थी। हाल ही में आईएसआई के शीर्ष अधिकारियों की ढाका यात्रा में बांग्लादेशी सेना के अधिकारियों के साथ भारत की पूर्वोत्तर और पूर्वी सीमाओं पर आईएसआई के नेटवर्क के विस्तार पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने ढाका में पाकिस्तानी सेना की तेजी से घुसपैठ पर चिंता जताई है।

चीन दुश्मनों से लड़ने के लिए बना रहा 'प्रलयकारी' कमांड सेंटर

अमेरिकी पेंटागन से 10 गुना बड़ा, 'बीजिंग मिलिट्री सिटी' ने डराया

बीजिंग, 31 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया में वर्चस्व स्थापित करने के लिए चीन विनाशक तैयारियां कर रहा है। चीन की तैयारियों को देखकर यही लगता है, कि उसका मकसद भविष्य में खुद को एक ऐसी शक्ति के तौर पर स्थापित करना है, जिसके सामने कोई उठने का साहस ना कर सके। अमेरिकी अधिकारियों ने दावा किया है, कि पश्चिमी बीजिंग में चीन की सेना एक विशाल कमांड सेंटर का निर्माण कर रही है, जो अमेरिकी पेंटागन से कम से कम 10 गुना ज्यादा बड़ा है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना है, कि ये विशाल परिसर चीन का युद्ध कमांड सेंटर होगा। फाइनेंशियल टाइम्स ने सैटेलाइट तस्वीरों के हवाले से सनसनीखेज रिपोर्ट दी है, जिसकी जांच अब अमेरिकी खुफिया एजेंसियां कर रही हैं।

फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, चीन का ये कमांड सेंटर राजधानी बीजिंग से करीब 30 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में बन रहा है और ये निर्माण स्थल करीब 607 हेक्टेयर का है। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है, कि यहां तेजी से काम चल रहा है और यहां बड़े बड़े गड्ढे हैं। मिलिट्री एक्सपर्ट्स का आकलन है, कि इन गड्ढों को मजबूत बंकरों में तब्दील किया जाएगा, ताकि युद्ध के समय बड़े चीनी नेताओं को सुरक्षित किया जा सके। माना जा रहा है, कि परमाणु युद्ध के खतरों को देखते हुए इन बंकरों का निर्माण किया जा रहा है।

अमेरिकी अधिकारियों का कहना है, कि चीन के इस कमांड सेंटर पर खुफिया समुदाय की बारीकी से नजर है। उनका कहना है, कि ये दुनिया का सबसे बड़ा सैन्य कमांड सेंटर होगा, जो अमेरिकी पेंटागन से कम से कम 10 गुना ज्यादा बड़ा है। फाइनेंशियल टाइम्स ने सैटेलाइट तस्वीरों के हवाले से जानकारी दी है, कि पिछले साल से ही इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो चुका है। इस कमांड सेंटर से परिचित तीन अधिकारियों ने एफटी को बताया है, कि कुछ खुफिया विश्लेषकों ने इस प्रोजेक्ट को बीजिंग मिलिट्री सिटी नाम दिया है। चीन ये मिलिट्री कमांड सेंटर उस वक्त बना रहा है, जब पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) अपनी स्थापना के 100 साल 2027 में पूरा करने जा रहा है। चीन इस दौरान नये नये विनाशक हथियार और सैन्य प्रोजेक्ट्स सामने ला रहा है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का तो यहां तक मानना है, कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पीएलए को साल 2027 तक ताइवान पर हमला करने की क्षमता विकसित करने का भी आदेश दिया है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के चीन मामलों के पूर्व प्रमुख डेनिस वाइल्डर ने कहा है, कि अगर पुष्टि हो जाती है, कि चीन मिलिट्री कमांड सेंटर बना रहा है, तो राष्ट्रपति शी जिनपिंग के समेत तमाम बड़े चीनी नेताओं और सैन्य नेतृत्व के लिए ये एक एडवांस भूमिगत बंकर के तौर पर काम करेगा। इसके अलावा, इसमें एडवांस न्यूक्लियर युद्ध लड़ने की क्षमता होगी।

बिहार अतिथि शिक्षक बहाली: पटना हाई कोर्ट ने दी गेस्ट टीचर को राहत

सेवा समाप्त का आदेश किया रद्द

पटना, 31 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के अतिथि शिक्षकों के लिए राहत भरी खबर है। पटना हाई कोर्ट ने अतिथि शिक्षकों को हटाने के आदेश को रद्द कर दिया है, जिससे अब सरकारी स्कूलों में कार्यरत गेस्ट शिक्षकों की सेवाएं बनी रहेंगी। हाई कोर्ट के इस फैसले से 12वीं कक्षा के 4,257 अतिथि शिक्षकों को सीधा लाभ मिलेगा। दरअसल, मार्च 2024 में राज्य के शिक्षा विभाग ने एक आदेश जारी कर अतिथि शिक्षकों की सेवाएं समाप्त करने का निर्णय लिया था। इस फैसले को चुनौती देते हुए शिक्षकों ने पटना हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। पटना हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि बिना उचित सुनवाई का मौका दिए किसी भी शिक्षक की सेवा समाप्त नहीं की जा सकती। साथ ही, राज्यपाल की मंजूरी से जारी अधिसूचना को मात्र कार्यकारी आदेश से निरस्त नहीं किया जा सकता।

काश पटेल बोले- मुझे लोगों ने नस्लीय गाली दी

सीनेट में बयान दिया, जय श्री कृष्णा से स्पीच शुरू की, कलावा पहने नजर आए

वॉशिंगटन, 31 जनवरी (एजेंसियां)। ट्रम्प प्रशासन में एफबीआई डायरेक्टर के लिए चुने गए काश पटेल ने गुरुवार को सीनेट में बताया कि उन्हें नस्लवाद का सामना करना पड़ा था। एफबीआई डायरेक्टर के पद पर काश पटेल की नियुक्ति की मंजूरी को लेकर सीनेट में गुरुवार से सुनवाई शुरू हुई है। सुनवाई के दौरान रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने पटेल से पूछा कि, क्या उन्होंने कभी व्यक्तिगत रूप से नस्लवाद का अनुभव किया है। इस पर सीनेट की ज्यूडिशियरी कमेटी के सामने पटेल ने कहा कि, दुर्भाग्य से उन्हें इसका सामना करना पड़ा है।

पटेल ने बताया कि 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल में हुई हिंसा की जांच के दौरान उन्होंने कमेटी के सामने बयान दिए थे। कांग्रेस (अमेरिकी संसद) ने उनकी निजी जानकारियां सार्वजनिक कर दी थी। इसके बाद पटेल को जान से मारने की धमकियां मिली। साथ ही उन्हें डिटेस्टेबल सेंड निगर कहा गया। यह एक नस्लभेदी गाली है जिसका इस्तेमाल मिडिल ईस्ट, नॉर्थ अफ्रीका और साउथ एशिया के लोगों को अपमानित करने के लिए किया जाता है।

काश पटेल ने अपनी स्पीच की शुरुआत 'जय श्री कृष्णा' के नारे से की। वे कलावा पहने हुए नजर भी आए। उन्होंने वॉशिंगटन डीसी में प्लेन और हेलिकॉप्टर के क्रैश में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। साथ ही मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदनाएं भी व्यक्त की।

सुनवाई के दौरान उनके माता-पिता सीनेट में मौजूद थे। काश पटेल की मां अंजना पटेल और पिता विनोद पटेल भारत से अमेरिका पहुंचे थे। उनकी बहन और परिवार के दूसरे लोग भी वहां मौजूद थे। पटेल ने माता-पिता और परिवार के अन्य लोगों का सीनेट में स्वागत भी किया। पटेल ने कहा कि लॉ एनफोर्समेंट (कानून प्रवर्तन) एजेंसियों के खिलाफ किसी भी तरह की हिंसा को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

पंचायत समिति सदस्य की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

चिप्स से लदे ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, दो नाबालिग बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

गोड्डा, 31 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के गोड्डा जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बोहा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य की मौत हो गई। शुक्रवार को पथरगामा प्रखंड के होपना टोला के पास हुई इस दुर्घटना में तेलोलिया निवासी 40 वर्षीय हरिश्चंद्र महतो की मौके पर ही मौत हो गई। घटना उस समय हुई, जब हरिश्चंद्र महतो अपनी हीरो स्प्लेंडर प्लस बाइक से तेलोलिया से गोड्डा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान चिप्स से लदी डीबीएल कंपनी के एक ट्रक ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वे सड़क पर गिर पड़े और ट्रक के पिछले पहिए के नीचे आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

दुर्घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने गांधीग्राम-परसपानी सड़क को जाम कर दिया। मृतक के परिवार में 18 वर्षीय पुत्र और 16 वर्षीय पुत्री है। परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य होने के कारण घर की सारी जिम्मेदारी उन्हीं पर थी। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर छा गई है। सूचना मिलते ही प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश कुमार गौतम, पुलिस निरीक्षक विष्णु देव चौधरी और थाना प्रभारी मनोहर कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों को सरकारी मुआवजे का आश्वासन देकर सड़क जाम समाप्त करवाया।

सुनीता विलियम्स का स्पेसवॉक में रिकॉर्ड

9वीं बार 5 .5 घंटे आईएसएस से बाहर रहीं, अब तक स्पेस स्टेशन से बाहर 62 घंटे 6 मिनट बिताए

वॉशिंगटन, 31 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर गुरुवार शाम भारतीय समय के मुताबिक 6 बजकर 30 मिनट से स्पेसवॉक शुरू किया। इस दौरान उनके साथ एस्ट्रोनॉट बुच विल्मोर भी थे। करीब 5.5 घंटे तक चलने वाले इस स्पेसवॉक के दौरान दोनों आईएसएस के बाहरी हिस्से को साफ किया और सूक्ष्मजीव प्रयोग के लिए नमूने लिए। रिपोर्ट्स के मुताबिक इससे पता चलेगा कि आईएसएस पर सूक्ष्मजीव जीवित हैं या नहीं। इसके अलावा आईएसएस से टूटा हुआ एंटीना भी अलग किया।

सुनीता विलियम्स का यह 9वां स्पेसवॉक था। उन्होंने अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन के 60 घंटे और 21 मिनट को रिकॉर्ड को तोड़ते हुए सबसे ज्यादा समय तक स्पेसवॉक करने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वे अब तक अंतरिक्ष में कुल 62 घंटे 6 मिनट की स्पेसवॉक कर चुकी है। बुच विल्मोर का यह पांचवां स्पेसवॉक है। सुनीता विलियम्स का यह 15 दिन के भीतर दूसरा स्पेसवॉक है। उन्होंने 16 जनवरी को एस्ट्रोनॉट निक हेग के साथ साढ़े 6 घंटे तक स्पेसवॉक किया था। इन दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को 23 जनवरी को स्पेसवॉक करना था लेकिन उनकी तैयारी के लिए इस दिन को 7 दिनों के लिए आगे बढ़ा दिया गया। नासा ने कहा कि अगर वहां सूक्ष्मजीव मिलते हैं तो प्रयोग से समझने में मदद मिलेगी कि वे अंतरिक्ष के वातावरण में कैसे जीवित रह पाते हैं और कैसे प्रजनन करते हैं। यह भी जानने की कोशिश की जाएगी कि वे अंतरिक्ष में कितनी दूर तक यात्रा कर सकते हैं। यह भी जांच की जाएगी कि ये सूक्ष्मजीव चंद्रमा और मंगल जैसे ग्रह पर जीवित रह पाएंगे या नहीं। सुनीता विलियम्स करीब 8 महीने से अंतरिक्ष में हैं।

वे पिछले साल 5 जून को बुच विल्मोर के साथ आईएसएस पर पहुंची थीं। उन्हें एक सप्ताह के बाद लौटना था। दोनों बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल के टेस्ट के लिए गए थे, लेकिन इसमें खराबी आने के बाद दोनों आईएसएस पर ही रुक गए। इसके बाद से दोनों वहीं फंसे हुए हैं।

नासा ने सुनीता और बुच विल्मोर को फरवरी 2025 में इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से वापस लाने की जानकारी दी थी। लेकिन अब उनके लौटने में और ज्यादा वक्त लग सकता है। नासा ने पिछले महीने कहा था कि उन्हें मार्च 2025 के अंत का इंतजार करना होगा। यह तारीख अप्रैल की शुरुआत तक भी बढ़ सकती है। नासा के मुताबिक सुनीता विलियम्स को अंतरिक्ष से वापस लाने के लिए स्पेसएक्स को नया कैप्सूल बनाना है।

यूरोप में दक्षिणपंथी पार्टियों के समर्थन में उतरे मस्क

वॉशिंगटन, 31 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी अरबपति बिजनेसमैन और टेस्ला के मालिक इलॉन मस्क पर यूरोप की सियासत में दखलअंदाजी करने का आरोप लग रहा है। दुनिया के सबसे अमीर शख्स मस्क यूरोप की मुख्य पार्टियों को चुनौती दे रहे हैं। वे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स का इस्तेमाल करके जर्मनी की एएफडी और ब्रिटेन की रिफॉर्म पार्टी पर दांव लगा रहे हैं। इससे यहां यथास्थिति को चुनौती मिल रही है। पिछले हफ्ते शनिवार को मस्क ने एएफडी पार्टी की एक रैली को संबोधित किया। इस रैली में मस्क ने कहा, जर्मनी का अतीत में किए अपराधों पर बहुत अधिक फोकस है।

बोस्टन यूनिवर्सिटी में प्रो. क्विन स्लोबोडियन ने कहा कि मस्क यूरोप की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को हैक कर रहे हैं। मस्क की कंपनियां यूरोपीय कंपनियों से प्रतिस्पर्धा कर रही हैं, जिससे उन्हें राजनीतिक हस्तक्षेप का मौका मिला है।

एक्स प्लेटफॉर्म से मस्क सीधे नाराज वोटर्स तक पहुंच बना रहे हैं। यूरोप की पारंपरिक पार्टियां लोगों की समस्याओं का समाधान करने में नाकाम रही हैं। इससे मस्क को मौका मिला है। अगर ये बग कंट्रोल नहीं किया गया तो पूरे सिस्टम में फैल जाएगा। ब्रिटेन में 7 महीने में लेबर पार्टी की अप्रूवल रेटिंग 13% घटी है। 4 जुलाई 2024 को 33% वोट के साथ सत्ता में आने वाली लेबर पार्टी को भी झटका लगा है। 7 माह में उसकी अप्रूवल रेटिंग 13% घटकर 20% पर आ गई है। मस्क के पीएम स्टारमर पर हमले जारी हैं। जर्मनी में मस्क के समर्थन वाली एएफडी दूसरी लोकप्रिय पार्टी है। एएफडी दूसरी सबसे लोकप्रिय पार्टी बन गई। सबसे पुरानी पार्टी सोशल डेमोक्रेट्स, जो कभी 40% वोट जीतती थी।

चाय बनाने से मना करने पर बहू को काट डाला

लखीमपुर-खीरी, 31 जनवरी (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी में ससुर ने बांके से काटकर बहू की हत्या कर दी। उसके शरीर के छोटे-छोटे टुकड़े कर दिए। बहू का पेट भी फाड़ डाला। इसके बाद दरवाजे पर बैठकर पुलिस का इंतजार करता रहा। घटना मितौली थाना क्षेत्र के खंजननगर गांव की है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि मैंने बहू से चाय बनाने के लिए कहा। इस पर उसने इतना अभद्र जवाब दिया, जिसे मैं बर्दाश्त नहीं कर सका। बांका से उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए।

शरीफ गाजी (60) ने बहू सिम्मी (32), पत्नी शफीक को धक्का देकर गिरा दिया। इसके बाद घर में रखे बांके से उस पर ताबड़तोड़ किए। शरीफ ने अपनी बहू का पेट भी फाड़ डाला। इसके बाद चाकू से चेहरे पर कई गहरे वार किए। हत्या करने के बाद शरीफ अपने दरवाजे पर ही कुर्सी डालकर 2 घंटे तक बैठा रहा। इस दौरान वह बांका और चाकू भी हाथ में लिए रहा। कुम्भी चीनी मिल से लौटे शरीफ के बेटे सत्तार को जैसे ही घटना की जानकारी मिली। उसने फोन कर प्रधान प्रतिनिधि अवधेश कुमार पप्पू को बताया। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के वक्त घर पर ससुर शरीफ और बहू सिम्मी ही अकेले थे। उसके दो बेटे खेत में गन्ना छीलने गए थे और एक बेटा सत्तार चीनी मिल गन्ना लेकर गया हुआ था। जबकि बीवी गांव में ही गोबर के उपले बना रही थी।

सीओ गोला- गवेंद्र पाल गौतम ने बताया, आरोपी शरीफ के चार बेटे हैं। जिनमें तीन बेटों की शादी हो चुकी है। एक छोटा बेटा मानसिक रूप से कुछ कमजोर है l आरोपी की पत्नी और अन्य बेटे-बहू भी घर पर नहीं मिले। यहां तक कि मृतका की एक बेटी और एक बेटा भी मौके से गायब है।

पुलिस सभी की तलाश में जुटी है। पुलिस ने मृतका के परिजनों और पति की गैर मौजूदगी में ही शव को बिना पंचनामा भरे ही सील कर मौके से हटा दिया। पुलिस ने जब शव को सील कर दिया तब मीडिया कर्मियों को काफी जद्दोजहद के बाद अंदर जाने दिया गया। करीब 11 बजे तक फॉरेंसिक टीम भी मौके पर नहीं पहुंच सकी थी।

बाजार के बीच किसान को मारी 4 गोली

मौके पर मौत, गोली मारने से पहले कहा- बहुत हीरो बनते हो, आरोपी फरार

पलामू, 31 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू स्थित हैदरनगर में शुक्रवार दोपहर को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। बहरवा खांड के 45 वर्षीय किसान इमामुद्दीन अंसारी की बाजार में चार गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावर अकेला था और उसने 'हीरो बनते हो' कहकर किसान पर चार गोलियां दागीं और पैदल ही रेलवे क्रॉसिंग की तरफ फरार हो गया। घटना के समय इमामुद्दीन के साथ गांव के मोहम्मद अब्बास भी मौजूद थे। अब्बास के मुताबिक, दोनों चौक बाजार से रेलवे गुमटी की ओर जा रहे थे।

हमास ने माना- मिलिट्री चीफ दाइफ मारा गया

पिछले साल जुलाई में इजराइल के हवाई हमले में मौत हुई थी, 5 दूसरे कमांडर भी मारे गए

तेल अवीव, 31 जनवरी (एजेंसियां)। हमास ने गुरुवार को मिलिट्री चीफ मोहम्मद दाइफ की इजराइल के हवाई हमले में मौत की पुष्टि की। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक हमास के प्रवक्ता अबू ओबैदा ने एक वीडियो जारी किया।

इस वीडियो में अबू ने दाइफ के अलावा हमास के डिप्टी कमांडर अबू तमा'आ, कॉम्बैट सपोर्ट चीफ रायद थाबेत और मिलिट्री विंग के चीफ ऑफ स्टाफ रफा सलामेह, खान यूनुस ब्रिगेड के कमांडर अयमान नोफाल, सेंट्रल और नॉर्थ गाजा ब्रिगेड के कमांडर अहमद गंदूर की मौत की जानकारी भी दी। इजराइल के मुताबिक दाइफ की पिछले साल 23 जुलाई को हवाई हमले में मौत हो गई थी। इजराइल ने खान यूनुस में ब्रिगेड कमांडर रफा सलामेह के ठिकाने पर हमले किया था, जहां दाइफ भी मौजूद था। इजराइल के तत्कालीन रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने 1 अगस्त 2024 को दाइफ की मौत की पुष्टि की थी। उन्होंने इसे गाजा से आतंक को मिटाने के टारगेट में एक बड़ा कदम बताया था। गैलेंट ने सोशल मीडिया पर एक फोटो भी शेयर की थी, जिसमें वे दाइफ की तस्वीर को काले मार्कर से क्रॉस करते दिख रहे हैं। इजराइल ने 7 बार दाइफ को मारने की कोशिश की थी, हालांकि उसे सफलता नहीं मिल पाई थी। उसके बार-बार बचने की वजह से उस पर कहावत '9 जिंदगी पाने वाली बिल्ली' सटीक बैठती थी।

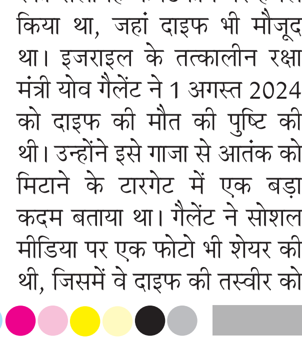

दाइफ इजराइल पर पिछले साल 7 अक्टूबर को हुए हमले का मास्टरमाइंड था। उसी ने इस ऑपरेशन को 'अल अक्सा फ्लड' नाम दिया था। दाइफ 2002 से हमास के मिलिट्री विंग का हेड था। मोहम्मद दाइफ 1965 में गाजा के खान यूनिस कैंप (रिफ्यूजी कैंप) में पैदा हुआ था। उस समय गाजा पर मिस्र का कब्जा था। 1950 में इजराइल में हथियार लेकर घुसपैठ करने वालों में उसका पिता भी शामिल था। बचपन से ही उसने अपने रिश्तेदारों को फिलिस्तीन की लड़ाई लड़ते हुए देखा था। दाइफ ने गाजा की इस्लामिक यूनिवर्सिटी से साइंस की पढ़ाई की थी। वह अपने कॉलेज में एंटरटेनमेंट कमेटी को लीड करता था। उसने कई नाटकों में हिस्सा लिया था। 20 की उम्र के बाद अब तक दाइफ की कोई तस्वीर सामने नहीं आई थी। हमास की स्थापना 80 के दशक के अंत में हुई। तब दाइफ की उम्र करीब 20 साल थी। ये वो समय था जब वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी पर इजराइल के कब्जे के खिलाफ पहले फिलिस्तीनी इंतिफादा या विद्रोह की शुरुआत हुई थी।

ऑक्सीजन जोन बनेगा, टेम्प्रेचर 10-डिग्री तक कम रहेगा

अकीरा मीयावा टेक्नीक से 3 साल में 40 फीट तक बढ़ेगी पौधों की लंबाई

पाली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। पाली में 30 बीघा जमीन पर ऑक्सीजन जोन बनेगा। इसमें करीब 100 तरह की प्रजाति के एक लाख पौधे महज 2-2 फीट की दूरी पर लगाए जाएंगे। तीन साल में यह घना जंगल विकसित हो जाएगा। प्रशासन को इन प्रयासों से उम्मीद है कि इस जंगल से आसपास के क्षेत्र में करीब 10 डिग्री सेल्सियस तक तापमान में कमी आएगी और लोगों को भरपूर ऑक्सीजन मिल सकेगी। जिला प्रशासन से सहमति के बाद गोचर भूमि पर एनजीओ फॉरेस्ट क्रिएटर्स की देखरेख में इस पूरे प्रोजेक्ट को तैयार किया जा रहा है, जिसे ऑक्सीजन जोन नाम दिया है। पूरे प्रोजेक्ट पर करीब चार करोड़ रुपए खर्च होंगे। प्रोजेक्ट की शुरुआत 2 फरवरी को सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर करेंगे। पाली शहर के गिरादड़ा गांव के निकट रोकड़िया हनुमान मंदिर के सामने जिला प्रशासन मोहनलाल सायरचंद कवाड़ चेरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से घना जंगल विकसित कर रहा है। यह जगह शहर से 8-9 किमी दूर है। इस प्रोजेक्ट को ऑक्सीजन जोन नाम दिया गया है। प्रथम चरण में यहां 30 बीघा जमीन पर 100 प्रजातियों के करीब 1 लाख पौधे लगाए जा रहे हैं। इसे घने जंगल में रूप में विकसित किया जा रहा है। ऐसे में हर पौधा करीब 2-2 फीट की दूरी पर लगाया जाएगा। इसमें फल, फूल और औषधि गुणों वाले पौधे शामिल हैं।

मोहनलाल सायरचंद कवाड़ चेरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी शांतिलाल कवाड़ ने बताया कि पौधों की सिंचाई के लिए यहां 2.26 लाख लीटर का टैंक बनाया गया है। यहां रोपित किए जाने वाले पौधों में स्प्रिंकलर पद्धति से पानी दिया जाएगा। पौधों की जड़ों में नमी बरकरार रहे, इसके लिए विशेष घोड़ा घास भी बिछाई जा रही है।

मोहनलाल सायरचंद कवाड़ चेरिटेबल ट्रस्ट ने पर्यावरण को लेकर काम करने वाले एनजीओ फॉरेस्ट क्रिएटर्स को तीन साल के लिए जिम्मेदारी दी है। पौधे 40 फीट की ऊंचाई के पेड़ बने, इसके लिए फॉरेस्ट क्रिएटर्स की टीम तीन साल के लिए इसकी देखभाल करेगी। फॉरेस्ट क्रिएटर्स के फाउंडर डॉ. आरके नायर ने बताया कि डॉ. अकीरा मीयावा पद्धति से घना जंगल विकसित किया जा रहा है। इस पद्धित से लगाए गए पौधों के पेड़ बनने का सक्सेस रेट 98 प्रतिशत रहता है। एक साल बाद इन पौधों की लम्बाई 12-15 फीट होगी। दो साल बाद 25 से 30 फीट और तीन साल बाद 35-40 फीट के बीच इनकी लंबाई होगी।

डॉ. आरके नायर के अनुसार- इस घने जंगल की खासियत रहेगी कि यहां का तापमान शहर से करीब 10 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। ऑक्सीजन लेवल यहां हाई रहेगा। बरसात करवाने में भी यह घना जंगल मदद करेगा। उन्होंने बताया कि उनके एनजीओ ने अभी तक देश भर में 100 ज्यादा घने जंगल विकसित किए है और 20 लाख पौधे प्लांट करने का काम कर चुका है और उन पौधों के पेड़ बनने का सक्सेस रेट 95 प्रतिशत से ज्यादा रहा है।

इस प्रोजेक्ट से जुड़े एडवोकेट नंदकिशोर बंसल, अशोक गादिया बताते है कि तेज आंधी में इन पौधों को नुकसान ज्यादा न पहुंचे, इसलिए इन्हें बांस से बांधा जाएगा। इसके साथ ही तेज बरसात में पानी भरने से यह पौधे खराब नहीं हो, इसके लिए यहां जगह-जगह ड्रेनेज सिस्टम बनाया गया है। जिससे नालों से होकर बरसाती पानी सीधे यहां बनाए गए टैंक में स्टोर हो सकेगा।

मामले में जिला कलेक्टर एलएन मंत्री ने बताया कि कोई भी एनजीओ सरकार से इजाजत लेकर गोचर भूमि पर पौधरोपण कर सकती है। उस जमीन पर उसका कोई अधिकार नहीं रहता है। पूर्व में भी बांगड़ कॉलेज ग्राउंड, जोधपुर रोड, सुल्तान स्कूल परिसर में एनजीओ के सहयोग से पौधरोपण का कार्य करवाया गया है।

स्पीकर बोले–विधानसभा से अपशकुन दूर करने वास्तुविदों की सलाह ली

राज्यपाल और डोटासरा में तीखी नोक-झोंक; कांग्रेस एमएलए भाकर का निलंबन खत्म

जयपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में बजट सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही। राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान गोविंद सिंह डोटासरा बोलने लगे तो हरिभाऊ बागडे ने भी उन्हें तल्ख अंदाज में जवाब दिया। अभिभाषण के दौरान राज्यपाल ने पिछली कांग्रेस सरकार को भी घेरा। उन्होंने कहा जल जीवन मिशन घोटाल से देश में राजस्थान की साख खराब हुई है। अभिभाषण के बाद कांग्रेस एमएलए मुकेश भाकर का निलंबन समाप्त कर दिया गया है। वहीं, स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा है कि विधानसभा से अपशकुन दूर करने के लिए वास्तुविदों का सहारा लिया गया है, इस आधार पर कुछ बदलाव किए गए हैं।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बाड़मेर जिले के तामलोर गांव के दौरे का ज़िक्र करते हुए कहा- बाड़मेर जिले के तामलोर गांव में मैं गया था। वहां एक झोपड़े के पास प्रधानमंत्री आवास बना था। वहां मैंने नल खोला तो देखा पानी आ रहा है तो मैंने पूछा कि पानी कहां से आया। लोगों ने बताया कि पानी सरदार सरोवर से आया है। 800 किलोमीटर से पानी आया है, तो यह अच्छी बात है। मैं अभिनंदन करता हूं।

इस पर डोटासरा खड़े हुए और कहा- सरकार तो बैठकें करती नहीं। राज्यपाल को जिलों में जाकर बैठकें करनी पड़ रही है। राज्यपाल ने तीखे अंदाज में डोटासरा को जवाब देते हुए कहा- जनजाति हितों से जुड़ी समिति मेरे विभाग में आती है और उसकी बैठक करना मेरी जिम्मेदारी है, मेरी ड्यूटी है। मैं हर जिले में जाऊंगा और वहां बैठकर करूंगा। विधानसभा में हाल के वर्षों में यह पहला मौका है जब टोकाटाकी होने पर राज्यपाल ने किसी विधायक को व्यक्तिगत रूप से जवाब दिया हो।

विधानसभा में 200 विधायक कभी भी एक साथ नहीं होने के संयोग को तोड़ने के लिए वास्तु का सहारा लेने का जिक्र विधानसभा में आया। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा-पिछले दिनों कुछ सुझाव दो-तीन वास्तु वालों के मिले हैं, दो-तीन सुझाव लागू किए हैं ,एक दो और बताए गए हैं। मैं सोचता हूं 4 साल पूरे 200 के 200 सदस्य पूरे बने रहे ,ऐसी मेरी अपेक्षा है।

गौरतलब है कि वास्तुविदों के सुझाव के बाद विधानसभा में विधायकों की एंट्री का रास्ता भी बदल दिया गया है। इसके अलावा सदन में कई छोटे-मोटे बदलाव भी किए गए हैं।

कपड़े नहीं सिले तो बुजुर्ग टेलर को मार डाला

नाबालिग ने लाठी-डंडों से इतना पीटा कि दम तोड़ दिया

चौमू, 31 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर में कपड़े सिलकर नहीं देने पर नाबालिग ने बुजुर्ग टेलर की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने नाबालिग को डिटेन कर लिया है। घटना शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे चौमूं पक्का बंधा चौराहा स्थित देव हॉस्पिटल के पास हुई।

चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा ने बताया- बुजुर्ग सूरजमल प्रजापत (60) पुत्र हनुमान सहाय प्रजापत की दुकान देव हॉस्पिटल के पास थी। नाबालिग आरोपी ने कपड़े सिलवाने के लिए दिए थे, लेकिन समय पर तैयार न होने से वह आक्रोशित हो गया। गुस्से में आकर उसने सूरजमल पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

सूरजमल के बेटे अशोक ने बताया कि आरोपी ने 4-5 दिन पहले ही कपड़े सिलने को दिए थे। आज सुबह वह कपड़े लेने आया तो पिता ने कहा कि दोपहर बाद आ जाना। इस पर वह भड़क गया और दुकान के बाहर रखे लाठी-डंडों से पिता पर जानलेवा हमला कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने शव को चौमूं सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। वारदात में इस्तेमाल किए गए हथियार को पुलिस ने जब्त कर लिया है। आरोपी नाबालिग को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं और मामले की गहन जांच जारी है।

पुलिस ने बताया कि 14 वर्षीय नाबालिग उत्तरप्रदेश के आजमगढ़ जिले के महाराजगंज का रहने वाला है। वह पिछले करीब तीन-चार साल से माता-पिता के साथ चौमूं इलाके में रहता है। माता-पिता बिरला पुट्टी और पीओपी का काम करते हैं। नाबालिग के भी मजदूरी करने की बात सामने आई है। मृतक सूरजमल प्रजापत के दो बेटे और एक बेटी हैं। दोनों बेटे मिस्त्री मैकेनिक का काम करते हैं।

साइबर ठगों की गैंग में स्टूडेंट्स शामिल, 4 गिरफ्तार

ठगी के लिए अकाउंट और सिम बेचते थे, मोबाइल में करोड़ों ट्रांजैक्शन की चैट मिली

अजमेर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। साइबर ठगों की गैंग में बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स भी शामिल है। अजमेर साइबर थाना पुलिस ने चार स्टूडेंट्स को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से पुलिस ने 4 मोबाइल जब्त किए हैं, जिसमें 5 करोड़ रुपए तक की चैट तक मिली है। ट्रांजैक्शन की भी जांच की जाएगी। बता दे कि 2 दिन पहले साइबर थाना पुलिस ने इसी गिरोह के 4 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के बाद पुलिस ने अन्य चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साइबर थाना पुलिस सभी 8 आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है।

आईपीएस श्रवण कांबले ने बताया- दो दिन पहले गिरफ्तार 4 आरोपियों से पूछताछ के बाद गिरोह में शामिल सुभाष नगर भीलवाड़ा निवासी शुभम सिंह (23), शुभम खटीक (22), ललित सिंह (23) और हर्षित सिंह (23) को गिरफ्तार किया है। शुभम सिंह बीए कर रखा है। शुभम खटीक 10वीं पास है। हर्षित सिंह 12th पास, तो वही ललित बीसीए पास है। चारों के

कब्जे से 4 मोबाइल बरामद किए गए हैं। यह सभी आरोपी भी कमीशन पर अकाउंट खोलकर साइबर ठगों तक अकाउंट्स और सिम कार्ड बेचा करते थे। निचले लोगों को करीब 4 से 5 हजार का कमीशन देकर उनके डॉक्यूमेंट से अकाउंट और सिम कार्ड खुलवाकर आगे भेजते थे।

आईपीएस ने बताया- गिरफ्तार आरोपियों की कॉल डिटेल्स और ट्रांजैक्शन सहित चैट्स खंगाली जा रही है। एक आरोपी की चैट में 5 करोड़ से ज्यादा की चैट मिली है। हालांकि इसे लेकर विश्लेषण किया जा रहा है। यह सभी 4 आरोपी पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों से 1 साल से कांटेक्ट में थे। सभी आपस में एक-दूसरे को अकाउंट्स बेचने का काम करते थे। बाद में उन अकाउंट्स को आगे साइबर ठगी और अन्य गतिविधियों के लिए भेजा जाता था। आरोपियों के मोबाइल नंबर भी साइबर ठगी से जुड़े हुए हैं।

हर अकाउंट की आरोपियों के द्वारा अलग कीमत रखी जाती थी। जिस अकाउंट में जितना बड़ा ट्रांजैक्शन होता है उस अकाउंट की कीमत सबसे ज्यादा होती है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि कोऑपरेटिव अकाउंट को यह सभी आरोपी 4 लाख रुपए में बेचा करते थे। सेविंग अकाउंट 50 हजार तो वही करंट अकाउंट को दो से तीन लाख रुपए में बेचा करते थे। इन चारों आरोपियों ने खुद के नाम पर भी 5 से 6 अकाउंट अलग-अलग बैंक में खुला रखे थे।

टीचर ने छात्रा को पेंसिल चुभाई, प्राइवेट पार्ट छुआ

दूसरी क्लास की बच्ची को जान से मारने की धमकी दी; भाई के बताने पर खुलासा

आरोपी टीचर जसवंत भाटी की फाइल फोटो, जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

नागौर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। नागौर में ट्यूशन टीचर ने दूसरी क्लास की छात्रा (8) का 6 महीने तक यौन शोषण किया। आरोपी टीचर घर में पढ़ाने के दौरान छात्रा के प्राइवेट पार्ट को छूता था। इस दौरान उसने कई बार छात्रा को पेन-पेंसिल भी चुभाई। इस बारे में किसी को बताने पर उसने छात्रा को जान से मारने की धमकी दी थी। गुरुवार को चाइल्ड हेल्पलाइन और बाल अधिकार विभाग की टीमें स्कूल पहुंची। टीमों ने छात्राओं को गुड टच और बैड टच के बारे में जानकारी दी और कहा कि अगर आपके साथ कोई घटना हुई है तो हमें खुलकर बताएं।

इस पर पीड़िता छात्रा के बड़े भाई(कक्षा 4 का छात्र) ने हिम्मत जुटाई और टीम के पास पहुंचकर अपनी बहन के साथ हो रही घटना के बारे में बताया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी टीचर जसवंत भाटी (28) को हिरासत में लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भाई की बात सुनने के बाद बाल अधिकार विभाग की टीमों ने छात्रा की काउंसलिंग की। इस दौरान छात्रा ने बताया कि ट्यूशन पढ़ाने के दौरान मां और पिता को दूर रखकर अलग कमरे में बैठाया जाता था। वहां आरोपी उनके प्राइवेट पार्ट के साथ छेड़छाड़ करता था और कई बार शरीर पर पेन और पेंसिल से चुभोता। जिसके निशान भी मौजूद हैं। आरोपी धमकाता और छात्रा को मजबूर करता कि वो भी उसके साथ गलत हरकत करें। आरोपी छात्रा को धमकाता था कि अगर उसने मां और पिता को बताया तो वह उसे जान से मार देगा। ऐसे में छात्रा किसी को यह बात बताने की हिम्मत भी नहीं जुटा पाई। हालांकि छात्रा के साथ ट्यूशन पढ़ाने वाले बड़े भाई को इस घटना की जानकारी थी, लेकिन वह भी टीचर की पिटाई के डर से परिजनों को नहीं बता पाया।

आरोपी टीचर जसवंत भाटी शहर के एक नहीं बल्कि कई घरों में अलग-अलग समय पर ट्यूशन पढ़ाने जाता है। पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि वह शहर के एक निजी स्कूल में कार्यरत है। वह खुद 5वीं तक के बच्चों को ट्यूशन पढ़ाता है। पुलिस उन घरों के विद्यार्थियों के बयान लेगी, जहां उक्त टीचर ट्यूशन पढ़ाता है, ताकि किसी अन्य विद्यार्थी के साथ ऐसी घटना हुई हो तो उसका खुलासा हो सके। शिकायत के समय आरोपी टीचर एक निजी स्कूल में पढ़ा रहा था।

चाइल्ड कोऑर्डिनेटर नरपत फिड़ौदा व बाल अधिकार के राहुल दवे ने छात्रा के साथ हुई घटना की जानकारी सीडब्ल्यूसी को दी। बाल कल्याण समिति ने तत्काल एएसपी को सूचना दी। बाद में महिला थाना पुलिस व मानव तस्करी प्रकोष्ठ की टीमें स्कूल पहुंची। यहां पीड़ित छात्रा व उसकी मां के बयान लिए गए। फिर छात्रा का जेएलएन अस्पताल में मेडिकल मुआयना कराया गया। पुलिस ने निजी स्कूल से आरोपी टीचर को हिरासत में ले लिया है।

गली-गली में बने छोटे होटल शराब पिला सकेंगे

10 कमरों के होटल में भी खुल सकेगा बार; बल्क में भी दी जाएगी दुकानें

जयपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने नई आबकारी पॉलिसी जारी की है। इस पॉलिसी में सरकार ने होटल बार के नियमों में राहत दी है। नई पॉलिसी के तहत अब होटल बार खोलने के लिए 20 कमरों के बजाए 10 कमरों की जरूरत होगी। वहीं, बार के लिए लाइसेंस लेना भी आसान होगा। आवेदन ऑनलाइन करने के बाद वह ऑटो अप्रूव होगा। इसके साथ ही पुरानी नीति के तहत बल्क में दुकानें भी देने का प्रावधान नई पॉलिसी में रखा है। नई पॉलिसी के नियम मार्च 2029 तक के लिए लागू किए गए हैं।

समूहवार में एकाधिकार को रोकने के लिए पूरे स्टेट में 5 समूह की सीमा निर्धारित की है। इसके तहत कई बड़े ग्रुप शेष रही अधिकतम 5 दुकानों (जो लाइसेंस रिन्यू नहीं करवाएगा और नीलामी में नहीं बिकेगी) को एकसाथ खरीद सकेंगे। विभाग ने दुकानों की संख्या को इस साल नहीं बढ़ाया है। पूरे प्रदेश में शराब की इस साल भी 7665 दुकानें के लाइसेंस की ही नीलामी की जाएगी।

राज लिकर वेलफेयर सोसायटी के कोषाध्यक्ष नरेश पारीक ने बताया- सरकार की होटल बार के लिए लाई गई पॉलिसी से अब शहरों में गली-गली में होटल बार संचालित हो जाएंगे। वर्तमान में अधिकांश छोटे होटल 10 से 15 कमरों के है। वर्तमान में पूरे प्रदेश में 1417 होटल-रेस्टोरेंट बार लाइसेंस लेकर संचालित है।

राजस्थान में अगले सप्ताह बारिश का अलर्ट

जयपुर में पारा 28 डिग्री पर पहुंचा, 5 साल का रिकॉर्ड टूटा; 3 जिलों में कोहरा रहा

जयपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में पश्चिम से आने वाली हवा के कारण दिन में सर्दी बिल्कुल कम हो गई है। बाड़मेर, उदयपुर के बाद गुरुवार को जयपुर में भी अधिकतम तापमान पिछले 5 साल में सर्वाधिक 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह पिछले 5 साल (2020 से 2024) का जनवरी महीने का सर्वाधिक तापमान है। बीकानेर, सीकर, जैसलमेर में सुबह 7 बजे तक कोहरा रहा। इन जिलों में विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम रही। सीकर के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जयपुर मौसम केंद्र ने राजस्थान में 2 फरवरी तक मौसम साफ रहने और तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव होने की संभावना जताई है। 3 फरवरी को राजस्थान में एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होने की संभावना है। इसके असर से 3 और 4 फरवरी को राजस्थान के उत्तर-पूर्वी हिस्सों में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना जताई है।

पिछले 24 घंटे के दौरान राजस्थान में आसमान बिल्कुल साफ रहा और सभी शहरों में तेज धूप रही। दौसा, करौली, फतेहपुर, जालोर, नागौर, जोधपुर, बाड़मेर समेत अधिकांश शहरों में दिन का तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। गुरुवार को सबसे अधिक तापमान 31.2 डिग्री सेल्सियस डूंगरपुर जिले में दर्ज हुआ।

कांग्रेस विधायक: थप्पड़कांड में नरेश मीणा से बड़ा आरोपी एसडीएम

देवली-उनियारा में उपचुनाव की वोटिंग के दौरान नरेश मीणा ने एसडीएम अमित चौधरी को थप्पड़ मार दिया था।

टोंक, 31 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस विधायक इंदिरा मीणा ने कहा कि समरावता का कांड मणिपुर हिंसा से कम नहीं है। मणिपुर में जिस तरह से हिंसक घटना हुई, उससे भी ज्यादा बर्बरता पुलिस ने समरावता में की। यही नहीं, गिरफ्तार किए गए लोगों को थाने में इतना मारा कि उनके हाथ-पैर टूट गए।

बामनवास विधायक इंदिरा मीणा गुरुवार को टोंक जेल में बंद नरेश मीणा से मिली थीं। मुलाकात के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा- नरेश मीणा इसमें इतना दोषी नहीं है जितना सरकार के इशारे पर पुलिस उसे बता रही है। उसका जुर्म सिर्फ SDM के थप्पड़ मारना था। अन्य मामले छात्र राजनीति और जनहित के आंदोलनों के हैं। इंदिरा मीणा ने कहा- नरेश मीणा से बड़ा मुल्जिम (आरोपी) तो एसडीएम (मालपुरा) अमित चौधरी है, जिसने आचार संहिता की धज्जियां उड़ाकर विधानसभा उपचुनाव में जबरन वोट डलवाए। एसडीएम समेत अन्य अधिकारियों के खिलाफ सरकार ने कुछ कार्रवाई नहीं की। संभागीय जांच भी दिखावा है। इंदिरा मीणा ने कहा कि इस मामले को लेकर सरकार को कल (शुक्रवार को) विधानसभा में घेरेंगे। इसके लिए सवाल लगाए हैं। सरकार सवालों का जवाब देगी या फिर पहले की तरह सवालों को पेंडिंग रखा जाएगा।

टीना डाबी के बाद इस आईएएस का प्रोजेक्ट भी बनेगा रोल माडल!

टीना डाबी

टोंक, 31 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में दो महिला यंग आईएएस अपने नवाचारों के कारण काफी चर्चित रहती हैं। इनमें एक बाड़मेर कलेक्टर टीना डाबी और दूसरी टोंक कलेक्टर डॉ. सौम्या झा। टोंक कलेक्टर सौम्या झा ने इस बार दसवीं कक्षा में गणित में कमजोर बच्चों के लिए एक नवाचार किया है। जिसमें 'एआई पोर्टल' की मदद से बच्चों की गणित में कमजोरी दूर की जा रही है। यह टोंक जिले के 352 स्कूलों में शुरू किया जा चुका है। जिसके अच्छे परिणाम भी सामने आ रहे हैं। इधर, टोंक कलेक्टर सौम्या झा ने कहा कि इस प्रोजेक्ट को अब जल्द ही राज्य सरकार के पास भेजा जाएगा, यदि सरकार ने यह प्रोजेक्ट स्वीकार कर लिया तो यह पूरे प्रदेश में भी लागू होगा।

टोंक जिले में पिछले साल 2023-24 में दसवीं बोर्ड परीक्षा में बच्चों का गणित का स्तर काफी कमजोर रहा। इसको लेकर ही टोंक कलेक्टर ने नवाचार करते हुए 'पढ़ाई विद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' प्रोजेक्ट के तहत पोर्टल तैयार करवाया है। जिसके माध्यम से बच्चों की गणित की परेशानियों को आसानी से दूर किया जा सकेगा। इस प्रोजेक्ट को गत दिनों 7 जनवरी को टोंक जिले के 352 विद्यालयों में शुरू किया गया है। इसके बाद 3 सप्ताह में ही बच्चों के रिजल्ट अच्छे आ रहे हैं। इस संबंध में टोंक कलेक्टर सौम्या झा

सौम्या झा

ने बताया कि जब वह स्कूली शिक्षा में थी, तब उनकी भी गणित कमजोर थी, लेकिन उन्होंने लिख लिख कर इसका कॉन्सेप्ट समझा।

जयपुर मेट्रो में सफर हुआ महंगा

किराए में 2 से 8 रुपए तक की बढ़ोतरी

जयपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर शहर में संचालित मेट्रो में सफर करना अब महंगा हो गया है। आज शुक्रवार 31 जनवरी से जयपुर मेट्रो में बढ़ा हुआ किराया वसूला जाने लगा है। अब तक प्रथम दो स्टेशनों तक जाने का किराया 6 रुपए था जबकि अब न्यूनतम किराया 10 रुपए कर दिया गया है। जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक वैभव गालरिया ने गुरुवार शाम को नई किराया सूची जारी की। अधिकतम किराया अब बढ़कर 22 रुपए के बजाय 30 रुपए हो गया है। यानी मानसरोवर से बड़ी चौपड़ जाने वालों को अब 8 रुपए अतिरिक्त किराया देना होगा। आईएएस वैभव गालरिया ने किराया बढ़ाने के पीछे तर्क दिया कि परिचालन एवं अनुरक्षण व्यय में वृद्धि के कारण यह फैसला लिया गया है।

पहले दो स्टेशन तक के 6 रुपए लगते थे। अब 10 रुपए लगेंगे। तीन से पांच स्टेशन तक का किराया 12 रुपए था जो बढ़कर 15 रुपए हो गया है। छह से आठ स्टेशन तक का किराया पहले 18 रुपए था जो अब बढ़कर 25 रुपए हो गया है।

देशपांडे फाउंडेशन ने मुख्यमंत्री से समर्थन मांगा

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से देशपांडे फाउंडेशन के सदस्यों ने मुलाकात की। ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक और आर्थिक बदलाव के लिए काम करने वाली एक संस्था एक फाउंडेशन सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को अंग्रेजी भाषा का प्रशिक्षण प्रदान करता है। एक संगठन छात्रों के कौशल को बेहतर बनाने के लिए काम कर रहा है। फाउंडेशन ने राज्य में अपने कार्यक्रमों के विस्तार के लिए सरकार से समर्थन मांगा है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राज्य में कस्तूरबा बालिका विद्यालय में काम करने का सुझाव दिया है। फाउंडेशन ने सरकारी महिला डिग्री कॉलेज, महबूबनगर गोद लेने के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशों को स्वीकार कर लिया। कार्यक्रम में मंत्री कोमती रेड्डी वेंकट रेड्डी, श्रीधर बाबू, सीएम के विशेष सचिव अजित रेड्डी, फाउंडेशन के सदस्य गुरुराज देश पांडे, जया श्री देश पांडे, राजू रेड्डी, जी अनिल ने भाग लिया।

सीएम रेवंत ने केसीआर को चुनौती दी

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव द्वारा कांग्रेस सरकार के बारे में की गई आलोचनाओं का दृढ़ता से जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि केसीआर का विधानसभा चुनाव के बहाने किसानों को मिलने वाले रैतु बंधु लाभ से बचने का इतिहास रहा है।रेवंत रेड्डी ने कहा, "पिछली बीआरएस सरकार ने 2014 से दिसंबर 2023 के बीच केवल 18,000 करोड़ रुपये के कृषि ऋण माफ किए, जिसमें से केवल 3,000 करोड़ रुपये का बकाया ऋण चुकाया गया; बाकी का उपयोग कृषि ऋण पर ब्याज का भुगतान करने के लिए किया गया।" उन्होंने आगे संकेत दिया कि पदभार ग्रहण करने के बाद, कांग्रेस सरकार ने किसानों के बैंक खातों में लंबित रैतु बंधु लाभ तुरंत वितरित किए और बाद में एक ही वर्ष के भीतर 21,000 करोड़ रुपये के कृषि ऋण माफ कर दिए।

3.55 करोड़ मूल्य के 1,190 मोबाइल फोन बरामद

डीसीपी ने मोबाइल बरामदगी में साइबराबाद पुलिस के प्रयासों की सराहना की

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीपी क्राइम के. नरसिम्हा के नेतृत्व में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, साइबराबाद पुलिस के साइबराबाद सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) के पांच जोन ने 1,010 मोबाइल फोन सफलतापूर्वक बरामद किए हैं, जबकि कानून और व्यवस्था (एलएंडओ) पुलिस के पांच जोन ने 180 फोन बरामद किए हैं। पिछले 50 दिनों में कुल 1,190 चोरी हुए और खोए हुए मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल का उपयोग करते हुए, बरामद किए गए फोन, जिनकी कीमत <3.55 करोड़ है, को आज (31 जनवरी, 2025) साइबराबाद कमिश्नरेट मेन कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित एक औपचारिक कार्यक्रम में उनके असली मालिकों को सौंप दिया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, डीसीपी क्राइम के. नरसिम्हा ने कहा, "पिछले 50 दिनों में, साइबराबाद पुलिस ने 1,190 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। माधापुर सीसीएस - 255, बालानगर सीसीएस - 250, मेड्चल सीसीएस - 208, राजेंद्रनगर सीसीएस - 157, शमशाबाद सीसीएस - 140, बालानगर एलएंडओ जोन - 113, मेड्चल एलएंडओ जोन - 41, माधापुर एलएंडओ जोन - 16, और शमशाबाद एलएंडओ जोन - 10। इस प्रकार कुल 1,190 फोन बरामद हुए, जिनमें

से 1,010 सीसीएस द्वारा और 180 एलएंडओ जोन द्वारा बरामद किए गए।" डीसीपी क्राइम के. नरसिम्हा ने चोरी की वस्तुओं की खरीद या बिक्री से बचने के महत्व पर प्रकाश डाला, क्योंकि यह एक दंडनीय अपराध है। उन्होंने लोगों को सलाह दी, "अपने सामान की सुरक्षा करें और सतर्क रहें। साइबर अपराध बढ़ रहे हैं, धोखेबाज लोगों को ब्लैकमेल करने के लिए अनुचित वीडियो कॉल जैसी रणनीति का इस्तेमाल कर रहे हैं।" उन्होंने UPI धोखाधड़ी के खिलाफ भी चेतावनी दी और नागरिकों को अपने मोबाइल उपकरणों को सावधानी से संभालने की आवश्यकता पर बल दिया, खासकर संदिग्ध लिंक से बचकर। उन्होंने आगे कहा, "मोबाइल फोन हमारे दैनिक जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा हैं, जो संवेदनशील जानकारी और यादों को संग्रहीत करते हैं। जबकि चोर लगातार होते रहते हैं, इन उपकरणों को पुनर्प्राप्त करने में समान रूप से सतर्क रहना हमारी जिम्मेदारी है। उच्च स्तर की शिक्षा के बावजूद, बहुत से लोग चोरी हुए फोन के दुरुपयोग से खुद को कैसे सुरक्षित रखें, इस बारे में अनजान हैं।" डीसीपी ने नागरिकों को अपने निकटतम पुलिस स्टेशन या सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से खोए या चोरी हुए फोन की तुरंत रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया, जो सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में देश भर में उपलब्ध है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सीईआईआर पोर्टल चोरी हुए फोन के दुरुपयोग को रोकने और पुनर्प्राप्ति प्रयासों को गति देने में मदद करता है। साइबर अपराध से संबंधित मामलों के लिए, उन्होंने लोगों को बिना देरी के शिकायत दर्ज करने के लिए 1930 पर कॉल करने या cy-bercrime.gov.in पर जाने की सलाह दी। डीसीपी क्राइम के. नरसिम्हा, सीसीएस एसीपी के. शशांक रेड्डी, आईटी सेल इंस्पेक्टर अंजनेयुलु, राजेंद्रनगर सीसीएस इंस्पेक्टर प्रशांत, बालानगर सीसीएस इंस्पेक्टर राजू, मेडचल सीसीएस इंस्पेक्टर डाली नायडू, माधापुर सीसीएस इंस्पेक्टर संजीव, शमशाबाद सीसीएस एसआई अविनाश और सीईआईआर पोर्टल प्रभारी (एसआई, एएसआई, हेड कांस्टेबल, महिला पुलिस कांस्टेबल), साथ ही सीसीएस और आईटी सेल टीमों को रिकवरी ऑपरेशन में उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए सराहना की।

"डिजिटल गिरफ्तारी" से सावधान रहने का आग्रह

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीपी के. नरसिम्हा ने लोगों से "डिजिटल गिरफ्तारी" से सावधान रहने का भी आग्रह किया, जो साइबर धोखेबाजों द्वारा दहशत फैलाने और पैसे ऐंठने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक नई रणनीति है। उन्होंने कार्रवाई करने से पहले ऑनलाइन किए गए किसी भी दावे या मांग की पुष्टि करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "लोगों को यह भी पता होना चाहिए कि अधिकांश साइबर अपराधी अलग-अलग देशों से काम करते हैं। इन बढ़ते खतरों से निपटने के लिए सूचित रहना और घटनाओं की तुरंत रिपोर्ट करना महत्वपूर्ण है।" बरामद किए गए फोन के कई प्राप्तकर्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए और अपने डिवाइस को बरामद करने में उनकी त्वरित कार्रवाई के लिए साइबराबाद पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया।

हम कांग्रेस सरकार की विफलताओं को उजागर करेंगे : केसीआर

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी प्रमुख और तेलंगाना राज्य के पहले मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने आज कहा कि तेलंगाना के लोगों की समस्याओं को हल करने में कांग्रेस सरकार की विफलता का मुद्दा उठाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, "बीआरएस तेलंगाना के लिए बनी पार्टी है और यह राज्य में सभी को लाभ पहुंचाने तक सुरक्षा कवच बनी रहेगी।" संगारेड्डी जिले के जहीराबाद विधानसभा क्षेत्र के जरासंगम मंडल के मेदापल्ली गांव से सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता, बीआरएस नेता और प्रशंसक केसीआर से मिलने के लिए पिछले पांच दिनों से 140 किलोमीटर की पदयात्रा कर रहे हैं। वे शुक्रवार को एर्रावेली में केसीआर के आवास पर पहुंचे। केसीआर ने इस अवसर पर उनके साथ आयोजित अंतरंग बैठक में भाग लिया और सभा को संबोधित किया।

इस अवसर पर बोलते हुए केसीआर ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद वे करीब 14 महीने तक धैर्यवान रहे और कहा कि अब लोग कांग्रेस पार्टी के कुशासन से नाराज हैं। उन्होंने याद दिलाया कि कई वर्षों की कड़ी मेहनत और संघर्ष के बाद तेलंगाना अस्तित्व में आया और कहा कि पिछले 10 वर्षों में बीआरएस सरकार ने सभी क्षेत्रों को विकसित करने और उन्हें पटरी पर लाने के लिए बहुत मेहनत की है। "बीआरएस शासन के तहत, यदि तेलंगाना देश में विकास और कल्याण के मामले में सबसे आगे है, कांग्रेस सरकार के 14 महीने के शासन में, यह राज्य को बर्बाद कर रही है और लोगों को अपने कुशासन पर हंसा रही है। केसीआर ने कहा कि बीआरएस सरकार ने तेलंगाना के गठन के छह से सात महीने के भीतर लोगों को 24 घंटे बिजली की आपूर्ति की थी और सवाल किया कि कांग्रेस अतीत में ऐसा क्यों नहीं कर सकी। "हमने परियोजनाओं के माध्यम से सिंचाई का पानी और मिशन भागीरथ योजना के माध्यम से हर घर में पीने का पानी उपलब्ध कराया है। राज्य सरकार ने अब पानी की आपूर्ति रद्द कर दी है। हमने तालाबों की मरम्मत की है और मल्लन्ना सागर जैसे कई जलाशयों का निर्माण किया है। हमने एक किसान के परिवार की मृत्यु के बाद उसकी मदद की है, भले ही उसके पास रयथु भीमा योजना के माध्यम से एक गुंटा जमीन हो। भेड़ चरवाहों को वितरित किए गए थे। यहां तक कि कोरोना महामारी जैसे समय में भी, रैतु बंधु को बिना किसी अड़चन के दिया गया था। हमने किसानों के लिए चार से पांच अच्छी योजनाएं लागू की हैं। हमने देखा है कि तेलंगाना के सभी लोगों को कल्याणकारी योजनाओं से लाभ हुआ है। अब सब कुछ खत्म हो गया है। वे अब सभी क्षेत्रों को नष्ट कर रहे हैं, "केसीआर ने आरोप लगाया। केसीआर ने दावा किया कि जब बीआरएस सरकार सत्ता में थी, तो राजस्व हर साल 15,000 करोड़ रुपये बढ़ता था और कहा कि नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट के अनुसार, राजस्व अब घटकर 13,000 करोड़ रुपये प्रति वर्ष हो गया है बीआरएस प्रमुख ने कहा, "अगर कुछ और समय बीत जाता है तो उतार-चढ़ाव देखने को मिलेंगे। यहां तक कि सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों को भी लाभ ठीक से नहीं दिया जाएगा।" उन्होंने आरोप लगाया कि अगर सभी समुदायों के गरीब बच्चों के लिए गुरुकुल स्थापित किए जाते हैं, तो कांग्रेस सरकार ने उनके प्रबंधन को गड़बड़ कर दिया है और कहा कि अगर कोई उनसे सवाल करता है, तो उसके खिलाफ मामले दर्ज किए जाते हैं।

दलित बंधु लाभार्थियों को राहत, सरकार ने खातों पर लगी रोक हटाने का किया फैसला

करीमनगर, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 14 महीने की उनकी लड़ाई आखिरकार रंग ला रही है। दलित बंधु लाभार्थियों को वित्तीय सहायता मिलने वाली है, जो पिछली बीआरएस सरकार द्वारा उनके बैंक खातों में जमा की गई थी, कांग्रेस सरकार ने बैंक खातों पर लगी रोक हटाने का फैसला किया है। राज्य सरकार ने दिसंबर 2023 में कांग्रेस के सत्ता में आने के तुरंत बाद दलित बंधु बैंक खातों को फ्रीज कर दिया था, लेकिन 27 जनवरी को खातों को अनफ्रीज करने के आदेश जारी किए। हालांकि जिला एससी निगम के अधिकारियों को अपने उच्च अधिकारियों से आदेश मिल गए हैं, लेकिन वे जिला कलेक्टर की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं।

दलित बंधु इकाइयों की मंजूरी और कामकाज की सतर्कता जांच के अलावा महालेखाकार लेखा परीक्षा में भी आपत्तियां उठाई गई थीं।

हालांकि, एससी निगम के सूत्रों ने कहा कि ये मुद्दे योजना के निरंतर कार्यान्वयन के लिए कोई बाधा उत्पन्न नहीं कर सकते हैं। दलितों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने दलित बंधु योजना तैयार की और 16 अगस्त, 2021 को हुजूराबाद मंडल के शालापल्ली-इंदिरानगर में इसका शुभारंभ किया।

शुरुआत में इस योजना को पायलट आधार पर हुजूराबाद विधानसभा क्षेत्र में लागू किया गया था। बाद में इसे राज्य के अन्य हिस्सों में भी लागू किया गया। हुजूराबाद क्षेत्र में इसे समावेशी तरीके से लागू किया गया, जिसमें विभिन्न मंडलों से कुल 18,021 लाभार्थियों का चयन किया गया। 16,149 इकाइयों को स्थापित करने के लिए लगभग 1784.79 करोड़ रुपये मंजूर किए गए।

कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण वित्तीय संकट गहराया : एन.वी.एस.एस. प्रभाकर

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना एक समृद्ध राज्य बनने के बावजूद, बीआरएस सरकार पिछले कुछ वर्षों में शासन करने में विफल रही। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष, पूर्व विधायक डॉ. एन.वी.एस.एस. प्रभाकर ने राज्य में संकट गहराने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस सरकार गलत आर्थिक निर्णय ले रही है, फिर से खर्च, राजनीतिक भर्तियों, करोड़ों रुपये के सार्वजनिक धन से विज्ञापनों के कारण राज्य की वित्तीय स्थिति के बारे में अधिक जानकारी के लिए अनुरोध किया। उन्होंने आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए, राज्य में तुरंत आर्थिक आपातकाल घोषित करने की मांग की है। राज्य की आर्थिक स्थिति का अवलोकन करने के बाद, राज्यपाल को तुरंत आर्थिक आपातकाल घोषित करना चाहिए। इस मामले में उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री का ध्यान आकृष्ट किया है।

प्रभाकर ने कहा कि राज्य सरकार के खजाने में ऐसी स्थिति पैदा हो गई जिसमें कर्मचारियों को वेतन भत्ते देना असंभव हो गया। एफआरबीएम सीमा से अधिक होने पर राज्य को खतरे की सूचना दे रहा है। भारत में किसी भी राज्य में ऐसी विकट आर्थिक स्थिति नहीं है। आपको बता दें, प्रभाकर ने खुलासा किया। हालांकि, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, जो वन ट्रिलियन सिस्टम की ओर बढ़ना चाहते हैं, बहुत अनिच्छुक हैं। यह अजीब है। मासिक, त्रैमासिक, अर्धवार्षिक, वार्षिक आय के स्रोतों की मासिक आय योजना से पहले। उन्होंने जुटाने की बात को भी पूरी तरह बेतुका बताया। इसी तरह पिछले बजट का ब्योरा इस प्रकार है। अगर आप सभी संसाधनों को देखें... राजस्व बिना किसी कटौती के, केवल केंद्र सरकार से आ रहा है। मैंने अनुदान के जरिए यह स्पष्ट कर दिया था।

एनवीएसएस प्रभाकर ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने 35 नए निगमों में राजनीतिक नियुक्तियाँ कीं। इन नियुक्तियों के कारण, नए कार्यालय, सलाहकार, अन्य कर्मचारी लाभ, मानदेय आदि के बोझ तले दबे हुए हैं। इसका खामियाजा राजकोष पर पड़ रहा है। राज्य सरकार के नए कार्यक्रम या कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार पर करोड़ों रुपये खर्च करना अनावश्यक है। राज्य की आय में वृद्धि नहीं हो रही है, लेकिन सरकार भारी खर्च करती जा रही है। एनवीएसएस ने कहा कि राज्य सरकार के व्यवहार के कारण, तेलंगाना राज्य की आर्थिक स्थिति और भी खराब होने का खतरा है। एक अमीर राज्य बन चुके तेलंगाना में सरकारी संपत्ति की हालत खस्ता है। लेकिन राज्य सरकार में मंत्रियों की संपत्ति बढ़ने के आरोपों को गुप्त रखा जा रहा है।

आरटीसी बस खेतों में दुर्घटनाग्रस्त, यात्री घायल

राजन्ना-सिरसिल्ला, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को गम्भीरावपेट मंडल के गोरंटला के बाहरी इलाके में टीएसआरटीसी की एक बस के नियंत्रण से बाहर हो जाने और खेतों में दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से यात्री घायल हो गए। यह घटना तब हुई जब कामारेड्डी डिपो की बस सिरसिला जा रही थी। जब बस गांव के पुल के मोड़ पर पहुंची, तो बस का एक टायर फटने से ड्राइवर ने स्टीयरिंग पर नियंत्रण खो दिया और बस खेतों में जा गिरी। राहगीरों ने मौके पर पहुंचकर यात्रियों को बचाया। कुछ यात्रियों को चोटें आईं। आशंका है कि ओवरलोडिंग के कारण यह हादसा हुआ।

आउटर रिंग रोड पर दुर्घटना में व्यक्ति की मौत, एक घायल

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके मेडचल में आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर शुक्रवार को एक कार के नियंत्रण से बाहर हो जाने और एक ट्रक से टकरा जाने से 50 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, यह घटना उस समय घटी जब राजलिंगु (50) मेडचल से डुंडीगल की ओर जा रहे थे। जब कार ओ.आर.आर. पर पहुंची, तो चालक ने स्टीयरिंग व्हील पर से नियंत्रण खो दिया और कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। राजलिंगु को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। डुंडीगल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रैक्टर पलटने से एक व्यक्ति की मौत, 10 घायल

खम्मम, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के बोनाकल के बाहरी इलाके में शुक्रवार को एक ट्रैक्टर ट्रॉली पलट जाने से एक कृषि मजदूर की मौत हो गई और अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक वाई वरम्मा (60) बोनाकल निवासी थे और 20 अन्य लोगों के साथ ट्रैक्टर ट्रॉली में यात्रा कर रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। वे मिर्च के खेत में काम करने के लिए लिंगाला गांव जा रहे थे। घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रही है : भट्टी

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा है कि राज्य की जनता की सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों पर महत्वपूर्ण जोर दे रही है, जो उनके विकास के लिए आवश्यक किसी भी धन को आवंटित करने की अपनी इच्छा को दर्शाता है। उपमुख्यमंत्री ने शुक्रवार को बेगमपेट में सेंट फ्रांसिस डिग्री कॉलेज फॉर विमेन के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कार्य किया। अपने संबोधन के दौरान, उन्होंने टिप्पणी की कि शिक्षा में निवेश राज्य में मानव संसाधनों के विकास में योगदान देगा, अंततः तेलंगाना को वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करेगा। सरकार शिक्षा क्षेत्र को बढ़ाने और तेलंगाना में छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करने के लिए यंग इंडिया इंटीग्रेटेड स्कूलों का निर्माण कर रही है। प्रत्येक स्कूल 20 से 25 एकड़ भूमि पर बनाया जाएगा, जिसमें प्रत्येक संस्थान के लिए 200 करोड़ रुपये का निवेश आवंटित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 60 स्कूलों के लिए पहले ही मंजूरी दे दी गई है। उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा कि यदि किसी महिला को शिक्षा प्रदान की जाती है, तो इससे न केवल उसे बल्कि पूरे परिवार और पूरे समाज को लाभ होगा। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि परिवार व्यवस्था राष्ट्र को शक्ति देती है और परिवार व्यवस्था को चलाने की शक्ति मां, पत्नी और बहन के रूप में महिला के पास होती है।

खम्मम वन विभाग ने मनाया 100 साल का जश्न

खम्मम, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 1925 में खम्मम में स्थापित जिला वन विभाग अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। 1925 में निज़ाम सरकार ने तत्कालीन वारंगल जिले के खम्मम शहर के गांधी चौक पर एक वन प्रभागीय कार्यालय स्थापित किया।

वन कार्यालय परिसर का क्षेत्राधिकार पूर्व में वर्तमान अश्वरावपेट मंडल, दक्षिण में येरुपलेम मंडल, उत्तर में वाजेडु, पश्चिम में पलायर और वर्तमान आंध्र प्रदेश के तिरुवुर वन क्षेत्र तक था। जिला वन अधिकारी (डीएफओ) सिद्धार्थ विक्रम सिंह ने बताया कि बाद में वन क्षेत्र के बड़े विस्तार और विशेष निगरानी की आवश्यकता को देखते हुए सरकार ने 16 जून 1965 को उसी भवन में वन सर्किल कार्यालय की स्थापना की। विभाग के विस्तार के इतिहास का पता लगाते हुए उन्होंने बताया कि वन क्षेत्र में आवश्यकतानुसार विभाग के कार्मिकों को प्रशिक्षित करने के लिए येल्लांडु में आंध्र प्रदेश वन विद्यालय के अलावा कई प्रभाग स्थापित किए गए।

पहले खाना पकाने के लिए वन कार्यालय परिसर में नीलामी के ज़रिए लोगों को जलाऊ लकड़ी बेची जाती थी। तत्कालीन आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद विभाग में नए सर्किल बनाए गए। विक्रम सिंह ने बताया कि इसके तहत खम्मम ज़िले और सूर्यपेट ज़िलों को मिलाकर खम्मम वन सर्किल बनाया गया।

खम्मम में एक जिला वन विभाग कार्यालय की स्थापना की गई जिसमें एक जिला वन अधिकारी और दो वन प्रभाग, खम्मम और सथुपल्ली शामिल हैं। पारिस्थितिकी पर्यटन के विकास के लिए खम्मम और सथुपल्ली में विशेष वन शहरी पार्क स्थापित किए गए हैं।

शेरीलिंगमपल्ली स्थित श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज ट्रस्ट समाज बन्धुओं के तत्वावधान में आयोजित माघ सुदी बीज महोत्सव जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए सोनु महाराज। अवसर पर पुजा-अर्चनाकर, अतिथियों का स्वागतकर, कार्यक्रम का लाभ लेते हुए अध्यक्ष मनोज चौधरी, सचिव मांगीलाल सोनपरा, कोषाध्यक्ष विनोद गेहलोत, महिला मंडल अध्यक्षा इन्द्रा गेहलोत, सचिव गीता देवड़ा, कोषाध्यक्षा पुष्पा गेहलोत, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज ट्रस्ट समाज बन्धुओं के तत्वावधान में आयोजित चौथे माघ सुदी बीज के अवसर पर जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए हेमराज गोयल एंड पार्टी। अवसर पर पुजा-अर्चनाकर, सांस्कृतिक कार्यक्रम, अतिथियों व लाभार्थीयों का सम्मानकर, बोलियाँ कार्यक्रम का लाभ लेते हुए अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, उपाध्यक्ष भाणाराम, चेनाराम, कोषाध्यक्ष दौलतराम पंवार, सहकोषाध्यक्ष मंगलाराम, खेल मंत्री धनराज वरपा, सलाहकार चौथाराम पंवार, मगाराम परिहार, अ.भा.सीरवी समाज सहसचिव गिरधारीलाल काग, पूर्व सचिव हिरालाल सैंणचा, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

मंत्री श्रीधर बाबू ने मेड्यूर हॉस्पिटल सर्विसेज द्वारा विकसित एमडीआर, 'माई डिजी रिकॉर्ड' मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया, अवसर पर पीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़, डॉ. मोटूरी कृष्णप्रसाद, डॉ. सरोज गुप्ता भी मौजूद थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

संसद में आर्थिक...

FY24 में बेरोजगारी दर गिरकर 3.2% पर आई। वहीं EPFO में नेट पेरोल पिछले 6 साल में दोगुना हुआ जो संगठित क्षेत्र में रोजगार का अच्छा संकेत है।

एआई का तेजी से हो रहा विकास न केवल ग्लोबल लेबर मार्केट में नए अवसरों का निर्माण कर रहा है, बल्कि महत्वपूर्ण चुनौतियां भी उत्पन्न कर रहा है। AI के चलते होने वाले बदलाव के विपरीत प्रभावों को कम करने की जरूरत है। भारत को अगले 20 साल में तेज ग्रोथ के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश की जरूरत है। पिछले 5 साल में सरकार ने फिजिकल, डिजिटल और सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस किया है। पब्लिक फंडिंग से अकेले ये जरूरतें पूरी नहीं होंगी, इसलिए प्राइवेट भागीदारी बढ़ानी होगी।

भारतीय बाज़ारों के सामने सबसे बड़ा जोखिम अमेरिका से जुड़ा है। सर्वे में अमेरिकी बाजार में करेक्शन की हाई पॉसिबिलिटी बताई गई है। इसका भारतीय शेयर बाजार पर असर पड़ सकता है, खासकर रिटेल निवेशकों पर।

दिसंबर में महंगाई दर 4 महीने के निचले स्तर पर आई

खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से दिसंबर में रिटेल महंगाई दर 4 महीने के निचले स्तर पर आ गई। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक महंगाई घटकर 5.22% हो गई है। इससे पहले नवंबर में महंगाई दर 5.487 पर थी। वहीं 4 महीने पहले अगस्त में महंगाई 3.65% पर थी।

महंगाई के बास्केट में लगभग 50% योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इसकी महंगाई महीने-दर-महीने आधार पर 9.04% से घटकर 8.39% हो गई है। वहीं ग्रामीण महंगाई 5.95% से घटकर 5.76% और शहरी महंगाई 4.89% से घटकर 4.58% हो गई है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

'भारतीयों से मैदान पर दोस्ताना व्यवहार नहीं करें पाकिस्तानी' पूर्व कप्तान मोईन खान का अजीबोगरीब बयान

कराची, 31 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व कप्तान और मुख्य कोच मोईन खान ने पाकिस्तान के खिलाड़ियों को अजीबोगरीब सलाह दी है। उन्होंने अपनी टीम से आग्रह किया है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में 23 फरवरी को दुबई में होने वाले मैच में वे मैदान पर भारतीय खिलाड़ियों के साथ दोस्ताना व्यवहार नहीं करें। भारत और पाकिस्तान की टीमें पिछले साल टी20 विश्व कप मुकाबले के बाद पहली बार आमने-सामने होंगी।

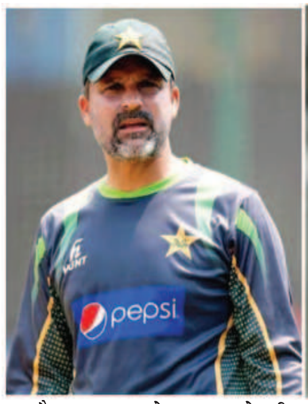

पॉडकास्ट में बोले मोईन खान

मोईन ने अभिनेता उशना शाह के पॉडकास्ट में कहा, 'जब मैं इन दिनों पाकिस्तान और भारत के मैच देखता हूं तो मुझे यह समझ नहीं आता है कि जैसे ही भारतीय खिलाड़ी क्रीज पर आते हैं, हमारे खिलाड़ी उनके बल्ले की जांच करते हैं, उन्हें थपथपाते हैं और दोस्ताना बातचीत करते हैं।' भारत के खिलाफ कई मैच खेलने वाले मोईन ने कहा कि वह विपक्षी खिलाड़ियों के प्रति सम्मान रखने के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उनके साथ जरूरत से ज्यादा मित्रता रखना सही नहीं है।

'मैदान पर उनसे बात करने की भी जरूरत नहीं'

उन्होंने कहा, 'हमारे सीनियर खिलाड़ी हमें बताया करते थे कि भारत के खिलाफ खेलते समय कोई शिकायत न करें और मैदान पर उनसे बात करने की भी जरूरत नहीं है। जब आप उनके साथ दोस्ताना व्यवहार करते हैं तो वे इसे आपकी कमजोरी मान लेते हैं। आजकल भारत के खिलाफ खेलते समय हमारे खिलाड़ियों का व्यवहार मेरे लिए समझ से परे है। यहां तक कि मैदान के बाहर भी पेशेवर खिलाड़ी होने के कारण आपकी कुछ सीमाएं होनी चाहिए।'

भारत और पाकिस्तान की टीमें एक ही ग्रुप में

भारत और पाकिस्तान को ग्रुप-ए में रखा गया है। पाकिस्तानी टीम डिफेंडिंग चैंपियंस भी हैं। 2017 में खेले गए पिछले चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट के फाइनल में उन्होंने भारत को हराया था। इन दोनों के अलावा ग्रुप-ए में न्यूजीलैंड और बांग्लादेश है। वहीं, यह खबर भी सामने आई है कि टीमों के व्यस्त कार्यक्रमों के चलते टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले होने वाले फोटोशूट और प्रेस कॉन्फ्रेंस को रद्द कर दिया गया है। अब रोहित शर्मा को पाकिस्तान नहीं जाना पड़ेगा। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा- टीमों के व्यस्त कार्यक्रम और अनुपलब्धता के कारण टूर्नामेंट से पहले पूर्व कप्तानों की बैठक रद्द करने के लिए बाध्य होना पड़ा। बात यह है कि टूर्नामेंट से पहले सभी टीमों का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। इंग्लैंड और भारत सीमित ओवरों की सीरीज खेल रहे हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया श्रीलंका में टेस्ट और वनडे सीरीज खेल रहा है।'

भारत का शेड्यूल

भारत अपना पहला लीग स्टेज का मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद 23 फरवरी को पाकिस्तान से मुकाबले के बाद टीम इंडिया को सात दिन का गैप मिलेगा। इसके बाद दो मार्च को भारतीय टीम न्यूजीलैंड से भिड़ेगी। भारतीय टीम ने यह टूर्नामेंट सिर्फ एक बार 2013 में जीता है। तब महेंद्र सिंह धोनी टीम के कप्तान थे। 2002 में बारिश के कारण फाइनल रद्द हो गया था। तब भारत और श्रीलंका संयुक्त विजेता रहे थे। भारतीय टीम कुल मिलाकर चार बार फाइनल में पहुंच चुकी है। 2013 और 2002 के अलावा ऐसा 2000 और 2017 में हुआ था।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका चोट की वजह से यह स्टार ऑलराउंडर हुआ बाहर

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी शुरू होने में अब बस कुछ ही दिनों का वक्त बचा है। उससे पहले विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ा झटका लगा है। स्टार ऑलराउंडर मिचेल मार्श चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने इसकी पुष्टि की है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 13 जनवरी को टीम का एलान किया था। हालांकि, अभी तक मार्श के रिप्लेसमेंट का एलान नहीं किया गया है। चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी से होने जा रही है। ऑस्ट्रेलिया अपने अभियान की शुरुआत 22 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ लाहौर में करेगा।

मार्श के कमर में समस्या

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बताया कि मार्श के कमर में समस्या है। इसको लेकर वह भारतीय सीरीज के दौरान ही जूझते दिखे थे। हालांकि, अभी यह समस्या बढ़ गई है। मार्श को भारत के खिलाफ सीरीज के दौरान आखिरी टेस्ट से भी बाहर किया गया था। वह बिग बैश लीग में अपनी टीम पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए भी एक भी मैच नहीं खेले थे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक, 33 साल के मार्श बैक स्ट्रेस फ्रैक्चर से गुजर रहे हैं। पिछले कुछ समय से वह रिहैब में हैं, लेकिन इस दौरान उनकी समस्या और बढ़ गई है। सीए ने कहा- राष्ट्रीय चयन समिति और ऑस्ट्रेलियाई पुरुष मेडिकल टीम ने मार्श को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है। अब वह वापसी के लिए जरूरी आराम करेंगे और रिहैब से गुजरेंगे।

कमिंस के खेलने पर भी सस्पेंस

ऑस्ट्रेलियाई टीम जल्द ही उनके रिप्लेसमेंट का एलान सकती है। टीम में बदलाव करने की आखिरी तारीख 12 फरवरी है। ऐसे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय चयन समिति के पास काफी समय है। ऑस्ट्रेलियाई टीम फिलहाल चोटों से जूझ रही है। कप्तान पैट कमिंस खुद चोटिल हैं। उनके टखने में चोट है और साथ ही उनकी पत्नी बेकी दूसरे बच्चे को जन्म देने वाली हैं। ऐसे में अगर कमिंस नहीं खेलते तो मार्श को टीम की कमान सौंपी जा सकती थी। हालांकि, अब मार्श खुद बाहर हो चुके हैं। कमिंस के चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने पर भी संशय बरकरार है। अगर वह भी बाहर होते हैं तो स्टीव स्मिथ को कमान सौंपी जा सकती है। स्मिथ फिलहाल श्रीलंका दौरे पर टीम की कमान भी संभाल रहे

हैं। वहीं, मौजूदा टेस्ट उपकप्तान ट्रेविस हेड कप्तानी के एक अन्य विकल्प होंगे।

क्या आईपीएल में खेलेंगे मार्श?

मार्श की चोट कितनी गंभीर है, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन उनके आईपीएल में खेलने पर भी संशय है। पिछले साल मेगा नीलामी में उन्हें लखनऊ सुपरजाएंट्स की टीम ने 3.40 करोड़ रुपये में खरीदा था। इसके साथ ही उनके जून में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भी खेलने पर सस्पेंस है। ऑस्ट्रेलियाई टीम जून में डब्ल्यूटीसी के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी। हालांकि, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को उम्मीद होगी कि तब तक कैमरन ग्रीन फिट हो जाएंगे। ग्रीन फिलहाल खुद बैक स्ट्रेस फ्रैक्चर से गुजर रहे हैं।

दो बार चैंपियंस ट्रॉफी जीत चुका है ऑस्ट्रेलिया

चैंपियंस ट्रॉफी का यह नौवां संस्करण है। ऑस्ट्रेलियाई टीम दो बार इसकी विजेता रह चुकी है। कंगारुओं ने 2006 और 2009 में यह टूर्नामेंट जीता था। 2006 में उसने फाइनल में वेस्टइंडीज और 2009 में न्यूजीलैंड को हराया था। इस टीम को ग्रुप-बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और अफगानिस्तान के साथ रखा गया है। ऑस्ट्रेलिया का पहला मुकाबला 22 फरवरी को लाहौर में इंग्लैंड से है। वहीं, 25 फरवरी को टीम दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। 28 फरवरी को ऑस्ट्रेलियाई टीम अफगानिस्तान से लाहौर में भिड़ेगी।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम इस प्रकार है...

पैट कमिंस (कप्तान), एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, एडम जैम्पा।

तमिलनाडु की नर्मदा ने बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड, कर्नाटक पदक तालिका में शीर्ष पर कायम

देहरादून/हल्द्वानी, 31 जनवरी (एजेंसियां)।तमिलनाडु की पूर्व विश्व कप विजेता निशानेबाज नर्मदा नितिन राजू ने राष्ट्रीय खेलों में गुरुवार को यहां अपनी प्रबल प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए 10 मीटर एयर राइफल में राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि कर्नाटक पदक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। 23 वर्षीय नर्मदा ने 254.4 का स्कोर बनाकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया तथा एशियाई खेलों की पदक विजेता रमिता जिंदल और ओलंपियन एलावेनिल वलारिवन को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया।

कर्नाटक ने गुरुवार को तैराकी में एक स्वर्ण और एक रजत के साथ-साथ पुरुषों की रोड साइक्लिंग स्पर्धा में भी सोने का तमगा हासिल किया। वह 12 पदक (7 स्वर्ण, 3 रजत, 2 कांस्य) लेकर पहले स्थान पर बना हुआ है। वुशु और ट्रायथलॉन में एक-एक स्वर्ण पदक जीतने के बाद मणिपुर 11 पदक (6 स्वर्ण, 5 रजत) के साथ दूसरे स्थान पर है।

पिछले राष्ट्रीय खेलों में पदक तालिका में शीर्ष पर रहने वाले महाराष्ट्र ने अब तक सबसे अधिक 23 पदक (4 स्वर्ण, 11 रजत, 8 कांस्य) जीते हैं लेकिन स्वर्ण पदकों की संख्या कम होने के कारण वह तीसरे स्थान पर है। देहरादून में त्रिशूल शूटिंग रेंज में तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व कर रहीं नर्मदा ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 254.4 के स्कोर के साथ पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल किया तथा महाराष्ट्र की आर्या बोरसे (252.5) और रमिता (230.4) को पछाड़ा।

इस प्रक्रिया में उन्होंने ओलंपियन अपूर्वी चंदेला के नयी दिल्ली में 2019 विश्व कप में बनाए गए 252.9 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इस स्पर्धा का विश्व रिकॉर्ड 254.5 अंक का है जो पिछले साल नयी दिल्ली में आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में चीन की हुआंग युटिंग ने बनाया था। इस बीच हरियाणा के 2022 विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता अनीष भानवाला ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में 31 हिट से स्वर्ण पदक जीता। सेना के गुरप्रीत सिंह 28 हिट से दूसरे और पंजाब के विजयवीर सिद्धू 26 हिट से तीसरे स्थान पर रहे।

भारोत्तोलन में छत्तीसगढ़ ने दो स्वर्ण पदक जीते। उसके भारोत्तोलक विजय कुमार ने पुरुषों के 55 किग्रा भार वर्ग के क्लीन एवं जर्क में राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए स्वर्ण पदक जीता। छत्तीसगढ़ की एक अन्य भारोत्तोलक ज्ञानेश्वरी यादव ने महिलाओं के 49 किग्रा में कुल 191 किग्रा (85 किग्रा+106 किग्रा) वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। महाराष्ट्र की सारिका शिंगारे (कुल 179 किग्रा) और हरियाणा की कोमल कोहर (179 किग्रा) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता।

विजय कुमार ने स्नैच में 105 किग्रा भार उठाने के बाद क्लीन एवं जर्क में 143 किग्रा के साथ कुल 248 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। क्लीन एवं जर्क में उन्होंने महाराष्ट्र के संकेत सरगर के 2022 में बनाए गए राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की।

जोश इंगलिस ने श्रीलंका के खिलाफ अपने पदार्पण टेस्ट में दूसरा सबसे तेज शतक लगाया

गाले, 31 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जोश इंगलिस ने गुरुवार को श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपने पहले टेस्ट मैच में 93 गेंदों पर 102 रनों की तूफानी पारी खेली।

इंगलिस ने अपना पहला टेस्ट शतक सिर्फ़ 90 गेंदों पर पूरा किया, जिससे यह क्रिकेट इतिहास में टेस्ट डेब्यू पर दूसरा सबसे तेज शतक बन गया, इससे पहले पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने 2013 में मोहाली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ 85 गेंदों पर शतक बनाया था। वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने वाले दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने शानदार अंदाज में यह उपलब्धि हासिल की, उन्होंने एक गेंद को बैकफुट से मारकर तीन रन लिए और अपना शतक पूरा किया। हालांकि, इसके तुरंत बाद वह

आउट हो गए, जब मेहमान टीम 600 के करीब पहुंच रही थी, तब लय बनाए रखने की कोशिश में उन्होंने कवर पर कैच लपका और 93 गेंदों पर 102 रन बनाकर अपनी पारी समाप्त की।

29 वर्षीय यह खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के लिए पारी में तीसरा शतक बनाने वाला खिलाड़ी बना। इससे पहले दिन में सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा (232) ने स्टीव स्मिथ के 141 रन बनाने के बाद टेस्ट क्रिकेट में अपना पहला दोहरा शतक लगाया। इंगलिस, जिनकी उपलब्धि ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में एक दिलचस्प चलन को जोड़ा- टेस्ट डेब्यू पर शतक बनाने वाले पिछले तीन ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज सभी वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया से थे; एडम वोजेस ने 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ, शॉन मार्श ने 2011 में श्रीलंका के खिलाफ और मार्कस नॉर्थ ने 2009 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। बुधवार को यॉर्कशायर में जन्मे इंगलिस को ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट के महान खिलाड़ी ज्योफ मार्श ने बैगी ग्रीन भेंट की।

डेब्यू पर सबसे तेज टेस्ट शतकः

शिखर धवन (भारत) – 85 गेंद बनाम ऑस्ट्रेलिया (2013)

जोश इंगलिस (ऑस्ट्रेलिया) – 90 गेंद बनाम श्रीलंका (2025)

ड्वेन स्मिथ (वेस्टइंडीज) – 93 गेंद बनाम दक्षिण अफ्रीका (2004)

'लाहौर स्टेडियम से नहीं हटाया गया है इमरान खान का नाम', विवाद होने पर पीसीबी की सफाई

लाहौर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने उन अटकलों को खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि लाहौर में नए सिरे से तैयार किए गए गद्दाफी स्टेडियम से दिग्गज क्रिकेटर इमरान खान का नाम हटा दिया गया है क्योंकि वह भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद हैं।। अटकलें लगाई जा रही थीं कि पीसीबी ने मौजूदा राजनीतिक स्थिति के कारण स्टेडियम से 1992 की विश्व कप विजेता पाकिस्तानी टीम के कप्तान इमरान का नाम हटा दिया है। 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए गद्दाफी स्टेडियम का नवीनीकरण किया गया है।

पीसीबी के अधिकारी ने दिया बयान

पीसीबी के एक अधिकारी ने किसी का नाम लिए बिना कहा, 'स्टेडियम के किसी भी छोर का नाम नहीं बदला गया है और किसी का नाम नहीं हटाया गया है। सभी छोर के नाम पहले की तरह ही हैं।' पाकिस्तान के विश्व चैंपियन बनने के बाद 1992 में गद्दाफी स्टेडियम के एक छोर का नाम इमरान खान के नाम पर रखा गया था। यह स्टेडियम के

वीआईपी स्टैंडों में से एक है। 1992 से यह लाहौर स्टेडियम पर एक स्थायी स्थान रहा है।

जेल में बंद हैं इमरान खान

पूर्व प्रधानमंत्री इस समय पंजाब प्रांत की अटक जेल में हैं। हालांकि, उन्होंने भ्रष्टाचार के आरोपों का खंडन किया था और कहा था कि वह राजनीतिक प्रतिशोध का शिकार हैं। हाल ही में एक अदालत ने उन्हें और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी ठहराया और क्रमशः 14 और सात साल जेल की सजा सुनाई।

19 फरवरी से चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत

तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी का नेतृत्व करने वाले इमरान मौजूदा समय में पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार के विरोध में हैं। पंजाब प्रांत पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज के नेतृत्व वाली पीएमएल (एन) सरकार द्वारा शासित है।

चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी से हो रही है। पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा, जबकि बाकी टीमें अपने-अपने मुकाबले लाहौर, कराची और रावलपिंडी स्टेडियम में खेलेंगी।

सचिन तेंदुलकर को मिलेगा लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

मुंबई, 31 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के महान बल्लेबाज और पूर्व कप्तान सचिन तेंदुलकर को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) उन्हें अपने वार्षिक समारोह में सचिन को सम्मानित करेगा। अपने शानदार करियर के दौरान सचिन ने 664 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 48.52 की औसत से 34,357 रन बनाए। सचिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक 100 शतक और 164 अर्धशतक बनाए हैं। वह शतकों का शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। टेस्ट क्रिकेट के अलावा सचिन ने वनडे फॉर्मेट में भी कई रिकॉर्ड बनाए हैं। वनडे में 44.83 के औसत, 49 शतक और 96 अर्धशतक के साथ 18,426 रन और टेस्ट में 53.78 के औसत, 51 शतक और 68 अर्धशतक के साथ 15,921 रन बनाए।

दिल्ली के प्रशंसकों की उम्मीदें टूटीं, कोहली छह रन पर बोल्ड

विराट को आउट कर हिमांशु ने आक्रामक अंदाज में मनाया जश्न

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। जितने उत्साहित दिल्ली के फैंस विरोट कोहली को रणजी ट्रॉफी में बल्लेबाजी करते देखने के लिए थे, कुछ मिनटों बाद उतनी ही उन्हें निराशा भी हुई। दरअसल, 12 साल बाद रणजी में अपनी वापसी के बाद कोहली कुछ खास नहीं कर सके और छह रन बनाकर रेलवे के तेज गेंदबाज हिमांशु सांगवान का शिकार बने। एक बार फिर ऑफ स्टंप पर पिच होती गेंद विराट की कमजोरी साबित हुई और वह क्लीन बोल्ड हो गए। गेंद उनका ऑफ स्टंप उखाड़ ले गई। उनके आउट होते ही हजारों की संख्या में दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम पहुंचे फैंस निराश होकर स्टेडियम से बाहर निकलते दिखे।

दिल्ली और रेलवे के बीच रणजी मैच के दूसरे दिन यश ढुल (32) के आउट होने पर विराट बल्लेबाजी के लिए आए। उनकी एंट्री पर फैंस में गजब का उत्साह दिखा और उन्हें खूब चीयर किया गया। हालांकि, फैंस की ये खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिकी। कुछ ही मिनट बाद हिमांशु ने कोहली को बोल्ड कर दिया। कोहली जैसे-जैसे पवेलियन की ओर कदम बढ़ा रहे थे, वैसे-वैसे फैंस भी स्टेडियम छोड़कर जाते दिखे। उन्हें देखने के लिए गुरुवार को जहां रिकॉर्ड 12 हजार से ज्यादा दर्शक स्टेडियम पहुंचे थे, तो शुक्रवार को भी कई हजार फैंस अरुण जेटली स्टेडियम पहुंचे। विराट 15 गेंद में एक चौके की मदद से छह रन बनाकर आउट हुए।

विराट को क्लीन बोल्ड करने के बाद हिमांशु ने आक्रामक अंदाज में जश्न भी मनाया। विराट पिछले कुछ समय से खास फॉर्म में नहीं दिखे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में उन्होंने छह पारियों में 91 रन बनाए थे, जबकि ऑस्ट्रेलिया दौरे पर विराट नौ पारियों में 190 रन बना सके थे। इसमें पर्थ में पहले टेस्ट में 100 रन की पारी शामिल है।

इसे हटा दिया जाए तो आठ पारियों में वह बस 90 रन बना सके। विराट स्कॉट बोलैंड की ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंद को छेड़ते रहे और अपना विकेट गंवाते रहे। ऑफ स्टंप या इससे बाहर पिच होती गेंद विराट के लिए समस्या का कारण रही है। विराट को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है, लेकिन उनका फॉर्म चिंता का विषय है।

विश्व चैंपियन गुकेश ने वारमेरडम को 34 चालों में हराया

विज्क आन जी (नीदरलैंड), 31 जनवरी (एजेंसियां)। विश्व चैंपियन डी गुकेश की शानदार फॉर्म का क्रम जारी है। उन्होंने टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए अपने शीर्ष स्थान कायम रखा है। गुकेश ने दसवें दौर में काले मोहरों से खेलते हुए नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर मैक्स वारमेरडम को 34 चालों में हरा दिया। उनके 7.5 अंक हो गए हैं और टूर्नामेंट में तीन दौर शेष हैं। इस जीत के साथ देश के नंबर एक खिलाड़ी गुकेश 2800 की रेटिंग के करीब पहुंच गए हैं। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव (7) ने सर्बिया के एलेक्सी सराना (5) को हराकर अपना दूसरा स्थान कायम रखा है। वहीं, आर प्रज्ञानंद ने व्लादीमीर फेदोसीव को हराकर तीसरे स्थान पर जगह बना ली। उनके 6.5 अंक हैं।

हरिकृष्णा ने कारुआना से ड्रॉ खेला

गुकेश और वारमेरडम के बीच एक समय मुकाबला बराबरी का चल रहा था, लेकिन सिसिलियन के इस मुकाबले में गुकेश ने दो पॉन पर विजय पाकर वारमेरडम को बाजी छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। प्रज्ञानंद ने सफेद मोहरे से फेदोसीव के खिलाफ मध्य गेम में अपनी पकड़ मजबूत कर ली। प्रज्ञानंद ने 48 चालों में जीत हासिल की। एक अन्य मुकाबले में पी हरिकृष्णा (4.5) ने विश्व नंबर दो अमेरिका के फैबियानो कारुआना (5.5) को 68 चालों में ड्रॉ खेलने पर मजबूर कर दिया। हरिकृष्णा सफेद मोहरों से खेल रहे थे।

अर्जुन फिर नहीं जीते

अर्जुन एरिगेसी का खराब फॉर्म का दौर जारी है। उन्होंने 10वें दौर में भी ड्रॉ खेला। अर्जुन को जर्मनी के विन्सेंट कीमर (4) ने बराबरी पर रोका। अर्जुन को टूर्नामेंट में अब तक जीत नहीं मिली है। एक अन्य भारतीय लियोन ल्यूक मेंडोंका (3) ने स्थानीय खिलाड़ी अनीष गिरी (5) को बराबरी पर रोका। चैलेंजर वर्ग में आर वैशाली (5) को चेक गणराज्य की एनगुएन थाई वान डैम (7.5) के हाथों हार मिली।

'दौरा करने के लिए सबसे शानदार जगह है भारत' : बटलर

पुणे, 31 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला आज पुणे में खेला जाएगा। फिलहाल इस सीरीज में टीम इंडिया ने 2-1 की बढ़त बना रखी है। भारत ने पहला और दूसरा टी20 अपने नाम किया तो इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में वापसी की और जीत हासिल की। अब भारतीय टीम के सामने आज मैच जीतकर अजेय बढ़त हासिल करने की चुनौती होगी। इस मैच से पहले इंग्लैंड के कप्तान ने भारत की तारीफ की है और कहा है कि यह देश किसी भी टीम के लिए दौरा करने के लिए सबसे शानदार देश है।

चौथे टी20 से पहले इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने अपनी टीम के साथ पुणे में सिंगर एड शीरन के कॉन्सर्ट में हिस्सा लिया। इससे उन्हें टीम के साथ क्वालिटी समय बिताने का मौका भी मिला। बटलर से लेकर ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन तक, कई इंग्लिश क्रिकेटरों को टमटम का आनंद लेते हुए भी देखा गया।

इसके बाद बटलर ने भारत दौरे के बारे में अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मैं काफी समय से भारत आ रहा हूं। यह घूमने के लिए सबसे अच्छी जगह है। खेल के लिए उनका प्यार दुनिया के अन्य स्थानों की तुलना में बेजोड़ है। आईपीएल जैसे टूर्नामेंट के लिए यहां आना और फैंस का समर्थन देखना हमेशा सुखद होता है।'

बटलर ने कहा, 'इसके अलावा शीरन के कॉन्सर्स में आकर खुशी हुई। बहुत अच्छा है कि हमारी टीम ने प्लान किया और हम एक ही समय में पुणे में थे।' इंग्लैंडने तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत को 26 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में वापसी की। राजकोट में खेले गए तीसरे टी20 में इंग्लैंड ने 172 रनों का लक्ष्य रखा, जिसका भारत पीछा नहीं कर सका। भारत ने कोलकाता में खेला गया पहला टी20 सात विकेट से और चेन्नई में खेला गया दूसरा टी20 दो विकेट से अपने नाम किया था।

शिक्षा के साथ-साथ छात्रों को तकनीकी कौशल प्रदान करने की आवश्यकता : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने मोगिलिगिड्डा सरकारी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को मोगिलिगिड्डा सरकारी स्कूल में एक कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रोफेसर हरगोपाल ने सरकार से मोगिलिगिड्डा गांव और गांव के सरकारी स्कूल को विकसित करने का अनुरोध किया।

साथ ही इस 150 साल पुराने स्कूल के ऐतिहासिक महत्व के बारे में भी बताया। हैदराबाद के पहले मुख्यमंत्री बरगुला रामकृष्ण राव इसी स्कूल के छात्र थे। इस स्कूल ने कई बुद्धिजीवियों को भी जन्म दिया।

तेलंगाना में ऐतिहासिक साक्ष्य के रूप में गांव और स्कूल को विकसित करने और उन्हें भविष्य की पीढ़ियों को उपहार में देने की आवश्यकता है। सरकार ने इसके लिए पहले ही आवश्यक धनराशि स्वीकृत कर दी है। शिक्षा के साथ-साथ छात्रों को तकनीकी कौशल प्रदान करने की आवश्यकता है। यही कारण है कि सरकार ने इस गांव के लिए एक उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र को मंजूरी दी है। लोगों की सरकार के सत्ता में आने के तुरंत बाद, हमने स्कूलों को मजबूत करने के लिए 11,000 शिक्षकों की नियुक्ति की। साथ ही, बिना किसी विवाद के 31,000 शिक्षकों की पदोन्नति पूरी की। सरकार ने गरीब छात्रों के लिए सरकारी कल्याण छात्रावासों में आहार और प्रसाधन शुल्क बढ़ाया। सरकार गरीबों को शिक्षा सुलभ कराने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ प्रयास कर रही है। कुलपति नियुक्त करके विश्वविद्यालयों को मजबूत किया। प्रोफेसरों के अनुभव का उपयोग करने के लिए उनकी सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाकर 65 कर दी। सरकार ने शिक्षा के लिए बजट का 7 प्रतिशत आवंटित किया। सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को कमजोर करना लोगों के साथ विश्वासघात है। हम चरणबद्ध तरीके से शिक्षा के लिए बजट को 7 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करेंगे। तकनीकी कौशल बढ़ाने और बेरोजगारी को खत्म करने के लिए यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी की शुरुआत की। खेलों में युवाओं की प्रतिभा को सामने लाने के लिए जल्द ही यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी शुरू की जाएगी। हैदराबाद को खेलों का हब बनाने के लिए हम कदम उठा रहे हैं। शिक्षकों को सरकारी स्कूलों को बढ़ावा देना चाहिए और स्कूलों की प्रतिष्ठा बढ़ानी चाहिए। आइए हम सभी कमियों को दूर करें और शिक्षा के मानकों को ऊपर उठाएं।

नए स्कूल भवन और पुस्तकालय भवन निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपये स्वीकृत

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले में मोगिलिड्डा सरकारी स्कूल और गांव के विकास के लिए स्वीकृत की गई धनराशि का विवरण इस प्रकार है। मोगिलिड्डा गांव के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र स्वीकृत है। गांव में नए स्कूल भवन और पुस्तकालय भवन के निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। गांव में सीसी सड़कों के निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपये स्वीकृत (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत), मोगिलिड्डा ग्राम पंचायत कार्यालय के लिए नए भवन के निर्माण के लिए 50 लाख रुपये, सरकारी जूनियर कॉलेज में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए 50 लाख रुपये स्वीकृति किए गए हैं।

जवानों की अथक मेहनत से समाज में शांति और सौहार्द : सीवी आनंद

हैदराबाद सिटी पुलिस का मेगा रिवॉर्ड कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस ने 2024 के पूरे वर्ष के लिए एक मेगा रिवॉर्ड कार्यक्रम आयोजित किया। 706 अधिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। इन अधिकारियों ने मामलों का पता लगाने, उन्हें पकड़ने और निपटाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और वर्ष 2024 के दौरान उनके अच्छे काम के लिए पुरस्कृत किया गया है। इसमें (6-एडिशनल डीसीपी, 13-एसीपी, 73-इंस्पेक्टर, 83-एसआई, 12-असिस्टेंट एसआई, 86-हेड कांस्टेबल, 334-पुलिस कांस्टेबल, 29-होमगार्ड, 64 मिनिस्टीरियल स्टाफ और 6-लोक अभियोजक और असिस्टेंट पीपी) शामिल हैं। सीसीएस और साइबर अपराधों के सामने आने वाली नई चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, हैदराबाद सिटी के पुलिस आयुक्त ने विशेष विंग द्वारा किए गए अच्छे काम को मान्यता देने के लिए कमिश्नर ट्रॉफी की स्थापना की है। वर्ष 2024 के लिए, सर्वश्रेष्ठ जांच दल के लिए कमिश्नर ट्रॉफी सीसीएस की ईओडब्ल्यू टीम - I को प्रदान की गई है, जिसका नेतृत्व वाई हरीश कुमार, एसीपी, डी राम बाबू, इंस्पेक्टर, एसआई एस रवि कुमार, बी जयंत कर रहे हैं। साइबर अपराधों के लिए, सर्वश्रेष्ठ जांच दल के लिए कमिश्नर ट्रॉफी के मधुसूदन राव इंस्पेक्टर, एसआई, के वेंकटेश, चौ. महिपाल के नेतृत्व वाली टीम को प्रदान की गई है। इस अवसर पर बोलते हुए, पुलिस आयुक्त ने शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने में हैदराबाद शहर में पुलिस के अथक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, "80 लाख से अधिक आबादी वाले शहर में विभिन्न प्रकार के अपराधी हैं और उन सभी को न्याय देना लगभग असंभव कार्य है, फिर भी हमारे पुलिसकर्मी इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। हम सभी हर दिन किसी न किसी बंदोबस्त / सुरक्षा व्यवस्था में बहुत व्यस्त रहते हैं यह हमारी टीम के प्रयासों का ही नतीजा है कि हैदराबाद सिटी पुलिस प्रशंसा जीत रही है और देश में एक महत्वपूर्ण प्रतिष्ठा अर्जित कर रही है। अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पण के साथ हमारे जवानों की अथक मेहनत ने समाज में शांति और सौहार्द का मार्ग प्रशस्त किया है। इसके अलावा, सीपी, हैदराबाद ने कहा कि देर रात तक घूमने-फिरने वालों और 24/7 चलने वाले व्यवसायों में तेजी से वृद्धि हुई है। केवल 16000 पुलिसकर्मियों के साथ सुरक्षा प्रदान करना और शहर की सेवा करना एक बड़ी चुनौती है और फिर भी हमारे पुलिसकर्मी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सीपी, हैदराबाद सिटी ने अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अधिकारियों के समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना की और अपने कर्तव्यों के निर्वहन और मामलों का पता लगाने में उनके महत्वपूर्ण योगदान और असाधारण समर्पण के लिए विजेताओं/पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। कार्यक्रम में सुश्री एन. स्वेता, डीसीपी, सीसीएस, डीडी, हैदराबाद, और एचएफएसी एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस, क्राइम्स एंड एसआईटी, हैदराबाद सिटी और सुश्री डी. कविता, डीसीपी, साइबर क्राइम और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

तिरुमाला में रथ सप्तमी उत्सव के लिए व्यापक प्रबंध : बीआर नायडू

तिरुमाला, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड आगामी 4 फरवरी को होने वाले रथ सप्तमी उत्सव के लिए व्यापक व्यवस्था करेगा। टीटीडी के अध्यक्ष बीआर नायडू ने भक्तों के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने के लिए विशेष उपाय शुरू करने का निर्णय लिया। रथ सप्तमी उत्सव को सभी उपस्थित लोगों के लिए एक यादगार और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध अनुभव बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए, सभापति नायडू ने घोषणा की कि उत्सव के लिए पूरी व्यवस्था की गई है, जिसके दौरान भगवान वेंकटेश्वर को तिरुमाला की माडा सड़कों के चारों ओर सात अलग-अलग वाहनों (रथों) पर सवार करके घुमाया जाएगा। शुभ कार्यक्रम सुबह 6:44 बजे सूर्य की पहली किरण के साथ शुरू होगा, जब सूर्य की रोशनी देवता को छूएगी, जो एक दिव्य दर्शन का प्रतीक होगा।

टीटीडी को उम्मीद है कि इस उत्सव में करीब 2,00,000 श्रद्धालु शामिल होंगे। नतीजतन, बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों को समायोजित करने के लिए उस दिन अर्जित सेवा (भुगतान वाली सेवाएं) और विशेषाधिकार दर्शन (विशेष प्रवेश सेवाएं) रद्द कर दिए जाएंगे। दोपहर 3 से 5 बजे के बीच के समय स्लॉट टिकट भी रद्द कर दिए जाएंगे। विशेष प्रवेश टिकट वाले लोगों को निर्धारित समय पर दर्शन की अनुमति दी जाएगी। व्यवस्था बनाए रखने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 1,250 पुलिस अधिकारियों और 1,000 सतर्कता कर्मचारियों से युक्त सुरक्षा दल तैनात किया जाएगा। पार्किंग का प्रबंधन करने, आग के खतरों को रोकने और यातायात संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए विशेष उपाय लागू किए जा रहे हैं। टीटीडी भक्तों के लिए दीर्घाओं में विशेष व्यवस्था करेगा।

चक्रस्नान के दौरान सुरक्षा बढ़ाने के लिए मंदिर के तालाब में गोताखोरों को तैनात किया जाएगा। गैलरी में प्रतीक्षा कर रहे लोगों को लगातार भोजन और पेय पदार्थ वितरित किए जाएंगे। मंदिर के चारों ओर अस्थायी आश्रय (चलवा पंडाल) बनाए जाएंगे। टीटीडी ने 800,000 लड्डू बांटने की योजना बनाई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर भक्त को प्रसाद मिले। तिरुमाला को खूबसूरत लाइटिंग और फूलों की सजावट से सजाया जाएगा, जिससे उत्सव का माहौल और भी बढ़ जाएगा।

कांग्रेस और बीआरएस समर्थकों के बीच झड़प

कल्याण लक्ष्मी चेक वितरण के दौरान हुई झड़प

मलकाजगिरी एमआरओ में तनाव

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी मंडल राजस्व कार्यालय (एमआरओ) में शुक्रवार को हल्का तनाव व्याप्त हो गया, जब लाभार्थियों को 'कल्याण लक्ष्मी' और 'शादी मुबारक' चेक वितरित करने के दौरान कांग्रेस और बीआरएस के समर्थकों के बीच झड़प हो गई। यह घटना चेक वितरण के एक कार्यक्रम के दौरान घटी, जिसका आयोजन मलकाजगिरी के विधायक मर्री राजशेखर रेड्डी ने मलकाजगिरी के एमआरओ सीताराम की उपस्थिति में किया था। चेक वितरण समारोह के दौरान बीआरएस नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं ने मांग की कि राज्य सरकार चुनाव के दौरान किए गए वादे के अनुसार एक लाख रुपये के चेक के साथ एक तोला सोना वितरित करने का अपना वादा पूरा करे और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी तथा कांग्रेस पार्टी के खिलाफ नारे लगाए। विरोध प्रदर्शन के दौरान बीआरएस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच बहस हुई। दोनों समूहों के बीच हाथापाई शुरू हो गई, जो अंततः झड़प में बदल गई। पुलिस ने हस्तक्षेप कर दोनों समूहों को शांत कराया और स्थिति को नियंत्रण में लाया।

गांधी भवन नहीं गए महिपाल रेड्डी

निजी स्थान पर टीपीसीसी समिति के समक्ष हुए पेश

संगारेड्डी, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पाटनचेरु विधायक गुडेम महिपाल रेड्डी पार्टी के निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी काटा श्रीनिवास गौड़ के साथ मतभेदों को सुलझाने के लिए टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ द्वारा गठित टीपीसीसी समिति के समक्ष पेश हुए। जैसा कि उम्मीद थी, दलबदलू विधायक गांधी भवन नहीं गए। इसके बजाय उन्होंने गुरुवार को हिमायत नगर में समिति के सदस्य के आवास पर जाना चुना। 2023 के चुनावों में बीआरएस के टिकट पर चुनाव जीतने के बाद पार्टी बदलने वाले रेड्डी को कथित तौर पर विधायक के तौर पर अयोग्य ठहराए जाने का डर था। उन्होंने गांधी भवन में मीडिया का सामना करने से भी परहेज किया।

23 जनवरी को महिपाल रेड्डी के कैंप कार्यालय पर कथित तौर पर श्रीनिवास गौड़ के अनुयायियों द्वारा किए गए हमले के बाद, टीपीसीसी अध्यक्ष ने दो सदस्यीय समिति गठित की थी, जिसमें पार्टी सचेतक आदी श्रीनिवास और टीपीसीसी उपाध्यक्ष एमआरजी विनोद रेड्डी शामिल थे। रेड्डी ने कथित तौर पर कहा कि उन्होंने पटनचेरु में कभी भी किसी पार्टी नेता या कैडर को अपमानित नहीं किया।

चूंकि उन्हें पहले कांग्रेस में काम करने का अनुभव था, इसलिए पटनचेरु से तीन बार विधायक रहे रेड्डी ने कहा कि वह हमेशा अपने निर्वाचन क्षेत्र के सभी नेताओं और कैडर के साथ मिलकर काम करना पसंद करेंगे।

समिति के सदस्यों ने कहा कि वे मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा और टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष टी जग्गा रेड्डी से बातचीत करने के बाद दो दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट टीपीसीसी अध्यक्ष को सौंप देंगे। काटा श्रीनिवास गौड़ 27 जनवरी को समिति के सामने पेश हुए।

विधायक कौशिक ने की इंदिराम्मा हाउसिंग लाभार्थी चयन पर सरकार की आलोचना

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक पडी कौशिक रेड्डी ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर तेलंगाना के लोगों को खोखले वादों और इंदिराम्मा घरों के अन्यायपूर्ण वितरण से धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने हुजूराबाद के मतदाताओं को निराश किया है, क्योंकि उन्होंने पूरे निर्वाचन क्षेत्र के लिए मात्र 800 घर आवंटित किए हैं, जबकि मुख्यमंत्री ने खुद स्वीकार किया है कि 40,000 से अधिक लोग इसके लिए पात्र हैं।

गुरुवार को तेलंगाना भवन में आयोजित एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए कौशिक रेड्डी ने कहा कि हुजुराबाद के 106 गांवों में से केवल पांच को ही घर मिले हैं, जबकि बाकी खाली हाथ रह गए हैं। उन्होंने लोगों को बिना उचित आधिकारिक हस्ताक्षर के जारी किए गए कार्यवाही दस्तावेजों पर

आंख मूंदकर भरोसा न करने की चेतावनी दी, साथ ही आगाह किया कि एक बार घर बन जाने के बाद रेवंत रेड्डी कोई वित्तीय सहायता नहीं देंगे।

उन्होंने भूमिहीन परिवारों को मकान आवंटित करने में स्पष्टता की कमी के लिए कांग्रेस की आलोचना की तथा 9,188 से अधिक पात्र व्यक्तियों के भाग्य पर सवाल उठाया, जिनमें से केवल 4,597 को ही इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा योजना के तहत सहायता मिली।

कांग्रेस पर और हमला करते हुए हुजुराबाद विधायक ने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के कार्यकाल में रैतु बंधु योजना और मौजूदा सरकार के रैतु भरोसा की तुलना की। उन्होंने दावा किया कि चंद्रशेखर राव सरकार ने 1.6 करोड़ एकड़ के लिए सहायता प्रदान की, जबकि कांग्रेस ने 1.5 करोड़ एकड़ का वादा किया, जिसमें केवल 1.8 प्रतिशत की कमी की गई, फिर भी बीआरएस के तहत बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का झूठा आरोप लगाया।

आदिलाबाद में देखा गया लुप्तप्राय धारीदार लकड़बग्घा

आदिलाबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मावला मंडल केंद्र में एक शहरी वन पार्क में स्थापित सौर ऊर्जा आधारित सीसीटीवी कैमरे पर 'निकट संकटग्रस्त' श्रेणी में वर्गीकृत एक धारीदार लकड़बग्घे की गतिविधि रिकॉर्ड की गई, जिससे वन अधिकारियों और पर्यावरणविदों में खुशी की लहर दौड़ गई। आदिलाबाद वन रेंज अधिकारी गुलाब सिंह ने बताया कि 28 जनवरी को शहरी पार्क में एक वयस्क धारीदार लकड़बग्घा देखा गया था, जिसकी हरकत सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड की गई थी। लकड़बग्घे को अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) की रेड लिस्ट में खतरे के करीब वर्गीकृत किया गया था। उन्होंने कहा कि यह खोज इस क्षेत्र में मौजूद समृद्ध वन्यजीव जैव विविधता को दर्शाती है।

प्राणीशास्त्रियों के अनुसार, धारीदार लकड़बग्घों का सिर चौड़ा होता है, उनकी आंखें गहरी होती हैं, थूथन मोटा होता है और कान बड़े, नुकीले होते हैं। उनका थूथन, कान और गला पूरी तरह से काला होता है, लेकिन उनका कोट सुनहरा पीला, भूरा या ग्रे हो सकता है और शरीर और पैरों पर काली धारियाँ होती हैं। उनके आगे के पैर पिछले पैरों से बहुत लंबे होते हैं, जो जानवर को एक विशिष्ट चाल देते हैं। वन अधिकारियों ने बताया कि लकड़बग्घे उत्तर भारत के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों और दक्कन पठार के कुछ हिस्सों में रहते हैं। वे जंगली सूअरों के स्तनधारी मांस और बाघों और तेंदुओं द्वारा छोड़े गए शवों को खाते हैं। वे छोटे सरीसृपों, कीड़ों, उड़ने वाले पतंगों, भेड़ और बकरियों का भी शिकार करते हैं। वे अपने क्षेत्र को चिह्नित करने के लिए एक विशेष गंध छोड़ते हैं।

दुर्घटना में तेंदुए की मौत

मेदक, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नरसिंगी मंडल के वल्लुरु में एनएच-44 पर गुरुवार शाम को एक सड़क दुर्घटना में एक तेंदुआ मारा गया। सड़क पार करते समय किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से तेंदुआ कई चोटों के साथ घायल हो गया। सूचना के बाद वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को पशु चिकित्सालय पहुंचाया। पुलिस वाहन का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

घायल श्रद्धालु को 2 लाख का मुआवजा

तिरुमला, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी अध्यक्ष बीआर नायडू ने कुछ बोर्ड सदस्यों के साथ तिरुपति भगदड़ की घटना में घायल श्रद्धालु को मुआवजा दिया है। उन्होंने कड़पा जिले की जी शैलजा को 2 लाख रुपए की डीडी सौंपा।सभापति बीआर नायडू, सदस्य ज्योतुला नेहरू, संतराम ने शुक्रवार को तिरुमाला में सभापति कैंप कार्यालय में पीड़िता को डीडी भेंट किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.